P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

P-12

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 अंक: 16 नई दिल्ली, गुरुवार , 16 अप्रैल 2026 Email.timesofpedia@gmail.com पृष्ठ: 12 मूल्य : 01./-

संक्षिप्त समाचार

अमरावती यौन उत्पीड़न के आरोपी के घर बुलडोजर ऐक्शन

- दावा-180 नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण किया,350 वीडियो मिले

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र में अमरावती जिले के परतवाड़ा में लड़कियों के यौन शोषण के मुख्य आरोपी मोहम्मद अयाज उर्फ तनवीर के घर पर प्रशासन ने बुधवार को बुलडोजर चलाया। जांच के लिए प्रशासन ने 46 सदस्यीय विशेष जांच दल बनाया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तनवीर समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी लड़कियों को फंसाते थे, फिर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाकर अश्लील वीडियो बनाते थे। पुलिस ने इन चारों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया। जहां उन्हें सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। दावा है कि आरोपियों के पास 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले हैं,

जिनसे वह लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहे थे। अब तक किसी ने शिकायत नहीं की पुलिस ने बताया कि अब तक किसी भी पीड़ित ने शिकायत के लिए सीधे संपर्क नहीं किया है। पुलिस ने पीड़ितों और उनके परिवारों से आगे आकर जांच में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही उनकी पहचान सुरक्षित रखने का आश्वासन दिया है। तनवीर को 11 अप्रैल को हिरासत में लिया गया, जब उसके साथ कुछ महिलाओं और लड़कियों के अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

आरोपी का मोबाइल फोन जब्त

अब पुलिस यह जांच कर रही है कि आरोपी ने अश्लील वीडियो अपने दोस्तों या किसी संगठित गिरोह के साथ शेयर किए थे या नहीं। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस डिवाइस में कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं, जिनकी जांच के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से लग गया बड़ा झटका

- ट्रांजिट जमानत पर रोक, तेलंगाना एचसी के फैसले को पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई एक हफ्ते की ट्रांजिट बेल पर रोक लगा दी है। मालूम हो कि, यह बेल उन्हें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी पर कथित तौर पर कई पासपोर्ट रखने का आरोप लगाने के मामले में दर्ज एफआईआर के सिलसिले में दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस.चांदुरकर की बेंच ने खेड़ा को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। यह नोटिस असम सरकार की उस याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें तेलंगाना हाई कोर्ट ने खेड़ा को दी गई अग्रिम (ट्रांजिट) बेल पर रोक लगाने की मांग की गई थी। हालांकि, बेंच ने यह भी कहा कि अगर खेड़ा असम में अग्रिम बेल के लिए आवेदन करना चाहते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट का आदेश उनके आड़े नहीं आएगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर फिर शुरू होगी बातचीत

भारतीय-डेलिगेशन अगले हफ्ते वॉशिंगटन रवाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से रुकी हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर अगले हफ्ते बातचीत फिर से शुरू होने वाली है। केंद्र सरकार का एक हाई-लेवल डेलिगेशन अगले सप्ताह वॉशिंगटन रवाना होगा। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब

अमेरिका में टैरिफ नियमों और अदालती फैसलों की वजह से व्यापारिक समीकरण बदल गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को सरकारी सूत्रों ने डेलिगेशन की इस यात्रा की पुष्टि की। पहले इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी, लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प शासन के दौरान लागू टैरिफ व्यवस्था और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले ने स्थितियों को कठिन बना दिया है। दोनों देशों ने फरवरी में व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए रूपरेखा तैयार कर ली थी। इस फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका भारतीय सामानों पर आयात शुल्क यानी टैरिफ घटाकर 18 फीसदी करने पर सहमत हो गया था।

चीन की 'आंख' से ईरान ने की अमरीका की जासूसी

मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों पर बरसाए बम,रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर नजर रखने और हमलों को टारगेट करने के लिए एक चीनी सैटेलाइट का इस्तेमाल किया। यह दावा फाइनेंशियल टाइम्स की एक जांच रिपोर्ट में किया गया है, जिसमें लीक हुए ईरानी सैन्य दस्तावेज और सैटेलाइट डेटा का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह सैटेलाइट 2024 के अंत में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स एयरोस्पेस फोर्स ने हासिल किया था। इसे चीन की कंपनी अर्थ आई कंपनी ने बनाया था और इन-ऑर्बिट डिलीवरी मॉडल के तहत अंतरिक्ष में ही ईरान को ट्रांसफर किया गया।

हालांकि, चीन ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज

किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मीडिया में आई ये रिपोर्टें पूरी तरह झूठी हैं और अगर अमेरिका इन आरोपों के आधार पर टैरिफ बढ़ाता है, तो चीन जवाबी कदम उठाएगा।

सैटेलाइट के जरिए अमेरिकी ठिकानों की निगरानी

लीक दस्तावेजों के अनुसार, मार्च में हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों से पहले और बाद में ईरानी कमांडरों ने इस सैटेलाइट के जरिए कई अहम अमेरिकी ठिकानों की निगरानी की। सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस की 13, 14 और 15 मार्च को तस्वीरें ली गईं। 14 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पुष्टि की थी कि वहां मौजूद अमेरिकी विमानों को नुकसान हुआ था और पांच एयर फोर्स के रिफ्यूलिंग विमान क्षतिग्रस्त हुए थे। इसके अलावा जॉर्डन का मुवाफ्फाक सल्ती एयर बेस, बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट का ठिकाना, इराक का एरबिल एयरपोर्ट, कुवैत के कैंप ब्यूहरिंग और अली अल सलेम एयर बेस भी निगरानी में थे।

नागरिक ठिकाने भी आए नजर

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खाड़ी क्षेत्र के कुछ नागरिक ठिकानों पर भी नजर रखी गई। इनमें यूएई का खोर फक्कन पोर्ट और किदफा पावर प्लांट, साथ ही बहरीन का अल्बा एल्युमिनियम प्लांट शामिल हैं। इस समझौते के तहत ईरान को बीजिंग स्थित एम्पोसैट कंपनी के ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का एक्सेस मिला, जिससे वह अलग-अलग जगहों से सैटेलाइट को ऑपरेट कर सकता था और तस्वीरें हासिल कर सकता था। दस्तावेजों के अनुसार, इस पूरे सिस्टम के लिए आईआरजीसी ने करीब 250 मिलियन युआन (लगभग 36.6 मिलियन डॉलर) का भुगतान करने पर सहमति दी थी, जिसमें लॉन्च और तकनीकी सेवाएं भी शामिल थीं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सैटेलाइट ईरान की सैन्य क्षमता में बड़ा सुधार दिखाता है।

2035 तक अपना स्पेस स्टेशन बनाएगा भारत

रूस के साथ बड़ी साझेदारी की तैयारी में इसरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारत के महत्वाकांक्षी स्पेस स्टेशन प्रोजेक्ट 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' के निर्माण में रूस के साथ साझेदारी की इच्छा जताई है। इसरो के वरिष्ठ अधिकारी ने मॉस्को में आयोजित एक अंतरिक्ष मंच पर यह जानकारी दी। इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स के निदेशक ए. पकीराज ने कहा कि बीएएस के विकास में रूस के अनुभव का लाभ उठाने के लिए भारत सहयोग चाहता है। उन्होंने कहा कि कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई, कम्युनिकेशन और ट्रैकिंग जैसे महत्वपूर्ण सब-सिस्टम में दोनों देश मिलकर काम कर सकते हैं। इसरो के मुताबिक, भारत का प्रस्तावित स्पेस स्टेशन 2035 तक तैयर होगा और पृथ्वी से करीब 450 किमी की ऊंचाई पर स्थापित किया जाएगा

और इसका झुकाव 51.6 डिग्री होगा। यह रूसी स्पेस स्टेशन आरओएस के समान होगा। भारत अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ भी सहयोग की संभावनाएं तलाश रहा है। मौजूदा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को 2030-31 तक डीकमीशन किए जाने की योजना है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर नए स्पेस स्टेशनों के निर्माण के अवसर बढ़ रहे हैं।

रूस की तकनीकी मदद अहम, दशकों पुराना अंतरिक्ष सहयोग

रूस, भारत को ऑर्बिटल मॉड्यूल, लाइफ सपोर्ट सिस्टम, और डॉकिंग सिस्टम जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों में सहयोग दे सकता है। रूस के पास 'एमआईआर' स्पेस स्टेशन और आईएसएस के रूसी हिस्से 'रशियन ऑर्बिटल सेग्मेंट' का व्यापक अनुभव है। भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष सहयोग का लंबा इतिहास रहा है। 1984 में राकेश शर्मा को अंतरिक्ष में भेजने में सोवियत संघ (अब रूस) ने मदद की थी। 1975 में भारत के पहले उपग्रह आर्यभट का प्रक्षेपण भी सोवियत संघ से हुआ था। क्रायोजेनिक इंजन तकनीक और गगनयान मिशन के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण में भी रूस ने अहम भूमिका निभाई है। भारत और रूस की यह साझेदारी दोनों देशों के 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक संबंध' का मजबूत आधार रही है। अब बीएएस प्रोजेक्ट के जरिए यह सहयोग अंतरिक्ष में नए अध्याय की शुरुआत करेगा।

नासिक धर्मांतरण केस के पीछे संगठित नेटवर्क का खुलासा

- आर्थिक रूप से कमजोर नई कर्मचारियों को करते थे टारगेट
- शिकायत करने पर फटकारती थी मैनेजर,निदा खान गिरफ्तार

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक स्थित टीसीएस कंपनी ऑफिस में धर्म परिवर्तन, यौन शोषण केस की पुलिस जांच में सामने आया है कि एक संगठित नेटवर्क नए कर्मचारियों को निशाना बनाता था। इस केस में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी नई जॉइन करने वाली कर्मचारियों की निजी जानकारी के

आधार पर 'टारगेट' चुनते थे। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर और पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहे कर्मचारियों को निशाना बनाया जाता था। अब तक की जांच के अनुसार गिरफ्तार मैनेजर अश्विनी चेनानी ने तौसीफ अत्तार से 38 बार, दानिश शेख से 1 बार, रजा मेमन से 22 बार और आपत्तिजनक चैट की थी।

सम्राट चौधरी बने बिहार के 24वें मुख्यमंत्री

- शपथ के बाद नीतिश के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

जेडीयू से विजय चौधरी-बिजेंद्र यादव डिप्टी सीएम बने

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी बिहार 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। नीतिश

कुमार इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिहार में अभी मंत्रिमंडल का ऐलान नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री के पिता शकुनी चौधरी ने कहा, कभी-कभी ईश्वर की कृपा होती है। हमने कई पार्टियों के लिए पूरी लड़ाई लड़ी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आज अमित शाह, नरेंद्र मोदी और नीतिश की कृपा से सम्राट आगे बढ़ गया। मेहनत रंग लाती है जो मेहनत करेगा वही आगे बढ़ेगा।'

पाक-चीन के खिलाफ तीनों सेनाओं की दो संयुक्त कमान

- तीन थिएटर कमान का ब्लूप्रिंट तैयार,वाइस सीडीएस का पद भी बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार तीनों सेनाओं के ढांचे में बड़ा बदलाव करने जा रही है। इसके तहत अब थल, वायु और नौसेना संयुक्त रूप से थिएटर कमान के तौर पर काम करेंगी। पाकिस्तान से निपटने के लिए वेस्टर्न तो चीन से मुकाबले के लिए नार्दर्न थिएटर कमान होगी। हिंद महासागर के बड़े समुद्री क्षेत्र की रखवाली के लिए मैरीटाइम कमान बनेगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की अगुवाई में डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स ने पिछले सैन्य संघर्षों के अनुभवों से सबक लेते हुए इनके ब्लूप्रिंट तैयार किए हैं। इन्हें अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पास

भेजेंगे। फिर कैबिनेट समिति मुहर लगाएगी। सीडीएस का विस्तारित कार्यकाल मई अंत में पूरा हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि जनरल चौहान के अवकाश ग्रहण करने के बाद सीडीएस के साथ वाइस सीडीएस का पद भी बनेगा।

- **जल्द मिलेंगी 4 नई फोर्स, वेस्टर्न कमान वायुसेना संभालेगी-** देश को डिफेंस जियो स्पेशियली एजेंसी, डेटा, ड्रोन और कॉग्नेटिव वॉरफेयर एक्शन फोर्स मिलेंगी। कॉग्नीटिव फोर्स ह्यूमन माइंड्स के बैटलफील्ड पर काम करेगी। प्रतिद्वंद्वी की सैन्य ताकत को मानसिक स्तर पर प्रभावित करने के तरीके अपनाएगी। नया सैन्य ढांचा- इसमें 5 फोर स्टार जनरल होंगे।

ईरान के लिए तारणहार बनेगा भारत का बनाया चाबहार पोर्ट!

- अमेरिकी नाकेबंदी पर बड़ा ऐलान, यूएई को भी तगड़ा झटका

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ऐसा हथियार साबित हो रहा है जिसका अमेरिका और इजरायल के पास कोई तोड़ नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट पर से ईरानी कंट्रोल को खत्म करने के लिए अमेरिका ने नाकेबंदी लगाई है और युद्धपोतों के साथ हजारों की तादाद में सैनिकों को भी तैनात किया है। अब इसकी काट के लिए ईरान ने नई चाल चल दी है। ईरान ने कहा है कि वह दक्षिण ईरान में मौजूद अपने बंदरगाहों के इस्तेमाल की योजना बना रहा है ताकि अमेरिकी नाकेबंदी को फेल किया जा सके। ईरान के पास देश के दक्षिणी इलाके में दो बंदरगाह हैं पहला-बंदर अब्बास और दूसरा चाबहार। चाबहार पोर्ट को भारत ने करोड़ों डॉलर खर्च करके बनाया है। इन दोनों ही पोर्ट से भारत संग ईरान व्यापार करता है। ईरान का बंदर अब्बास पोर्ट ठीक होर्मुज स्ट्रेट के मुहाने पर है जिसे अमेरिका ने घेर रखा है। ऐसे में ईरान के पास चाबहार पोर्ट एक बड़े विकल्प के रूप में बचता है। अमेरिका ने सोमवार से ही अपने नाकेबंदी को लागू कर दिया है।

होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान ने यूएई के प्रस्ताव को ठुकराया

इस बीच ईरान ने यूएई को भी होर्मुज स्ट्रेट पर बड़ा झटका दिया है। ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है जिसमें उसने सेफ एक मेरिटाइम कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव को यूएई ने इंटरनैशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के जरिए ने किया था जिसे संगठन ने स्वीकार कर लिया था। ईरान ने कहा है कि यूएई के इस प्रस्ताव का कोई कानूनी आधार नहीं है। साथ ही यह राजनीति से प्रेरित है। बता दें कि अमेरिका और इजरायल के बाद ईरान ने सबसे ज्यादा मिसाइल और ड्रोन हमला यूएई पर ही किया है। दोनों के बीच संबंधों में काफी तनाव देखा जा रहा है। यूएई लगातार होर्मुज स्ट्रेट को खोलने और कोई टोल नहीं वसूलने की मांग कर रहा है।

अमेरिकी नाकाबंदी 'लापरवाही भरी चूक'

पाकिस्तान में ईरान के राजदूत ने मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकाबंदी को गरिमापूर्ण तरीके से पीछे हटने और अपनी साख बचाने के लिए संभवत: की गई एक लापरवाही भरी चूक करार दिया। राजदूत रेजा अमीरी मोघदम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह बेकार के बयानों से लेकर लापरवाही भरी हरकतें करने तक और फिर वापस यही क्रम दोहराने का एक खतरनाक चक्र है।' उन्होंने कहा, नौसैनिक नाकेबंदी एक अवैध, उकसाने वाला और गैर-रचनात्मक कदम है, और यह संभवत: गरिमापूर्ण तरीके से पीछे हटने तथा अपनी साख बचाने के लिए की गयी एक लापरवाही भरी चूक है। मोघदम ने कहा कि नौसैनिक नाकाबंदी का उद्देश्य यह धारणा बनाना है कि 'चीजें बलपूर्वक थोपी जा रही हैं और इस प्रकार गोला-बारूद की तैनाती, बयानबाजी, जानमाल के नुकसान और अमेरिकी करदाताओं पर पड़ने वाले बोझ को उचित ठहराना है।

अयोध्या के राम मंदिर पहुंचे कांग्रेस के 14 विधायक

- एमएलए ने कहा-हमारी जीवनभर की इच्छा आज पूरी हुई

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस के विधायक टी.बी. जयचंद्र बुधवार को भगवान श्रीराम के दर्शन और उनका आशीर्वाद लेने के लिए अयोध्या पहुंचे। उन्होंने इस यात्रा को अपने जीवन के लिए एक बहुत ही खास और महत्वपूर्ण अनुभव बताया। उनका कहना था कि यह उनके लिए गर्व और खुशी का पल है क्योंकि यह उनकी अयोध्या की पहली यात्रा है। टी.बी. जयचंद्र ने कहा कि वे लंबे समय से इस पवित्र स्थान पर आने की इच्छा रखते थे ताकि भगवान राम के दर्शन कर सकें और उनका आशीर्वाद ले सकें। उन्होंने यह भी बताया कि उनके साथ

कर्नाटक के कई अन्य विधायक भी इस यात्रा में शामिल हुए हैं। कुल मिलाकर लगभग 13 से 14 विधायक अयोध्या पहुंचे हैं, जो सभी भगवान राम के दर्शन और आशीर्वाद के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि पर जो भव्य मूर्ति स्थापित की गई है, वह एक बहुत ही सुंदर और खास कलाकृति है। इस मूर्ति को कर्नाटक के प्रसिद्ध शिल्पकार अरुण योगीराज ने बनाया है, जिस पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। अयोध्या आना उनके लिए एक भावनात्मक और खुशी से भरा पल है, क्योंकि यह उनकी लंबे समय से पूरी होने वाली इच्छा थी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निमार्ता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

संपादकीय

चौदह अप्रैल को अंबेडकर जयंती

राकेश मनचंदा

चौदह अप्रैल को हम बरसों से अंबेडकर जयंती मनाते आ रहे हैं। पर क्या यह एक दिन की रस्म अदायगी, फोटो और भाषणबाजी की रस्म अदाएगी नहीं है ? बस एक दिन नहीं, 365 दिन की हमारी जीवनशैली में क्रियान्वित होना चाहिए हमारा संविधान।

संविधान की जरूरत क्यों? आज जब हर दुसरे देश में ट्रंप स्टाईल के तानाशाह और उनके भक्त, जिसकी लाठी उसकी भैंस की तर्ज पर संविधान और कानून तोड़ रहें हैं . ऐसे बाबा के जन्मदिन एवं संविधान संस्कृति की रचना का मूल्य समझना जरूरी है।

आप जानते हैं , परिवार हो या दुनिया बिना नियम बिना ट्रेफिक लाइट के, दुर्घटना मुक्त जीवन कभी मुमकिन नहीं! गैर-बराबरी की दुनिया में संविधान ही संतुलित न्याय एवं ताकत का मार्ग नजर आता है।

बाबा साहेब अकेले नहीं थे। उनके साथ 299 भारतीय रचनाकारों की टीम थी झ राजेंद्र बाबा, नेहरू, पटेल, अमृत कौर, मौलाना आजाद, और कितने ही गुमनाम नाम भी। उन सबने मिलकर दुनिया भर के अनुभव लिए झ ब्रिटेन से, अमेरिका से, आयरलैंड से झ और भारत के लिए संविधान बनाया।

भीमराव अंबेडकर की 299 सदस्यीय टीम ने संविधानिक कानून का कायदा इसलिए नहीं दिया कि हम साल में एक दिन झंडा हिलाकर,जय भीम का नारा देकर सो जाएं !बल्कि हमें चाहिए सामाजिक सुरक्षा और इन्साफ का 365 दिन, 247 अमल में आने वाला निजाम। संविधान सिर्फ दिखाने के लिए या दिवस मनाने के लिए नहीं, बल्कि इसको लागू करना और करवाना हर नागरिक की जिम्मेदारी कानून बनाकर सरकार तय करे.

बाबा आंबेडकर के उसूलों और संविधान हमारे जीवन में हर रोज जिया जाना जरूरी है ? मैंने किसी का हक तो नहीं छीना? किसी पर जुल्म तो नहीं किया और अगर जुल्म किसी पर होते देखा टी क्या मैं चुप रहा ?

संविधान और बाबा साहिब का जन्म दिन एक दिन का ड्रामा नहीं, बारह महीने और तीसों दिन की जंग है, संविधान का एप्लिकेशन। इंसाफ का भूखा, हर नागरिक 100% अमल में आने तक हर पल इस संविधान को जिंदा करने की जद्दोजहद करे. यही सपना था बाबा अंबेडकर और उनकी लिडरशिप में सभी 299 संविधान रचनाकारों का।

अब संविधान को अलमारी में नहीं, बल्कि हर नागरिक को जेब और मस्तिष्क में रखना जरूरी है। और सरकारों को हर नागरिक के अधिकारों के हित में बिना भेदभाव धरातल पर उतारने की जरुरत है, केवल एक दिन का नाटक ठीक नहीं , यही असली जयंती है, बाबा भीमराव अंबेडकर की.

चिंतन-मनन

संयम से जीवन की उन्नति

कार्तिय माहात्म्य प्रवचनों में पं. रामनिवास ब्रजवासी जी ने कहा शरद ऋतु में की जाने वाली उपासनाओं से जहाँ चंद्र किरणों से प्राप्त होने वाले अमृत तत्व से देह का सिंचन होता है, वहीं सूर्य की रश्मियों की प्रचुर ऊर्जा से उस अमृत तत्व की शरीर में स्थिरता होती है इसीलिए कार्तिक मास में प्रात? पवित्र नदियों में स्नान कर भगवान विष्णु शालीग्राम स्वरूप की पूजा की जाती है। इन दिनों ब्रजवासी जी कार्तिक माहात्म्य के माध्यम से श्रद्धालुओं को उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान विष्णु के सहस्त्रनाम का पाठ करने से मनुष्य के जीवन में संयम एवं धर्म में चलने की प्रेरणा मिलती है। जीवन को उन्नत बनाने में संयम का बहुत महत्व है। संयमी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य को नहीं छोड़ता। शालिग्राम पूजन में पंचामृत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा गाय का दूध, दही, घी व शहद और शक्कर से शालिग्राम भगवान का अभिषेक करना चाहिए। वस्तुतः इन पांचों का मंत्रोच्चारण के साथ मिल जाना ही पाँच प्रकार के अमृतों का मिलना है। इसमें तुलसीदल डाल देने के बाद यह चरणामृत बन जाता है जिसका प्रसाद में ग्रहण कर लेने पर सभी प्रकार की आधियाँ-व्याधियाँ अर्थात मानसिक रोग तथा शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। हमारी उपासना विधियाँ जहाँ मनुष्य को धार्मिक बनाती है वही शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ भी बनाती है।

ज्वालामुखी बन सकती है मजदूर आंदोलन की चिंगारी

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। नोएडा में कर्मचारियों के उग्र प्रदर्शन के बाद योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये नई अंतरिम दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट है।मजदूरों के गुस्से को देख कर सरकार आनफुट आ गयी है। केंद्र सरकार मामले की मानिटरिंग कर रही है वहीं यूपी हरियाणा राजस्थान की प्रदेश सरकारें अपने अपने स्तर पर मजदूरों के आंदोलन के शमन और मजदूरों को भड़काने वाले लोगों की पहचान करने में लगे हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह समिति संवाद और आपसी सहमति के जरिए विवादों को सुलझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और औद्योगिक माहौल स्थिर बना रहे।

उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वेतन बढ़ोत्तरी समेत सामाजिक सुरक्षा के कई बिंदुओं को लेकर मजदूरों के आंदोलनों व उग्र प्रदर्शनों ने केंद्र तक को सतर्क कर दिया है। दरअसल, हरियाणा से शुरू हुई आग उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। हरियाणा से सटे राजस्थान के इक्के दुक्के स्थानों पर छिटपुट घटना होकर फिलहाल शांत है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से एलपीजी गैस नहीं मिलने से मजदूरों की परेशानी बढ़ी हुई थी और उनका गुस्सा आंदोलन में तब्दील हो गया।

पता हो कि दिल्ली से सटे नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का गुस्सा अब एक शहर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली-एनसीआर में फैला हुआ एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है. वेतन वृद्धि, महंगाई और श्रम सुविधाओं को लेकर शुरू हुआ यह विरोध अब कई जिलों में असर दिखा रहा है. नोएडा में चल रहे इस आंदोलन की शुरूआत 7 अप्रैल को गुरुग्राम के मानेसर इलाके से हुई थी, जहां मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था.इसके बाद यह विरोध धीरे-धीरे नोएडा और फिर ग्रेटर नोएडा पहुंचा. अब इस आंदोलन का असर गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ तक में भी दिखाई दे रहा है. आज बड़ी संख्या में बुलंदशहर और गाजियाबाद में श्रमिकों ने प्रदर्शन किया और सड़कों को जाम कर दिया. गाजियाबाद में स्थिति इतनी खराब हो गई कि नोएडा-गाजियाबाद बॉर्डर पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया.

जान लीजिए नोएडा में यह आंदोलन 9 अप्रैल को फेस-टू थाना क्षेत्र में मौजूद होजरी कंपलेक्स से शुरू हुआ. जहां गारमेंट और होजरी यूनिट्स में काम करने वाले मजदूर फैक्ट्रियों के बाहर इकट्ठा हुए. वो वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए. शुरूआत में यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था. मजदूरों ने नारेबाजी और बातचीत के जरिए अपनी बात रखने की कोशिश कीअप्रैल से लेकर 11 अप्रैल तक आंदोलन बिना किसी हिंसा के चलता रहा. हालांकि, मजदूरों का कहना था कि उनकी मांगों पर कंपनियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके बीच असंतोष लगातार बढ़ता गया. मजदूरों के आंदोलन की स्थिति ने 12 अप्रैल को बड़ा मोड़ लिया. ग्रेटर नोएडा के इकोटेक थर्ड इलाके में प्रदर्शन के दौरान मिंडा कंपनी के पास हालात अचानक बिगड़ गए. इस दौरान पुलिस कार्रवाई में गोली चलने की घटना सामने आई, जिसमें एक महिला मजदूर को गोली लग गई.यह घटना पूरे आंदोलन के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई. जैसे ही गोलीकांड की खबर फैली, मजदूरों में भारी आक्रोश फैल गया और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया.

अगले ही दिन 13 अप्रैल यानी सोमवार की सुबह नोएडा के फेस-2, सेक्टर-62 और एनएच-9 जैसे प्रमुख इलाकों में हजारों मजदूर सड़कों पर उतर आए. इससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया. प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी. डिवाइडर पर चढ़कर नारेबाजी की. कई जगह वाहनों को रोक दिया. इस दौरान हालात तेजी से बिगड़े और कई जगह तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं.

नोएडा के फेस-2 इलाके में कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया. इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पुलिस और मजदूर आमने-सामने आ गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े. भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद किसी तरह हालात को काबू में लाया गया, लेकिन तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है.

इस आंदोलन का सीधा असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक ढांचे पर पड़ा. फेस-2 के होजरी कंपलेक्स में करीब 500 कंपनियां संचालित होती हैं. वहीं, इकोटेक थर्ड के औद्योगिक क्षेत्र में भी करीब 400 से अधिक फैक्ट्रियां और निजी कंपनियां हैं. इनमें सैकड़ों की संख्या में मजदूर काम करते हैं. दोनों प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हुआ और कई कंपनियों को अस्थायी रूप से काम बंद करना पड़ा. यह आंदोलन किसी एक कंपनी के खिलाफ नहीं, बल्कि कई कंपनियों के मजदूरों का सामूहिक विरोध है. अब इसका असर पूरे एनसीआर में दिखने लगा है. गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ जैसे जिलों में भी मजदूर सक्रिय हो गए हैं, जिससे आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक होने की आशंका है.

मजदूरों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26,000 रुपये प्रति माह करना, ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से करना, साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करना, समय पर वेतन भुगतान, सैलरी स्लिप देना और बोनस को सीधे बैंक खाते में समय पर भेजना शामिल है. उनका कहना है कि महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेतन से गुजारा संभव नहीं है.

आपको बता दें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम वेतन देश में सबसे अधिक है भाजपा के लिए परेशानी बढ़ेगी क्योंकि ये चारो राज्य भाजपा शासित हैं। ऐसे में केंद्रीय स्तर पर इन राज्यों की बैठकें कर स्थिति को संभालने की कोशिश होगी। उद्योगों को भी साथ लेकर चलने की जरूरत है और मजदूरों का ध्यान रखने की भी। मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए लेकिन उद्योगों की भी सुरक्षा होनी चाहिए।

पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में जिस तरह आग फैली है उसमें राजनीतिक मंशा देखी जा रही है क्योंकि अगले साल की शुरूआत में ही वहां चुनाव है। राजस्थान में भी न्यूनतम वेतन अपेक्षाकृत कम है लेकिन वहां भिवाड़ी के अलावा किसी स्थान पर कोई घटना नहीं हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस कमेटी का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के हितों की सुरक्षा के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में शांति और संतुलन बनाए रखना है। गठित समिति की कमान औद्योगिक विकास आयुक्त को सौंपी गई है खास बात यह है कि समिति में श्रमिक संगठनों के पांच प्रतिनिधियों और उद्योग संगठनों के तीन प्रतिनिधियों को शामिल कर सभी पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।सरकार की प्राथमिकता मजदूरों के असंतोष को दबाने कम करने और विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए उकसाने मे नाकाम करने की है इसके लिए सरकार मजदूरों के हित मे हर कदम उठाने को तैयार है।

हाथियों की विरासतः जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को 'पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर' कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को 'हाथी बचाओ दिवस' मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है।

पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000-30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4-5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000-60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं।

दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई।

एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस

गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ। इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्था, तकनीकी निगरानी (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और अलर्ट सिस्टम) तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके और हमारा पारिस्थितिकी तंत्र व पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में बढ़ती घटनाओं पर चिंता, जय भगवान गोयल से मिले परिजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हाल के दिनों में सामने आ रही कथित घटनाओं को लेकर स्थानीय समाज में चिंता बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में पीड़ित परिवारों ने अपनी बेटियों की सुरक्षित वापसी की मांग को लेकर जय भगवान गोयल से मुलाकात कर हस्तक्षेप की अपील की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 6 अप्रैल को वेलकम–सीलमपुर क्षेत्र की एक युवती को मेवात निवासी एक युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया। इसके अलावा 8 अप्रैल को जाफराबाद थाना क्षेत्र में तीन लड़कियों से जुड़ा एक अन्य मामला भी दर्ज किया गया, जिसमें अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इन घटनाओं से चिंतित परिजन 15 अप्रैल को जय भगवान गोयल के कार्यालय पहुंचे और अपनी पुत्रियों की सकुशल वापसी के लिए गुहार लगाई। जय भगवान गोयल ने परिवारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वह संबंधित प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से समन्वय कर हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं सामाजिक सुरक्षा और विश्वास के लिए गंभीर चुनौती हैं, जिन पर कठोर कार्रवाई आवश्यक है। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की। समाज के विभिन्न वर्गों ने भी घटनाओं की निंदा करते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

एलपीजी किल्लत पर सियासत तेज, संजीव शर्मा ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में घरेलू और वाणिज्यिक गैस की कथित कमी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। संजीव शर्मा ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गैस की कमी ने गरीब रेहड़ी-पटरी वालों की कमर तोड़ दी है। संजीव शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा गैस आपूर्ति को पर्याप्त और नियंत्रण में बताया जाना वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाता। उनके अनुसार, दिल्ली में घरेलू और वाणिज्यिक दोनों प्रकार की गैस की भारी किल्लत है, जिससे आम लोगों और छोटे कारोबारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि गैस की कमी के कारण कई दुकानदारों और ठेला संचालकों ने उन खाद्य पदार्थों को बनाना बंद कर दिया है जिनमें अधिक गैस की आवश्यकता होती है। साथ ही, जो गैस उपलब्ध हो रही है, उसके दाम भी काफी बढ़ गए हैं, जिससे लागत में वृद्धि हुई है। संजीव शर्मा ने सवाल उठाया कि यदि गैस की कोई कमी नहीं है तो बाजार में खाद्य पदार्थों की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं और गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें क्यों दिखी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लोग गैस सिलेंडर के लिए भटकने को मजबूर हैं और छोटे दुकानदार भी इसकी कमी की पुष्टि कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि जमीनी स्तर पर जाकर जनता की समस्याओं को समझें और केवल बयानबाजी के बजाय गैस आपूर्ति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए इस समस्या का शीघ्र समाधान करना चाहिए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

बुराड़ी 100 फुटा रोड बदहाल, गड्ढों और जलभराव से लोग परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुराड़ी क्षेत्र की प्रमुख 100 फुटा सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी बढ़ती जा रही है। आदेश भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सड़क पर गड्ढों, जलभराव और जाम की समस्या ने लोगों का जीवन मुश्किल बना दिया है। उन्होंने बताया कि सीवर कार्य के कारण सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और उबड़-खाबड़ सतह बन गई है, जिससे वाहन चालकों को रोजाना जाम और दुर्घटना के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। सुबह-शाम स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को इस मार्ग पर भारी परेशानी उठानी पड़ती है। आदेश भारद्वाज के अनुसार, नालों की सफाई न होने से हालात और बिगड़ गए हैं। बिना बारिश के भी सड़कों और गलियों में गंदा पानी भर जाता है, जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कचरे और सिल्ट के कारण जल निकासी बाधित हो गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री को कई बार पत्र लिखकर शिकायत की गई है, जिसमें सड़क मरम्मत, नालों की सफाई और जल निकासी सुधार की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप है कि कादीपुर नाले की लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण कॉलोनियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। वहीं, सीवर खुदाई से निकलने वाली गाद और पानी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है, ताकि इस समस्या से राहत मिल सके।

आईटीओ चौक पर जाम से मिलेगी राहत, सरकार ने तेज की योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के सबसे व्यस्त चौराहों में शामिल आईटीओ चौक पर जाम की समस्या को खत्म करने के लिए सरकार ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए इस समस्या का स्थायी समाधान तलाशने को कहा है, जिसके बाद संबंधित विभाग सक्रिय हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही में हुई बैठक में लोक निर्माण विभाग से आईटीओ चौक पर जाम की स्थिति और उससे निपटने के उपायों की विस्तृत जानकारी मांगी। इसके बाद विभाग ने यातायात पुलिस के साथ मिलकर समाधान पर काम तेज कर दिया है। जल्द ही इस विषय पर एक संयुक्त बैठक भी प्रस्तावित है, जिसमें विभिन्न विकल्पों पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, आईटीओ चौक पर जाम की समस्या के समाधान के लिए फ्लाईओवर निर्माण की योजना पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। प्रस्तावित योजना के तहत एलिवेटेड मार्ग को आईपी एस्टेट फ्लाईओवर से जोड़ा जाएगा, जिससे

प्रतिदिन गुजरने वाले करीब छह लाख वाहनों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना में डीडीयू मार्ग और रिंग रोड के बीच सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए रैंप भी बनाए जाने की योजना है। इसके अलावा, तिलक ब्रिज की ओर यातायात को सुचारु बनाने के लिए भी विशेष प्रबंध किए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि विभिन्न तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों से राय ली जा रही है, ताकि दीर्घकालिक और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। आईटीओ चौक के आसपास कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय स्थित हैं, जिनमें आयकर विभाग, विकास मीनार, लोक निर्माण विभाग मुख्यालय सहित कई प्रमुख संस्थान शामिल हैं। इसके साथ ही यहां मेट्रो स्टेशन और बस स्टैंड होने के कारण पैदल यात्रियों की भी भारी आवाजाही रहती है, जिससे यातायात दबाव और बढ़ जाता है। गौरतलब है कि इस परियोजना को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में पहले भी बैठक हो चुकी है और स्थल निरीक्षण के दौरान भूमिगत मेट्रो लाइन जैसे तकनीकी पहलुओं पर भी विचार किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि जल्द से जल्द ठोस योजना तैयार कर आईटीओ चौक पर जाम की समस्या से लोगों को राहत दिलाई जाए।

अनुशासन और राष्ट्रीय दायित्व की भावना ही व्यक्ति की सफलता को निर्धारित करती है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता बुधवार को मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अंक अवसरों के द्वार खोल सकते हैं, परंतु अनुशासन, विवेक और राष्ट्रीय दायित्व की भावना ही व्यक्ति की दूरी और सफलता को निर्धारित करता है।

विजेंद्र गुप्ता कहा कि यह अवसर केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का ही नहीं, बल्कि उस निरंतरता, परिश्रम और समर्पण का भी सम्मान है, जो सफलता को स्थायी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि उपलब्धि तभी सार्थक होती है जब वह उद्देश्य और चरित्र से जुड़ी हो।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षण संस्थान ऐसे व्यक्तित्वों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो आगे चलकर सार्वजनिक जीवन, प्रशासन और बौद्धिक क्षेत्रों में सार्थक योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक अर्थ व्यक्ति के विवेक को विकसित करना और उसे समाज के प्रति जिम्मेदार बनाना है। विद्यालयों को शैक्षणिक के साथ-साथ चरित्र निर्माण और नेतृत्व विकास पर भी समान रूप से ध्यान देना चाहिए।

डॉ. भीमराव अंबेडकर का उदाहरण देते हुए गुप्ता ने कहा कि शिक्षा सदैव सामाजिक परिवर्तन और संवैधानिक दृष्टि का सशक्त माध्यम रही है। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं में नेतृत्व क्षमता और भागीदारी को प्रोत्साहित करने पर बल दिया और कहा कि इससे न केवल आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था भी सुदृढ़ होती है। समकालीन मुद्दों का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने 'ब्रेन ड्रेन' पर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि वैश्विक अवसर महत्वपूर्ण हैं, परंतु देश की दीर्घकालिक शक्ति इस बात पर निर्भर करती है कि युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग देश के भीतर किस प्रकार करते हैं। 'विकसित भारत' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए केवल कुशल ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार और सजग नागरिकों की आवश्यकता है। गुप्ता ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने मूल्यों से जुड़े रहें और समाज के प्रति सार्थक योगदान

देने का संकल्प लें। इस अवसर पर उन्होंने 'शताब्दी यात्राः वीर विठ्ठलभाई की गौरव गाथा' शीर्षक कॉफी टेबल बुक विद्यालय के पुस्तकालय में रखने के लिए भेंट की, जो भारत की संसदीय विरासत और श्री विठ्ठलभाई पटेल के स्थायी योगदान को दर्शाती है।

सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी पर सवाल, थैलेसीमिया मरीजों को लेकर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी की दवाओं की कमी को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। देवेन्द्र यादव ने इसे सरकार की लापरवाही बताते हुए मरीजों के मानव अधिकारों का हनन करार दिया है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता न होना गंभीर चिंता का विषय है। उनके अनुसार, थैलेसीमिया के मरीजों को आवश्यक दवा 'डेस्फरल' नहीं मिल पा रही है, जबकि बाजार में इसकी कमी नहीं है। ऐसी स्थिति में गरीब मरीजों को महंगे दामों पर निजी बाजार से दवा खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि एक वयस्क थैलेसीमिया मरीज को उपचार के लिए लगभग 21 हजार रुपये तक की दवाओं की आवश्यकता होती है। वहीं, डेस्फरल इंजेक्शन की कीमत करीब 2900 रुपये है, जो सीमित समय तक ही प्रभावी रहता है। नियमित रूप से हर 2 से 4 सप्ताह में रक्त चढ़ाने की जरूरत भी मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालती है।

देवेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से सवाल करते हुए कहा कि हजारों करोड़ के स्वास्थ्य बजट के बावजूद लगभग 2600 थैलेसीमिया मरीजों को दवा उपलब्ध क्यों नहीं कराई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सरकार उचित निर्देश जारी करे तो इन मरीजों को मुफ्त उपचार और दवा उपलब्ध कराई जा सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि सरकारी अस्पतालों की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और यह सरकार की अनदेखी का परिणाम है। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री आशिष सूद से मांग की कि मरीजों के हित में तत्काल कदम उठाए जाएं।

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि पूर्व में उनकी सरकार के दौरान थैलेसीमिया मरीजों को यह दवा मुफ्त उपलब्ध कराई जाती थी। उन्होंने केंद्र और संबंधित एजेंसियों के हवाले से कहा कि देश में दवा की कमी नहीं है, ऐसे में अस्पतालों में इसकी अनुपलब्धता जांच का विषय है। अंत में उन्होंने सरकार से मांग की कि दवा आपूर्ति व्यवस्था की जांच कर सीधे दवा कंपनियों से आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को समय पर जीवन रक्षक उपचार मिल सके।

कांग्रेस में जिला अध्यक्ष चयन : रायशुमारी के साथ साधे जाएंगे जातीय समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया में इस बार रायशुमारी के साथ-साथ जातीय संतुलन को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है। पार्टी नेतृत्व स्पष्ट संकेत दे चुका है कि चयन प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और दबावमुक्त होनी चाहिए, साथ ही सामाजिक प्रतिनिधित्व को भी संतुलित रखा जाएगा। राजधानी दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों में संगठन सृजन अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विभिन्न जिलों में पहुंचकर कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से राय ले रहे हैं कि जिला अध्यक्ष के पद के लिए कौन उपयुक्त होगा। अधिकांश जिलों में यह प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से संचालित हो रही है, हालांकि कुछ स्थानों पर जिला अध्यक्षों की सक्रिय मौजूदगी को लेकर कार्यकर्ताओं में असहजता की स्थिति भी देखी जा रही है। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि रायशुमारी पूरी ईमानदारी के साथ होनी चाहिए और किसी भी प्रकार का दबाव या हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं होगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है और उन्हें स्पष्ट दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। उनकी जवाबदेही भी तय की गई है ताकि प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनी रहे। रायशुमारी के साथ-साथ पर्यवेक्षकों को संबंधित क्षेत्रों के जातीय और सामाजिक समीकरणों का भी विस्तृत आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें यह जानकारी शामिल की जा रही है कि किन क्षेत्रों में दलित, मुस्लिम, ब्राह्मण या पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या अधिक है और वहां किस वर्ग का प्रभाव प्रमुख है। पार्टी इन आंकड़ों के आधार पर संगठनात्मक संतुलन स्थापित करने की रणनीति पर काम कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, हाल के लोकसभा चुनावों में दलित और मुस्लिम वर्ग का झुकाव गठबंधन के पक्ष में रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस इन वर्गों को संगठन में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पार्टी का मानना है कि सामाजिक आधार को मजबूत किए बिना संगठन को सशक्त नहीं बनाया जा सकता। कुल मिलाकर, कांग्रेस इस बार जिला अध्यक्षों के चयन में न केवल कार्यकर्ताओं की राय को प्राथमिकता दे रही है, बल्कि सामाजिक समीकरणों को साधकर संगठन को व्यापक और मजबूत बनाने की कोशिश में भी जुटी हुई है।

दिल्ली भाजपा ने नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन में महिला बाइक रैली का किया आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में और सांसद कमलजीत सहरावत एवं बांसुरी स्वराज की उपस्थिति में बुधवार को कनॉट प्लेस में नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन में महिला बाइक रैली निकाली गई और उसके बाद मानव श्रृंखला बनाई गई।

महिला बाइक यात्रा रैली के दौरान हजारों की संख्या में आई लड़कियों एवं महिलाओं ने एक मानव श्रृंखला बनाकर महिला आरक्षण का उद्घोष किया। साथ ही बाइक पर कनॉट प्लेस इनर सर्कल का एक चक्कर लगाकर सबने अपने हस्ताक्षर कर इस बिल को पास करने के लिए अपना समर्थन दिया।

इस अवसर पर वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए दिल्ली ही नहीं देश की उन सभी नारियों को बधाई जिन्हे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बिल के माध्यम से एक नई शक्ति दी है ताकि वह भारत की नीतियों में सहभागी बन सके। सचदेवा ने कहा कि देश की आधी आबादी को नेतृत्व देने का संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया है। इसलिए सभी दलों को इसके लिए आगे आकर अपना समर्थन देना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने परिसीमन से ध्यान भटकाने के सवाल पर कहा कि विपक्ष को इस बात पर विचार करना चाहिए कि आखिर उन्होंने इससे पहले क्यों नहीं किया। अब देश में कुछ अच्छा होने जा रहा है तो विपक्ष इसमें बाधा डालने की कोशिश कर रहा है।

सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम समय-समय पर हर पार्टी ने महसूस किया कि यह जरूरी है और इसलिए सर्व सम्मति से इसको 2023 में पास किया गया। एक बार सभी को मिलकर इस बिल को पास करना चाहिये और बात परिसिमन की तो यह तो कांग्रेस सरकार द्वारा तय किया गया था जो अब मोदी सरकार इंप्लिमेंट कर रही है। विपक्ष के पास इस वक्त कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए वह बिल से सभी का ध्यान भटकाने के लिए तर्क हीन बयान दे रहा है। वहीं, सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि आज की यह रैली एक तरह से फाइनल तैयारी है। जिस तरह से साल 2023 में भाजपा सरकार ने वचन दिया था अब उस वचन पूर्ति का समय आ गया है। उन्होंने इस रैली के माध्यम से सभी विपक्षी राजनीतिक दलों से आग्रह की कि सभी को राजनीति से और विचारधारा के मतभेद से ऊपर उठकर बहन बेटियों से किए वायदो को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो नेता इस बिल को नॉर्थ वर्सेज साउथ करने की कोशिश कर रहे हैं तो उन्हें स्पष्ट शब्दों में बताना चाहूंगी कि 27 सालों से इस बिल की प्रतिक्षा कर रहे हैं इसलिए टाइमिंग पर सवाल करने वाले एक बार फिर से खुद को कटघरे में खड़े कर रहे है।

इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष योगिता सिंह, एनडीएमसी सदस्य सरिता तोमर, मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रोहित चहल, प्रदेश युवा मोर्चा महामंत्री अरुण दराल, युवा मोर्चा प्रभारी अभिषेक टंडन, सह-प्रभारी सुमित सेठ सहित हजारों महिलाएं और लड़कियां शामिल थीं।

आप में घमासान : राघव चड्ढा पर विश्वासघात के आरोप, सुरक्षा और ईडी कार्रवाई पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के भीतर मतभेद अब खुलकर सामने आने लगे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें पार्टी के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। साथ ही, उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि राघव चड्ढा ने दबाव या लालच में आकर पार्टी को कमजोर करने का काम किया। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने उन्हें सांसद बनाया, उसी के खिलाफ जाकर उन्होंने 'पीठ में छुरा घोंपने' जैसा व्यवहार किया है। यह टिप्पणी उन्होंने सामाजिक माध्यम पर साझा किए गए अपने बयान में की। भारद्वाज ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अशोक मित्तल पर की गई छापेमारी को भी संदिग्ध बताया। उनका कहना है कि जब राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटाकर अशोक मित्तल को जिम्मेदारी दी गई, उसके बाद ही उनके घर और कारोबारी ठिकानों पर कार्रवाई हुई। उन्होंने इस घटनाक्रम को आपस में जुड़ा हुआ बताते हुए केंद्र सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए। इसके साथ ही, राघव चड्ढा की सुरक्षा को लेकर भी विवाद गहराता दिख रहा है। पंजाब सरकार द्वारा उनकी जेड प्लस सुरक्षा वापस लिए जाने के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि केंद्र सरकार उन्हें यह सुरक्षा प्रदान कर सकती है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि अभी तक सामने नहीं आई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच चल रहा यह विवाद अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। पहले उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया और अब सुरक्षा में बदलाव के बाद यह टकराव और स्पष्ट हो गया है। इस पूरे घटनाक्रम ने सियासी हलकों में कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनके जवाब आने वाले समय में स्पष्ट हो सकते हैं।

राजधानी को सुरक्षित बनाने के लिए कार्यरत है अग्निशमन विभाग : सूद

-मंत्री सूद ने 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के तहत जन जागरुकता अभियान का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने आज 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के अवसर पर राजधानी के विद्यालयों एवं अस्पतालों में सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए जन-जागरूकता अभियान का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस अभियान का आयोजन शिक्षा और अग्नि शमन सेवा विभाग कर रहा है। सूद ने 'सुरक्षित विद्यालय' अभियान की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन को सुदृढ़ किया जाएगा। मंत्री सूद ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का धन्यवाद करते हुए अग्निशमन सेवा सप्ताह की बधाई दी। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाने वाला यह सप्ताह देश के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। सूद ने वर्ष 1944 में मुंबई के फोर्ट स्टिकिंग जहाज में लगी भीषण आग के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले 66 वीर फायरमैन को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। उन्होंने इस वर्ष की थीम– सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल और अग्निसुरक्षा के प्रति जागरूक समाज - अग्नि सुरक्षा के लिए एकजुट प्रयास का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना समाज की सर्वोच्च प्राथमिकता है।सूद ने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस का मूल मंत्र सेवा ही बचाव है और पिछले एक वर्ष में विभाग द्वारा 36,877 आपातकालीन कॉल्स सफलतापूर्वक अटेंड की गई है। विभाग निरंतर अपनी तकनीक और प्रशिक्षण को सुदृढ़ कर राजधानी को सुरक्षित बनाने के लिए कार्यरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग आग से डरे नहीं बल्कि इससे जूझने के लिए अपने मन और अपने आप को तैयार और जागरूक रखें। फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल्स का पालन करना और विद्यालय में समय समय पर आयोजित मॉक ड्रिल्स एवं डेमोंस्ट्रेशन में सक्रिय भागीदारी करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षा में सहायक होता है। और आग से बचाव करने में हमारी सहायता भी करता है। सूद ने यह भी जानकारी दी कि आग से बचाव के लिए दिल्ली फायर सर्विस द्वारा अब तक 1000 से अधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से 50,000 से अधिक नागरिकों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने सभी से अपने परिवार एवं समाज में फायर सेफ्टी के प्रति जागरूकता फैलाने तथा फायर सेफ्टी एंबेसडर बनने का आह्वान भी किया। सूद ने यह भी कहा कि सुरक्षा केवल सरकार या फायर विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटी-छोटी सावधानियां, जैसे आपातकालीन मार्गों को खाली रखना, बिजली के उपकरणों का सुरक्षित उपयोग, आग लगने पर लिफ्ट का प्रयोग ना करें, आग लगने पर तुरंत 101 या 112 पर सूचना दें। इसके साथ ही स्कूल प्रबंधन अग्नि सुरक्षा उपकरणों को चलाने के लिए अपने सभी कर्मचारियों को व्यापक और आधुनिक तरीके से प्रशिक्षण दें। यह सब सावधानिया आग जैसे बड़े हादसों को रोकने में काफी हद तक सहायक हो सकती हैं। इस अवसर पर गृह मंत्री ने उपस्थित लोगों से यह संकल्प लेने का आह्वान किया गया कि वे फायर सेफ्टी के प्रति जागरूक रहेंगे और एक सुरक्षित विद्यालय एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें। सूद ने दिल्ली के सभी अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से अपील की कि वह सतर्कता एवं सुरक्षा नियमों का प्राथमिकता से पालन कर सुरक्षित रहें। 'आपकी सतर्कता, सबकी सुरक्षा' के संदेश के साथ दिल्ली सरकार एक सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

दिल्ली विधानसभा को फिर बम की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी स्थित दिल्ली विधानसभा को बुधवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। ईमेल के जरिए मिली इस धमकी के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूरे परिसर की सघन तलाशी शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमकी भरा ईमेल विधानसभा सचिवालय को भेजा गया, जिसमें दो घंटे के भीतर विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। ईमेल में दावा किया गया कि पांच आरडीएक्स बमों के जरिए हमला किया जाएगा। साथ ही, इसमें कुछ राजनीतिक आरोप भी लगाए गए और चेतावनी दी गई कि इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। धमकी मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पूरे परिसर को खाली कराकर व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि, अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह धमकी भ्रामक भी हो सकती है, क्योंकि हाल के दिनों में इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद सुरक्षा में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जा रही है और पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है। ईमेल में कथित तौर पर विदेशी खुफिया एजेंसी से जुड़े होने का दावा किया गया है, जिसकी भी जांच की जा रही है। साथ ही, ईमेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके स्रोत का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

डीयू अकादमिक परिषद की बैठक में बड़े फैसले, एक वर्षीय पीजी कोर्स को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की 1026वीं बैठक में शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति योगेश सिंह की अध्यक्षता मंम आयोजित इस बैठक में नए पाठ्यक्रमों, शोध मानकों और नवाचार से जुड़े प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई।

बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। यह कदम चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के पूर्ण होने के बाद उच्च शिक्षा को नई दिशा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। साथ ही, 'स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम ढांचा 2024' के अनुरूप विभिन्न संकायों के पाठ्यक्रमों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

शोध गुणवत्ता सुधारने के लिए विश्वविद्यालय ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने विषयों के 20 सर्वश्रेष्ठ शोध पत्रिकाओं की सूची 30 दिनों के भीतर तैयार करें। इसके लिए मानदंड तय कर अंक प्रणाली के आधार पर वरीयता सूची बनाने को कहा गया है, ताकि शोध प्रकाशन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित हो सके।

बैठक में विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों को भी मंजूरी दी गई, जिनमें दर्शनशास्त्र, पंजाबी, हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग के तहत स्व-अध्ययन सामग्री को भी स्वीकृति दी गई है, जिससे छात्रों को बेहतर अध्ययन संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

चिकित्सा और शिक्षा क्षेत्र में भी नए पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में डीएम स्तर के विशेष पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई है, जबकि महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ऑफ एजुकेशन में एमएड कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ।

इसके अलावा, दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत मल्टीमीडिया, जनसंचार, कंप्यूटर विज्ञान और प्रबंधन जैसे नए कार्यक्रम शुरू करने की योजना को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है। विदेशी भाषाओं के डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे, जिससे छात्रों को वैश्विक अवसर मिल सकें।

अकादमिक परिषद ने 'सेमेस्टर अवे प्रोग्राम' पर भी विचार किया, जिसके तहत छात्र एक सेमेस्टर विदेशी विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर सकेंगे और वहां अर्जित क्रेडिट को अपनी डिग्री में जोड़ सकेंगे। यह पहल छात्रों को अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने की दिशा में

महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कुल मिलाकर, इस बैठक में लिए गए फैसलों से दिल्ली विश्वविद्यालय की शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला, आधुनिक और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

लखीमपुर खीरी में अम्बेडकर की मूर्ति खंडित होने पर बवाल, भीड़ ने की पत्थरबाजी

-20 पुलिसकर्मी घायल, कई गाड़ियों को फूंका, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी जिले के मैलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत बांकेगंज कस्बे में मंगलवार को अंबेडकर जयंती पर बाबा साहब की मूर्ति स्थापना के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मूर्ति रखने की कोशिश में आयोजकों और अन्य लोगों में झड़प हुई, जिससे मूर्ति गिरकर खंडित हो गई। आक्रोशित भीड़ ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला कर दिया। पत्थर बरसाए और कई सरकारी गाड़ियों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने लाठीचार्ज किया। घटना में 20 पुलिसकर्मी और एक स्थानीय पत्रकार घायल हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांकेगंज कस्बे की एक सरकारी भूमि पर मूर्ति स्थापना को लेकर लंबे समय से विवाद था। सहमति बनी थी कि केवल बाबा साहब की तस्वीर पर माल्यार्पण होगा, लेकिन कुछ लोग चुपके से मूर्ति ले आए। एक चश्मदीद महिला के मुताबिक कुछ लोगों ने जबरन मूर्ति स्थापित करने की कोशिश की, जिसका विरोध होने पर मारपीट शुरू हो गई। इस खींचतान के दौरान मूर्ति गिरकर खंडित हो गई, जिससे वहां मौजूद सैकड़ों लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही जब पुलिस बल मौके पर पहुंची, तो अराजक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया। उग्र भीड़ ने न केवल मारपीट की, बल्कि पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि पुलिस को बचाव में हल्का बल प्रयोग और लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान पत्थरबाजी में कई जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने खंडित मूर्ति को कब्जे में लेकर थाने भिजवाया ताकि माहौल और न बिगड़े। मामले की गंभीरता देखते हुए डीएम और एसपी भारी पुलिस फोर्स के साथ बांकेगंज पहुंचीं। इलाके में एहतियातन सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शांति व्यवस्था बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश में सिलेंडर ब्लास्ट से तबाही, तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं डिस्ट्रिक्ट से बुधवार को एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई, जहां रसोई गैस सिलेंडर फटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। धमाका इतना भीषण था कि इसकी चपेट में आकर दो रिहायशी मकान पूरी तरह ढह गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। यह घटना जिले के कादिरआई मंडल के कामरावारीपल्ली गांव में दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। पुलिस अधीक्षक एस सतीश ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस घर में विस्फोट हुआ, वहां तेलंगाना के प्रवासी मजदूर रह रहे थे। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सिलेंडर में गैस रिसाव के कारण यह विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। धमाके के कारण आसपास तेज कंपन हुआ और दो मकान जमींदोज हो गए। मलबे में दबने और आग की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी बचाव अभियान में मदद की। हालांकि, विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पीड़ितों को बचाया नहीं जा सका। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

3 जुलाई से शुरू हो रही बाबा बर्फानी यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरु

जालंधर (एजेंसी)। लाखों शिव भक्तों के लिए खुशखबरी आई है। 3 जुलाई से शुरू होने वाली बाबा बर्फानी की अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई है। पहले ही दिन सुबह से विभिन्न बैंकों के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दी। अनुमान है कि इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल होगा। इस देखकर प्रशासन सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूरी तरह अलर्ट है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण कर सकते हैं। बात दें कि पहलगाम रास्ते में चढ़ाई अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन समय अधिक लगता है, जिसकी दूरी करीब 46 किमी है। जबकि बालटाल वाला रास्ता छोटा है, करीब 14 किमी है, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी कठिन मानी जाती है। श्रद्धालु अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण करा सकते हैं। भक्त श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए फोटो और हेल्थ सर्टिफिकेट अपलोड करना अनिवार्य होगा। वहीं ऑफलाइन के लिए देशभर की अधिकृत बैंक शाखाओं में जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। यहाँ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर परमिट जारी किए जाते हैं। प्रति व्यक्ति पंजीकरण शुल्क 150 रुपये निर्धारित किया गया है। यात्रा की दुर्गमता को देखकर श्राइन बोर्ड ने कुछ सख्त नियम बनाए हैं, यात्रियों के पास 8 अप्रैल 2026 के बाद अधिकृत डॉक्टर द्वारा जारी किया गया अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (सीएचसी) होना चाहिए। केवल 13 से 70 वर्ष की आयु के लोग ही यात्रा कर सकते हैं। 6 सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत

हरदोई (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के जलालपुर गांव में दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें जहरीली गैस के कारण दम घुटने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से बीमार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान विद्यावती के पति सुरेंद्र अपने घर में बने सीमेंट के टैंक को गेहूं भंडारण के लिए साफ करवा रहे थे। इस टैंक में पहले तिरपाल बिछाकर उसके ऊपर भूसा डाला गया था, जिससे अंदर जहरीली गैस बन गई थी। सफाई के दौरान गांव के कैलाश सबसे पहले टैंक में उतरे, लेकिन अंदर पहुंचते ही उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई और वे बेहोश हो गए। कैलाश को बचाने के लिए सुरेंद्र तुरंत टैंक में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर अचेत हो गए। इसके बाद तीसरे युवक प्रमोद को रस्सी के सहारे नीचे भेजा गया, मगर वह भी जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाकर रस्सी की मदद से प्रमोद को बाहर निकाला और किसी तरह अन्य दोनों को भी बाहर निकाला। तीनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुरेंद्र और कैलाश को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रमोद का इलाज जारी है। इस घटना ने गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है और जहरीली गैस से जुड़े खतरों के प्रति सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका, तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक

असम सरकार की अपील पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है।

दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है।

मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की।

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तेलंगाना हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि जब कथित अपराध गुवाहाटी में हुआ, तो तेलंगाना हाईकोर्ट का क्षेत्राधिकार कैसे बनता है।

इसके साथ ही आधार कार्ड से जुड़े एक पहलू पर भी बहस हुई। अदालत को बताया गया कि याचिका दाखिल करते समय पवन खेड़ा की ओर से उनकी पत्नी का आधार कार्ड प्रस्तुत किया गया था, ताकि तेलंगाना से संबंध दिखाया जा सके। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने आपत्ति जताते हुए इसे कानून का दुरुपयोग बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में प्रस्तुत दस्तावेजों से प्रथम दृष्ट्या यह प्रतीत होता है कि अधिकार क्षेत्र का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश की गई।

सभी दलीलों पर विचार करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी और मामले में नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोपों में मामला दर्ज किया है। 7 अप्रैल को पुलिस उनकी तलाश में दिल्ली स्थित आवास भी पहुंची थी। इसके बाद खेड़ा ने 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जहां से उन्हें अस्थायी राहत मिली थी, जो अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थगित हो गई है।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, छह की मौत और 15 घायल

फतेहगढ़ साहिब(एजेंसी)। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में बैसाखी मेला देखकर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। देर रात श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 15 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ साहिब क्षेत्र से करीब 40 श्रद्धालुओं का एक जत्था बैसाखी के पावन पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब में मत्था टेकने और मेले में शामिल होने गया था। देर रात जब सभी लोग बस से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच के मुताबिक, चलती बस में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। बेकाबू हुई बस सड़क किनारे लगे बिजली के एक खंभे से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और भीतर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। अंधेरा होने के कारण बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस की मदद से घायलों को मोरिंडा और फतेहगढ़ साहिब के सरकारी अस्पतालों में भिजवाया। गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए बड़े केंद्रों में रेफर किए जाने की खबर है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क के बीच से हटवाकर यातायात को सुचारू करवाया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है ताकि हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। इस घटना के बाद से प्रभावित गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, प्रशासन ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

पुलिस ने नाबालिग लड़कियों से यौन शोषण और अश्लील वीडियो बनाने वाले को दबोचा

-आरोपी लड़कियों को ब्लैकमेल कर देह व्यापार में धकेलने मुंबई-पुणे ले जाता था

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में पुलिस ने 180 से ज्यादा नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण और उनके 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो बनाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लड़कियों को 'लव ट्रैप' में फंसाकर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाता था, जहां उनके आपत्तिजनक वीडियो बनाता था। इन वीडियो का इस्तेमाल वह लड़कियों को ब्लैकमेल करने और देह व्यापार में धकेलने के लिए करता था। आशंका है कि इनमें से कुछ वीडियो शेयर भी किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अयाज उर्फ तनवीर के रूप में हुई है, जो परतवाड़ा शहर का रहने वाला है. वॉट्सएप और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाता था। इस मामले की शिकायत बीजेपी सांसद अनिल बोंडे ने एसपी (ग्रामीण) को ज्ञापन सौंपकर की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि इस मामले में एसआईटी का गठन नहीं किया गया तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग भी पुलिस स्टेशन पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों से पूरे समुदाय की छवि खराब होती है और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अयाज पहले एआईएमआईएम से जुड़ा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे 7 दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या उसने ये वीडियो किसी और के साथ शेयर किए थे, या वह किसी बड़े आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा था।

रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सामाजिक बदनामी के डर से अब तक किसी भी पीड़ित या उसके परिवार के सदस्य ने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। एसपी ने पीड़ितों के परिवारों से आगे आने की अपील की है और उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी, इसके अलावा, राज्य सरकार उनकी कानूनी और काउंसलिंग सेवाओं का भी ध्यान रखेगी। अमरावती के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट में मंदिर पक्ष का तक... धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती, न कि न्यायिक मानकों से

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक सीमाओं पर अहम बहस हुई। सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्थनम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को धार्मिक मान्यताओं की सही-गलत की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती है, न कि न्यायिक मानकों से होती है।

वकील सिंघवी ने कहा कि धर्म मूल रूप से एक सामूहिक विश्वास है, इसलिए कुछ व्यक्तियों के अधिकार पूरे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर हावी नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक अधिकारों पर रोक केवल विधि (कानून) के माध्यम से ही लग सकती है, न कि केवल सरकारी आदेशों या निर्देशों से रोक लगा सकते है। यदि बिना कानून के हस्तक्षेप हुआ, तब इससे सरकार को मनमाने ढंग से धार्मिक स्वतंत्रता में दखल देने का मौका मिल सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में केरल हाईकोर्ट का 1991 का फैसला है, इसमें 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इस प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताकर हटा दिया। इसके बाद पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर कई संवैधानिक प्रश्नों पर अब विस्तृत बहस हो रही है।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने कहा कि यदि सभी को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है, तब अंदर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि अलग-अलग जातियों को अलग स्थानों पर बैठाकर भोजन कराना असमानता का प्रतीक है। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि कुछ धार्मिक प्रथाएं ऐसी हो सकती हैं, जिसमें दर्शन या पूजा के तरीके अलग हों, और हर स्थिति में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

सुनवाई के दौरान सिंघवी ने तर्क दिया कि अदालत धार्मिक प्रथाओं को अपनी व्याख्या के आधार पर बदल नहीं सकती, यदि वे किसी धर्म का स्थापित और मान्य हिस्सा हैं। हालांकि, यदि कोई प्रथा कानून के विरुद्ध हो या पूरे समुदाय द्वारा मान्य न हो, तब उस पर रोक लग सकती है।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश ने सवाल उठाया कि सामाजिक सुधार से जुड़े कानून, जैसे हिंदू उत्तराधिकार कानून, किस आधार पर बनाए गए। वहीं, आर्टिकल 15(3) के तहत महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान लागू होने की संभावना पर भी चर्चा हुई। इस पर मंदिर के वकील सिंघवी ने चेतावनी दी कि यदि अदालतें यह तय करने लगें कि कौन-सी धार्मिक प्रथा आवश्यक है और कौन-सी नहीं, तब न्यायपालिका धर्म के मामलों में अत्यधिक हस्तक्षेप करने लगेगी, जिसकी कोई स्पष्ट सीमा नहीं होगी। उन्होंने उदाहरण के तौर पर जैन दिगंबर साधुओं की परंपरा का उल्लेख किया, जो सामान्य सामाजिक दृष्टि से अलग हो सकती है, लेकिन उनके धर्म का अभिन्न हिस्सा है। अंत में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि इस मामले में ÷संवैधानिक नैतिकता÷ के बजाय ÷सार्वजनिक नैतिकता÷ का पहलू भी महत्वपूर्ण रहेगा। यह पूरा मामला धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और न्यायिक सीमाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की चुनौती को दर्शाता है।

सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं

-जेडीयू नेता बोले-यह साहस, चरित्र, त्याग सिर्फ नीतीश जैसे नेता ही दिखा सकते हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में बुधवार को बीजेपी नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा कर दिया था। इधर नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद जेडीयू ने कहा कि नीतीश कुमार ने सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धान्तों को सर्वोपरि रखा। जेडीयू के विधान पार्षद और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग साइट पर एक पोस्ट के जरिये नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की है।

उन्होंने एक्स पर सवाल यह नहीं कि आपने क्या त्याग किया, सवाल यह है कि आपके इस त्याग की चर्चा कौन करे शीर्षक के जरिए नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए लिखा, कोई एक दिन के लिए भी त्याग नहीं करता, लेकिन नीतीश कुमार ने सीएम की कुर्सी त्याग कर एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो राजनीति के इतिहास में विरले ही देखने को मिलती हैं। उन्होंने लिखा सत्ता को ठोकर मारकर सिद्धांतों को सर्वोपरि रखना हर किसी के बस की बात नहीं।

यह साहस, यह चरित्र, यह त्याग- सिर्फ नीतीश कुमार जैसे नेता ही दिखा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वह दौर- जब 118 नरसंहारों की गूंज थी, जब चरवाहा विद्यालय जैसे प्रयोगों ने शिक्षा का मजाक बना दिया था, जब समाज को जाति और धर्म के नाम पर बांटकर सत्ता की राजनीति की जाती थी, जब गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को जानबूझकर विकास से दूर रखा गया। नीरज ने नीतीश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे अंधकारमय समय में, नीतीश कुमार ने सिर्फ सरकार नहीं चलाई- उन्होंने व्यवस्था बदली, सोच बदली, समाज को नई दिशा दी। यह वही नेता हैं जिन्होंने केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की कैबिनेट में अपनी भूमिका निभाई और बिहार लौटकर विकास की नई परिभाषा गढ़ी।

उन्होंने कहा कि सांसद या विधायक बन जाना बड़ी उपलब्धि नहीं है- लेकिन सामाजिक जकड़नों को तोड़ना, भविष्य की पीढ़ियों के लिए रोडमैप बनाना और उसे जमीन पर उतारना, यह असाधारण व्यक्तित्व का व्यक्ति ही कर सकता है। नीरज कुमार ने विश्वास जताते हुए कहा कि यही कारण है कि सात निश्चय केवल योजना नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का विजन है। सवाल उठाने वालों को लेकर कहा कि आज जो लोग सवाल उठाते हैं, उन्हें इतिहास के आईने में खुद को देखना चाहिए। क्योंकि फर्क साफ है- एक तरफ सत्ता के लिए समाज को बांटने की राजनीति और दूसरी तरफ समाज को जोड़ने की कार्यनीति। आपका योगदान महान है, लेकिन आपका त्याग- उससे भी बड़ा है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनी तो घुसपैठियों को करेंगे निकाल बाहर : घोष

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

खड़गपुर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी नेता और खड़गपुर से उम्मीदवार दिलीप घोष ने सम्राट चौधरी और पीएम मोदी द्वारा बंगाल के लिए घोषित छह गारंटियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बिहार एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के चुने जाने पर घोष ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। बीजेपी कदम दर कदम आगे बढ़ रही है और लोग उसे वोट दे रहे हैं। बीजेपी सुशासन प्रदान करती है। अपने सहयोगियों से विचार-विमर्श करके निर्णय लेती है।

इंडियन पीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (आई-पैक) के निदेशक विनेश चंदेल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर दिलीप घोष ने कहा कि आई-पैक से जुड़े घोटालों के कई आरोप हैं। कई शिकायतें पहले ही सामने आ चुकी हैं। जांच जारी है और जैसे-जैसे तथ्य सामने आ रहे हैं, कार्रवाई की जा रही है। ऐसी जांचों के निष्कर्षों के आधार पर गिरफ्तारियां की जाती हैं और जेल भेजा जाता है। घोष ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल चुनाव बहुत अहम हैं। पीएम मोदी खुद नेतृत्व कर रहे हैं। कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, पश्चिम बंगाल में इस बार सत्ता परिवर्तन होगा। ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को शरण दी है। बीजेपी सरकार बनते ही घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा।

इसके पहले मंगलवार को दिलीप घोष ने कहा था कि कोयला, बालू से लेकर गो-तस्करी तक पश्चिम बंगाल में यह एक बड़ी समस्या है। तस्करी के जरिए हजारों करोड़ रुपए कमाए जाते हैं। हिंसा जैसी घटनाओं के बढ़ने के पीछे भी यही पैसा होता है। ऐसे मामलों में जो भी दोषी है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाना चाहिए और सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली बार की घटनाएं आज भी लोगों को याद हैं। टीएमसी के गुंडों ने लोगों को अभी से डराना शुरू कर दिया है। चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है।

तेल कंपनियों को हो रहा नुकसान... क्या चुनाव के बाद लोगों को लग सकता बढ़ी कीमत का झटका

नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल 125 रुपये प्रति लीटर जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बीच भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा झटका लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। हालांकि देश में बीते चार वर्षों से ईंधन की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन इसका भारी वित्तीय दबाव सरकारी तेल कंपनियों पर पड़ रहा है। सरकारी कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं। जबकि भारत में ईंधन मूल्य निर्धारण को एक दशक पहले ही सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर बाजार आधारित कर दिया गया था, इसके बावजूद इन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कीमतें नहीं बढ़ाईं।

दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थीं, फिर कुछ समय के लिए गिरकर लगभग 70 डॉलर तक आईं, और हाल ही में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद फिर से करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस अस्थिरता का

सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों की लागत पर पड़ा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा है। वैश्विक वित्तीय संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि कच्चे तेल की कीमत 135 से 165 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती है, तब यह नुकसान और बढ़ सकता है। साथ ही, हर 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से प्रति लीटर करीब 6 रुपये का अतिरिक्त घाटा जुड़ जाता है।

वित्तीय नुकसान का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले महीने ये कंपनियां रोजाना करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही थीं। हालांकि मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन बचा है। लेकिन यह राहत आम उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंची, बल्कि कंपनियों के घाटे को कम करने में इस्तेमाल हुई। यदि कंपनियां अपने इस नुकसान की भरपाई करना चाहें, तब पेट्रोल की कीमतें 125 रुपये प्रति लीटर से ऊपर जा सकती हैं। इसके बाद माना जा रहा है कि चुनाव के बाद उपभोक्ताओं को ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।

चुनाव बाद लग सकता है झटका

सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे प्रमुख राज्यों में चुनाव के बाद ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि के आसार हैं। भारत ने साल 2025 में अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 फीसदी आयात किया और वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति वह अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

फर्जी मैसेज भेजकर ठगी करने वाले दो ठग गिरफ्तार

पलवल, (एजेंसी)। साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सराय खटेला फ्लाईओवर के पास से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जो लोगों को फर्जी टेक्स्ट मैसेज भेजकर और खुद को जानकार बताकर उनके बैंक खातों से पैसे उड़ाते थे। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार के अनुसार 14 अप्रैल को मामले में साइबर थाना के हेड कांस्टेबल निखिल कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पर थे, तभी गुप्तचर से सूचना मिली कि साइबर ठगी में शामिल दो युवक सराय खटेला पुल के पास किसी वारदात की फिराक में खड़े हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और मौके से मथुरा के दौलतपुर के रहने वाले रामबाबू उर्फ जैकी और आकाश को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से दो स्मार्टफोन बरामद हुए। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है

14 बच्चे तलाश कर परिजनों को सौंपे

फरीदाबाद, (एजेंसी)। हरियाणा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन स्माइल' के तहत 14 बच्चों को तलाश कर उनके परिजनों से मिलवाया है। एक अप्रैल को शुरू हुआ हरियाणा पुलिस का यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आठ से 14 अप्रैल के बीच पुलिस ने 14 लापता बच्चों के अलावा 26 वयस्क को तलाश कर उनके परिजनों से मिलवाया है। इसके साथ ही भीख मांगने वाले 45 बच्चों की पहचान कर बाल कल्याण समिति के माध्यम से उनके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू करवाई गई है। इसके अलावा पांच बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त करवाया गया है।पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि किडनैपिंग एबडक्शन टीम (केएटी) इस दिशामें काम कर रही है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के दौरान टीम ने एक वर्ष से लापता 34 वर्षीय महिला को गांधीनगर गुजरात से तलाश किया है। वहीं पिछले 10 महीना से गुम एक 12 वर्षीय बच्चे को अलीगढ़ उत्तर प्रदेश से तलाश कर परिजनों से मिलवाया है।

अंतरराज्यीय नाकों पर संदिग्धों से पूछताछ करने का आदेश

फरीदाबाद, (एजेंसी)। कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने के उद्देश्य से डीसीपी बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल ने बुधवार को अंतर- राज्यीय पुलिस नाकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को संदिग्धों सेपूछताछ करने का आदेश दिया। डीसीपी बल्लभगढ़ ने उत्तर प्रदेश सीमा से सटे फज्जूपुर और मोहना स्थित पुलिस नाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाकों से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन की गहनता से जांच की जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न किया जाए।डीसीपी ने विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों, दोपहिया पर तीन सवारों और संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर उनकी पहचान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाकों पर मुस्तैदी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी आपराधिक वारदात को समय रहते रोका जा सके। आभूषण शोरूम संचालकों के साथ बैठक- बल्लभगढ़ पुलिस जोन के आभूषण शोरूम और दुकान मालिकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान डीसीपी ने कारोबारियों को अपनी दुकानों में मजबूत और सुरक्षित लॉकर लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी कर्मचारियों का अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराने पर जोर दिया गया। डीसीपी ने उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने और उनमें कम से कम तीन महीने तक की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा। इसके अलावा उन्होंने दुकानों पर आभूषण बेचने आने वाले व्यक्तियों का वैध पहचान पत्र लेना और उसका पूरा विवरण रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि इससे संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में आसानी होगी और किसी भी घटना की स्थिति में जांच में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा आदेशा का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

सूरजकुंड में बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार दो युवक घायल

फरीदाबाद, (एजेंसी)। सूरजकुंड में शूटिंग रेंज रोड पर बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार दो युवक घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद बाइक सवार फरार हो गया। सूरजकुंड थाना पुलिस ने मंगलवार को घायल की शिकायत पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, संगम विहार दिल्ली निवासी साहिल और उसका दोस्त सलमान सूरजकुंड स्थित राजहंस होटल में डीजे का काम कर रहे थे। 13 अप्रैल की रात करीब 9:30 बजे के बीच दोनों स्कूटी पर सवार होकर खाना लेकर लौट रहे थे। राजहंस होटल के सिल्वर जुबली गेट के सामने रोड वाले रोड पर ढलान से आ रही एक बाइक ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। बताया गया कि बाइक की हेडलाइट बंद थी और बाइक की रफ्तार भी ज्यादा थी। हादसे में सलमान के सिर, माथे और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं । जबकि साहिल को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी बाइक चालक मौके से फरार हो गया। साहिल ने तुरंत एंबुलेंस की मदद से घायल को दिल्ली के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। पुलिस आरोपी बाइक चालक की तलाश में जुटी है।

नुकसान के नाम पर किसानों से कटौती नहीं होगी

पलवल, एजेंसी। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने अधिकारियों, आढ़तियों और खरीद एजेंसियों को निर्देश दिए कि गेहूं की फसल में लस्टर लॉस के नाम पर किसानों से कोई कटौती न की जाए। उन्होंने कहा कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सरल होनी चाहिए, ताकि किसानों को परेशानी न हो। बैठक में फसल वेरिफिकेशन, गेट पास, लिफ्टिंग और भुगतान प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि सभी नोडल अधिकारी रोजाना मंडियों का निरीक्षण करें और किसानों की शिकायतों का तुरंत समाधान करें। साथ ही किसानों से अपील की गई कि वे सूखी फसल ही मंडी में लेकर आएं।

द्वितीय वार्षिक परीक्षा 21 अप्रैल से होगी

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) द्वारा द्वितीय वार्षिक परीक्षाएं 21 अप्रैल से एक मई तक आयोजित की जाएंगी। बोर्ड की ओर से जारी डेटशीट आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है।

हरियाणा सरकार और जापान और यूएसए की कंपनियों के बीच ग्लाइडवेज ट्रांजिट सिस्टम पर साझेदारी की संभावनाओं पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी

हरियाणा में शहरी परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, स्मार्ट और टिकाऊ बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा और दूरदर्शी कदम उठाया है। शहरों में अत्याधुनिक पोड टैक्सी (ग्लाइडवेज) प्रणाली को लागू करने की संभावनाओं पर सरकार गंभीरता से मंथन कर रही है, जिससे प्रदेश में स्मार्ट मोबिलिटी का नया युग शुरू होने की उम्मीद है।

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बुधवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में जापान की प्रतिष्ठित कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन तथा ग्लाइडवेज कंपनी के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान हरियाणा सरकार और जापानी कंपनियों के बीच ग्लाइडवेज ट्रांजिट प्रोजेक्ट को लेकर संभावित साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि

हरियाणा सरकार प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा विकसित करने और नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में पोड टैक्सी सेवा शुरू करने की व्यवहार्यता, संभावित कॉरिडोर एवं रूट प्लानिंग, परियोजना के लिए निवेश मॉडल, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप की संभावनाएं तथा इसके क्रियान्वयन की समयसीमा जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

इस परियोजना के माध्यम से शहर की यातायात व्यवस्था में आने वाले व्यापक बदलावों और नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं का भी आंकलन किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि ग्लाइडवेज एक अत्याधुनिक, स्वचालित (डायवरलैस) और ऑन-डिमांड सार्वजनिक परिवहन प्रणाली है, जिसे उन्नत तकनीक के साथ विकसित किया जा रहा है। यह प्रणाली छोटे-छोटे स्वचालित पॉड्स के माध्यम से यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्रदान करती है। इसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करना, यात्रा समय को घटाना तथा एक पर्यावरण-अनुकूल परिवहन विकल्प उपलब्ध कराना है।

उल्लेखनीय है कि शहरों के विकास को गति देने के लिए भारत सरकार द्वारा अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने की नई पहलों के तहत सहयोग प्रदान किया जाएगा।

यह परियोजना न केवल ट्रैफिक मैनेजमेंट में सुधार लाएगी, बल्कि ऊर्जा दक्षता और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रणाली को भविष्य की स्मार्ट सिटी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जिससे यह दीर्घकालिक और सतत विकास के लक्ष्यों के अनुरूप है।

बैठक में मुख्यमंत्री की मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, शहरी स्थानीय निकाय विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्री अशोक कुमार मीणा, मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) श्री शाश्वत सांगवान, ष्ट्रूह्य विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार श्री पवन चौधरी, सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन से केंटो ओगुरा, ग्लाइडवेज कंपनी से क्रिस राइली, डेव मानु और अल्बर्टो फर्नांडेज़ लोपेज़ उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ सेक्टर 38 में 'नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली। एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम÷महिलाओं को देश के नीति निर्माण में नेतृत्व की भूमिका प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ के सेक्टर 38 स्थित रानी लक्ष्मी बाई भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी भी उपस्थित थी।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्षों तक हमारी व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका को सीमित करने का प्रयास हुआ। वे घर की चारदीवारी तक सीमित कर दी गई, निर्णय लेने की प्रक्रिया से दूर रखी गई। फिर भी रानी पद्मावती, रानी दुर्गावती, चांदबीबी, रानी लक्ष्मीबाई जैसी कुछ नारियों ने इस काल में भी अपनी प्रतिभा और बुद्धिमता की छाप छोड़ी है।

उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2015 में जब मोदी जी ने हरियाणा के पानीपत से ÷बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ÷ का नारा दिया तो उसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दी। यही नहीं, पूरे समाज का मन भी बदला और बेटियों को बचाने व पढ़ाने का एक अभियान शुरू हो गया। उसी का परिणाम है कि आज देश में लिंगानुपात में बड़ा सुधार हुआ है। उस

समय हरियाणा का लिंगानुपात 871 था, जो आज बढ़कर 923 हो गया है।

उन्होंने 'सुकन्या समृद्धि योजना', 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' 'प्रधानमंत्री जन धन योजना', 'मुद्रा योजना' और 'स्टैंड-अप इंडिया' , 'वन स्टॉप सेंटर योजना', 'महिला हेल्पलाइन-181' और 'निर्भया फंड' जैसी योजनाओं को महिलाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाला बताया। उन्होंने आगे कहा कि सेनाओं में महिलाओं को बड़े पदों पर नहीं रखा जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा सेवाओं में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया। सैनिक स्कूलों में बेटियों के दाखिले को मंजूरी दी गई है। इसके बाद देश के सशस्त्र बलों ने एन.डी.ए में महिलाओं के लिए प्रवेश खोल दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें गर्व है कि आज दुनियाभर में सबसे ज्यादा महिला पायलट भारत में हैं। इतना ही नहीं, चंद्रयान-3 मिशन को सफल बनाने में 100 से अधिक महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की भूमिका को आज कौन नहीं जानता। साफ जाहिर है कि महिलाओं को जब भी अवसर दिया गया, उन्होंने स्वयं को साबित कर दिखाया। अब आई.आई.टी में दाखिला लेने वाली बेटियों की संख्या दोगुणा से भी अधिक हो गई है। वर्ष 2016 से पहले केवल 8 प्रतिशत बेटियों को दाखिला मिलता था। अब यह संख्या 20 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

नायब सिंह सैनी ने बताया कि हरियाणा में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया है जिसके बाद से पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे विषयों पर गांवों की हालत पहले से बहुत बेहतर हो गई है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी ने महिलाओं के मान-सम्मान का जो अभियान पिछले 11 वर्षों से चलाया हुआ है, वह अब नारी शक्ति वंदन अधिनियम तक पहुंच गया है। यह कानून वर्ष 2034 में लागू होना था, लेकिन प्रधानमंत्री जी इसे वर्ष 2029 में ही लागू करना चाहते हैं। इसीलिए, उन्होंने कल 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुलाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पहले यह कानून कई दशकों से लटकाया गया। पहले की सरकारों ने इसे केवल चर्चा तक सीमित रखा, लेकिन कभी भी इसे लागू करने की इच्छाशक्ति नहीं दिखाई। कभी जातिगत आरक्षण के नाम पर, कभी राजनीतिक स्वार्थों के चलते, इस महत्वपूर्ण कानून को टालते रहे। लेकिन, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस विषय को केवल राजनीति का मुद्दा नहीं बनाया, बल्कि इसे राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया है। अब जब यह कानून लागू होने जा रहा है, तो यह देश की करोड़ों माताओ-बहनों के सपनों की जीत है।

उन्होंने कहा कि यह कानून देश की संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें निर्णय लेने की मुख्यधारा में लाता है। यह कानून महिलाओं को केवल भागीदारी नहीं, बल्कि नीति निर्माण में नेतृत्व की भूमिका देता है। यह उस नए भारत की तस्वीर है, जहां बेटियां केवल सपने नहीं देखेंगी, बल्कि उन्हें साकार भी करेंगी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस अधिनियम से महिलाओं का सशक्तीकरण होगा, यह देश की महिलाओं के लिए ऐतिहासिक निर्णय है।उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भी हरियाणा में महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई हैं जिससे प्रदेश में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली अनेक महिलाओं को भी सम्मानित किया।

स्त्री सामर्थ्य फाउंडेशन÷ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शिवानी सैनी, भाजपा जिला प्रधान जितेंद्र पाल मल्होत्रा, चंडीगढ़ की डिप्टी मेयर सुमन शर्मा, पूर्व मेयर सर्वजीत कौर, हरप्रीत बबला समेत कई गणमान्य महिलाएं उपस्थित थी।

अवैध कचरा डंपिंग पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

फरीदाबाद। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से नगर निगम ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है।जिसके तहत अवैध कचरा डंपिंग पर रोक लगाने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसे लेकर बुधवार को हुई बैठक में नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि अब किसी भी क्षेत्र में गंदगी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई होगी। आयुक्त द्वारा जारी आदेशों के अनुसार सभी संयुक्त आयुक्तों, मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों, सफाई निरीक्षकों और सहायक निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित फील्ड विजिट करें, सफाई कार्यों का निरीक्षण करें और जहां भी खामियां मिलें, उन्हें तत्काल दूर कराएं।शहर की स्वच्छता रैंकिंग सुधार के लिए दिए गए निर्देशनगर निगम के संज्ञान में आया है कि शहर के विभिन्न इलाकों, विशेष रूप से सड़कों के किनारे, खाली प्लॉटों और सार्वजनिक स्थलों पर बल्क वेस्ट जनरेटर, निर्माण एजेंसियों और औद्योगिक इकाइयों द्वारा घरेलू कचरा (एमएसडब्ल्यू), निर्माण एवं ध्वस्तीकरण (सीएंडडी) कचरा और औद्योगिक अपशिष्ट अवैध रूप से डंप किया जा रहा है। यह न केवल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे जनस्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और शहर की स्वच्छता रैंकिंग गिरती है। इस स्थिति से निपटने के लिए स्वच्छता टीमों को सक्रिय करते हुए नियमित निगरानी और औचक निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। जहां कहीं भी अवैध डंपिंग पाई जाएगी, वहां संबंधित व्यक्तियों, बल्क वेस्ट जनरेटर और औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ मौके पर ही भारी जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही औद्योगिक मामलों को आवश्यक कार्रवाई के लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजा जाएगा, जहां पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति और अन्य कानूनी कार्यवाही की जाएगी।आयुक्त खड़गटा ने कहा कि सभी संस्थानों और उद्योगों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों के अनुरूप कार्य करते हुए निर्धारित पोर्टलों पर नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट अपडेट करने के निर्देश दिए हैं, ताकि शहर की रैंकिंग में सुधार हो सके।उन्होंने चेतावनी दी कि स्वच्छता कार्यों की निगरानी, प्रवर्तन या रिपोर्टिंग में किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

औद्योगिक इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ी

फरीदाबाद, एजेंसी। सेक्टर-37 स्थित औद्योगिक क्षेत्र में वेतन बढ़ोतरी को लेकर हुए दो दिन के हंगामे और हाईवे जाम की घटना के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए जिले के सभी औद्योगिक इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। साथ ही कंपनी प्रबंधन के साथ लगातार समन्वय बनाकर हालात पर करीबी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके। पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने सभी थाना प्रभारियों (एसएचओ) को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और गश्त तेज करने के निर्देश जारी किए हैं। इन आदेशों के बाद से जिले के सभी थानों की पुलिस टीमें सक्रिय हो गई हैं। थाना एसएचओ स्वयं भी औद्योगिक क्षेत्रों में पहुंचकर हालात का जायजा ले रहे हैं और कर्मचारियों और प्रबंधन के साथ संवाद स्थापित कर रहे हैं।पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस तरह के संवेदनशील मामलों में असामाजिक तत्व सक्रिय होकर माहौल को बिगाड़ने की कोशिश करते हैं। ये तत्व कर्मचारियों के बीच भ्रम फैलाकर उन्हें उकसाने और हिंसा भड़काने का प्रयास कर सकते हैं। इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए पुलिस हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए हुए है। केवल पुलिस ही नहीं, बल्कि गुप्तचर विभाग भी सक्रिय हो गया है। खुफिया एजेंसियों के कर्मचारी औद्योगिक क्षेत्रों में पहुंचकर जमीनी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और अपनी रिपोर्ट सरकार को भेज रहे हैं। बुधवार को भी पुलिस की टीमें आईएमटी, सेक्टर-4, 6, 11, 24, 25, 27ए, 37, 58, 59, डीएलएफ औद्योगिक क्षेत्र और सरूरपुर सहित विभिन्न औद्योगिक इलाकों में लगातार गश्त करती नजर आईं।मंगलवार को सेक्टर-37 स्थित मदरसन कंपनी के कर्मचारियों द्वारा कुछ समय के लिए हाईवे जाम कर दिया गया था, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। हालांकि पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों को खदेड़ दिया और जाम को जल्द ही खुलवा दिया। अब पुलिस इस घटना में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी हुई है। इसके लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और मोबाइल वीडियो की मदद ली जा रही है।पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पूरा विवाद नोएडा में वेतन बढ़ोतरी को लेकर हुए हंगामे से प्रभावित होकर शुरू हुआ था। सराय ख्वाजा थाना पुलिस के अनुसार, मदरसन कंपनी के सामने हंगामा करने के आरोप में आठ महिला कर्मचारियों सहित कुल 23 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया था। बाद में शांति भंग की आशंका के तहत उनके खिलाफ निवारक कार्रवाई कर उन्हें छोड़ दिया गया। थाना प्रभारी राकेश मलिक ने बताया कि पूछताछ के दौरान कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने नोएडा स्थित कंपनी में चल रहे वेतन विवाद के वीडियो देखे थे। उन्हीं वीडियो से प्रभावित होकर यहां के कर्मचारियों ने भी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।जानकारी के अनुसार, नोएडा में कर्मचारी 15 हजार रुपये मासिक वेतन की मांग कर रहे थे, जबकि हरियाणा में सरकार पहले ही न्यूनतम वेतन 15,220 रुपये निर्धारित कर चुकी है। इसके बावजूद सेक्टर-37 के कर्मचारियों ने 20 हजार रुपये मासिक वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था।

30 अप्रैल तक चलेगी स्व-गणना, नागरिक खुद भर सकेंगे अपनी जानकारी

जनगणना 2027 के लिए जन-जन का सहयोग जरूरी: एडीसी सोनू भट्ट

गुरुग्राम, एजेंसी

जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। इसके तहत 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों को स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन भरने का विकल्प दिया गया है, जिससे जनगणना का कार्य सरल और पारदर्शी तरीके से पूरा किया जा सके। यह जानकारी अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में दी।

अतिरिक्त उपायुकत सोनू भट्ट ने बताया कि नागरिक स्व-गणना के लिए आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। वहां मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी वेरिफिकेशन के बाद लॉगिन किया जा सकेगा और पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी की जा सकती है। स्व-गणना के लिए सबसे पहले पोर्टल पर जाकर अपना राज्य चुनें और वेरिफिकेशन कोड भरें। इसके बाद रजिस्ट्रेशन

स्व-गणना के लिए गुरुवार से खुलेगा ऑनलाइन पोर्टल

अतिरिक्त उपायुकत सोनू भट्ट ने बताया कि नागरिक स्व-गणना के लिए आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं

एक मोबाइल नंबर से एक ही घर का पंजीकरण होगा।आगे भाषा विकल्प में 16 भाषाओं में से अपनी भाषा चुनें और ओटीपी वेरिफिकेशन पूरा करें

विकल्प में घर के मुखिया का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज करें। एक मोबाइल नंबर से एक ही घर का पंजीकरण होगा। आगे भाषा विकल्प में 16 भाषाओं में से अपनी भाषा चुनें और ओटीपी वेरिफिकेशन पूरा करें। इसके बाद अपना जिला व शहर का नाम दर्ज करें। मैप पर दिख रहे लाल मार्कर को अपने घर की सटीक लोकेशन पर सेट करें।

इसके बाद सवाल-जवाब का सेक्शन खुलेगा, जिसमें जनगणना मकान की दीवार और छत में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री, मकान का उपयोग और उसकी हालत, परिवार क्रमांक, परिवार में रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या, परिवार के मुखिया का नाम व लिंग तथा सामाजिक वर्ग से संबंधित जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही मकान के स्वामित्व की स्थिति, उपलब्ध कमरों की संख्या, विवाहित दंपत्तियों की संख्या, पेयजल का मुख्य स्रोत और उसकी उपलब्धता, प्रकाश का मुख्य स्रोत, शौचालय की सुविधा और उसका प्रकार, गंदे पानी की निकासी तथा स्नानघर की उपलब्धता से जुड़ी जानकारी भी भरनी होगी। इसके अलावा रसोईघर और एलपीजी या पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, खाना पकाने के लिए प्रयुक्त ईंधन, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट सुविधा, लैपटॉप या कंप्यूटर, मोबाइल फोन, साइकिल, स्कूटर, मोटरसाइकिल, मोपेड, कार, जीप या वैन जैसी सुविधाओं की जानकारी भी देनी होगी। साथ ही परिवार द्वारा उपभोग किए जाने वाले मुख्य अनाज और मोबाइल नंबर भी दर्ज करना जरूरी होगा।सभी जानकारी भरने के बाद डाटा को ध्यान से जांच लें और फिर सबमिट करें। सबमिट करने के बाद स्क्रीन पर सेल्फ-एन्यूमरेशन आईडी दिखाई देगी। इसका स्क्रीन शॉट या फोटो लेकर सुरक्षित रखें। यह आईडी एसएमएस और ईमेल पर भी प्राप्त होगी। जब गणना कर्मी घर पर आएंगे, तो उन्हें यह आईडी दिखानी होगी। एडीसी ने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में 9 से 28 फरवरी 2027 तक जनगणना होगी। इस अवसर पर जनगणना के जिला कॉर्डिनेटर देवेश बंसल भी उपस्थित रहे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3860

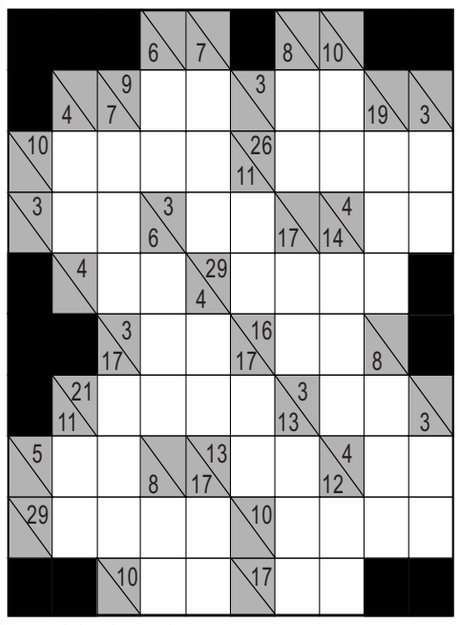

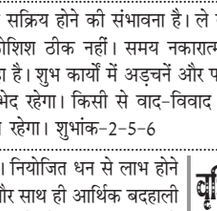

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15 / 24 → 1 2 3 4 5 ; 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -3859 का हल

हंसी के फूव्वारें

कठघरे में खडे चोर से जज ने कहा, 'अजीब बात है, जब मैं वकील था तो तुमने मुर्गी चुरायी, जब मैं सरकारी वकील बना तो तुमने एक बकरी चुरायी और आज जब मैं जज बन गया हूं तो तुमने एक भैंस चुरायी आखिर ऐसा क्यों?'

चोर - हुजूर, वजह बहुत साफ है, आपके साथ-साथ मैने भी तरक्की की है.

□ □ □

मीना (रीना से) - बिना बांहों का स्वेटर तुम कितने दिनों में बना सकती हो.

रीना (मीना से)- यह तो रिश्ते पर निर्भर करता है. यदि स्वेटर प्रेमी का है तो दो दिन में, जीजा का है तो सात दिन में और यदि पति का है तो दो महीने भी लग सकते हैं.

□ □ □

एक भिखारी को बैंक में घुसते देख चौकीदार बोला, 'अरे-अरे बाबा आगे जाओ यहां कुछ नहीं मिलेगा.'

भिखारी (चौकीदार से)- अरे भैया, मै यहां कुछ लेने नहीं अपना पैसा जमा कराने आया हूं.

□ □ □

पत्नी (पति से)- कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ, बुड्ढे नजर आते हो.

पति (पत्नी से)- अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो लड़कियों से बेधड़क बात नहीं कर पाऊंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3860

बायें से दायें:-

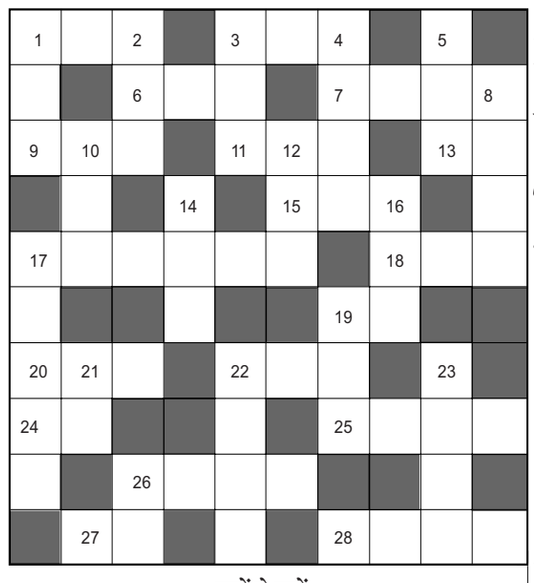

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3859

सूडोकु - 3860

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3859 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3860

बाएँ से दाएँ

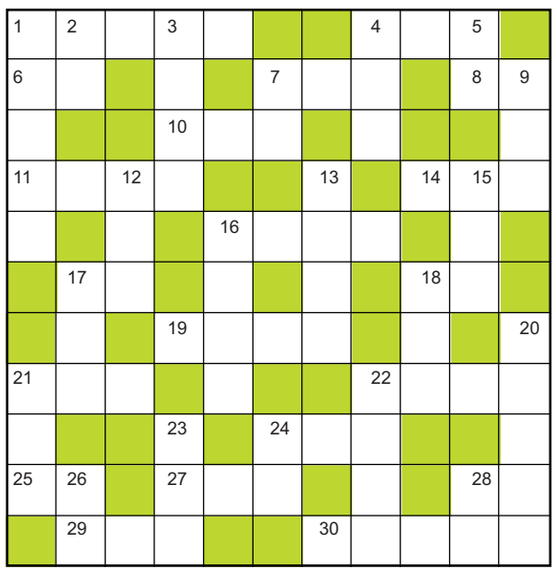

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -3859 का हल

थोड़ा ध्यान नाखूनों पर....

आजकल बढ़ती प्रतिस्पर्धा वाले युग में हर जगह मिलावटी सामानों का उपयोग हो रहा है, जो हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। खाने-पहनने से लेकर सौंदर्य प्रसाधनों तक में मिलावट और हल्के किस्म का सामान प्रयोग करने से हमारे शरीर को होने वाले नुकसान को हम कितनी बार इग्नौर कर जाते हैं, जिसका हमारे शरीर पर बहुत इफेक्ट पड़ता है।

अत: जरूरत है सामान की खरीददारी करते समय कुछ बातों को ध्यान में रखने की, जिससे हम शरीरका पूरा खयाल रख सकें। और इसी के मद्देनजर हम आपको अवगत करा रहे है नाखूनों की सही देखभाल करने संबंधी कुछ टिप्स जो आपके रोजमर्रा के जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है, और इससे आप लगा सकती है अपने सौंदर्य में चार चाँद.....

- नाखूनों की उम्र बढ़ाने के लिए हमेशा अच्छी और रेपूटेड कंपनी के नेल पेंट्स ही इम्तेमाल में लाएँ।
- नेलपॉलिश लगाते समय ब्रश में हमेशा कम मात्रा में ही नेल पेंट भरे।
- नाखूनों पर पड़े पीले धब्बे हटाने के लिए गुनगुने नींबूयुक्त पानी में नाखूनों को कुछ देर तक रखें।
- खाने में गाजर का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें, जिससे नाखूनों को कैल्शियम सही मात्रा में मिलता रहे। साथ ही प्याज व मछली का ज्यादा उपयोग करें, क्योंकि प्याज व मछली से हमारे शरीर को सल्फर और सिलिकॉन मिलता रहेगा।
- साबुन व डिटर्जेंट का उपयोग करते समय हाथों में दस्ताने पहनने की आदत डालें।
- नाखूनों को रोजाना साफ करें। ताकि उनमें मैल न फँसा रह सके।
- समय-समय पर नाखूनों की ऑलिव ऑइल से मालिश करें।
- रोजमर्रा के भोजन में आप ज्यादा से ज्यादा पोषक पदार्थों का सेवन करें, जिससे आपके नाखून चमकदार और गुलाबी दिखाई दें। और आपके नाखूनों को देखकर आपके प्रियतम समझ सकें आपके स्वस्थ शरीर का राज।
- प्रतिदिन 10-12 गिलास पानी रोजाना पिएँ।
- नेलपॉलिश को जल्दी-जल्दी ना बदलें, हफ्ते में एक बार ही बदलें।
- अगर आपके नाखूनों की हालत बहुत ही खराब हो चुकी हैं तो बाजार में नकली नाखून भी मिलते हैं। आप आवश्यकतानुसार उसे खरीद सकती हैं।
- किसी नेल एक्सपर्ट से सलाह लेकर खराब नाखूनों में दोबारा जान लाई सकती हैं।
- खाना खाने से पहले हाथों और नाखूनों को अच्छी तरह धोकर साफ करें। ताकि नाखूनों द्वारा होने वाली बीमारियों से बचा जा सकें।

तो ध्यान रखेंगी ना आप इन बातों का। इससे आपका शरीर भी स्वस्थ बना रहेगा और सौंदर्य भी बरकरार रहेगा।

गर्मी में ठंडक भरे फेस पैक

- यदि आपकी त्वचा गर्मी से झुलस गई हो तो दही का पैक बनाएँ। दही में दो चम्मच बेसन मिलाइए। खूब फेंटकर पेस्ट बना लीजिए। इसे चेहरे पर लगाइए। त्वचा को पुष्ट करने और रंग निखारने का भी एक बेहतरीन साधन है।
- अत्यधिक गर्मी के कारण या लू लगने से यदि आपकी त्वचा शुष्क हो गई हो तो थोड़े से मक्खन को पानी में फेंटकर लेप-सा बना लें और चेहरे पर लगाएँ। इस पैक से त्वचा नरम होगी और आराम मिलेगा।
- गर्मी में त्वचा को ठंडक पहुँचाने के लिए चंदन का बारीक बुरादा गुलाब जल के साथ घिसकर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाइए। त्वचा को ठंडक तो मिलेगी ही रंग भी साफ होगा।
- हरे पुदीने को बारीक पीसकर 25-30 मिनट तक चेहरे पर लगाएँ। फिर साफ पानी से धो लें। इससे त्वचा की गर्मी शांत होगी।
- लाल गुलाब की पंखुड़ियों को दूध में भिगोकर पीस लें। इसे त्वचा पर कुछ देर लगाकर धो लें। इससे धूप में साँवली पड़ी त्वचा का रंग फिर से निखर आएगा और गर्मी में पूरे दिन भीनी-भीनी ताजगी महसूस होगी।
- चेहरे पर ताजगी बनाए रखने के लिए एक बड़ा चम्मच संतरे के छिलके का पावडर, एक छोटा चम्मच कच्चा दूध व गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इसे 15 मिनट तक लगाएँ। सूखने के उपरांत चेहरे को शीतल जल से धोएँ।

आजकल स्ट्रेट हेयर व स्ट्रेट कट का फैशन है, लेकिन साथ ही साथ पर्म व लेयर्स का भी फैशन है

जीवनशैली के अनुसार हो हेयरस्टाइल

आजकल स्ट्रेट हेयर व स्ट्रेट कट का फैशन है, लेकिन साथ ही साथ पर्म व लेयर्स का भी फैशन है। पिरेमिड, ब्लंट या हैलो व क्लासिक बॉब भी इन दिनों बहुत चलन में है। हेयर कट हमेशा अपने बालों के प्रकार व फेस कट के हिसाब से ही किया जाना चाहिए।

यदि आपका चेहरा अधिक लंबा है, तो आप पर्म व लेयर्स कटवा सकती हैं। लंबे चेहरे पर ब्लंट या पिरेमिड अच्छा नहीं लगता। यदि आपको छोटे बाल रखना है तो आप पर क्लासिक बॉब या हैलो अच्छा लगेगा।

अंडाकार चेहरे पर लांग व शॉर्ट दोनों हेयर कट अच्छे लगते हैं, पर कोनिकल व स्लांट हेयर कट ज्यादा अच्छे लगेंगे। यदि आपकी गर्दन लंबी है और फेस कुछ छोटा है, तो इटेलियन व शॉर्ट लेयर्स ज्यादा अच्छी लगेगी। लेकिन इस तरह के हेयर कट्स आधुनिक परिधानों में ज्यादा अच्छे लगते हैं। यदि आपका चेहरा चौड़ा या स्क्वेयर है, तो आप पर इस तरह का हेयर कट अच्छा लगेगा, जो स्लांट हो व आपकी जॉ बोन्स को ढँकते हुए हों, ताकि आपका चेहरा बैलेंस्ड लगे।

यदि आपका माथा छोटा है तो आप पर इस तरह का हेयर कट अच्छा लगेगा, जो आपके माथे को न ढँके। इसके विपरीत यदि आपका माथा चौड़ा है तो आपको फेस फ्रेम कट या फ्रेंट फ्रिंजेस भी अच्छी लगेगी।

वैसे फैशन एक ऐसी चीज है, जो हमेशा बदलती रहती है। फैशन के अनुसार हेयर कट करने के बदले आप ऐसे हेयर कट अपनाइए, जो आपकी जीवनशैली, आपका व्यवसाय, मौसम व आपके चेहरे के अनुरूप हो। जिसे बहुत अधिक सेट करने की जरूरत न हो, अत: कोई भी हेयर कट करने के समय आप अपनी सौंदर्य विशेषज्ञा या हेयर ड्रेसर से परामर्श लीजिए। वह आपको आपके व्यक्तित्व व जीवनशैली के हिसाब से उचित परामर्श देगी।

आंखें हैं तो जहान है...

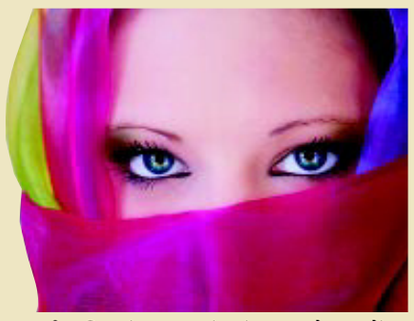

आंखें मन के भाव चेहरे पर ला देती हैं, चंचल नयन पिया पर जादू कर देते हैं, आंखें हैं तो जहान खूबसूरत है...तो पिर क्यों न रखें इनका विशेष खयाल।

- समय-समय पर आंखों का चेकअप अपने डॉक्टर से करवाते रहें।
- थकान महसूस हो रही हो तो पलकें बंद कर लेट जाएं और खीरे के ठंडे स्लाइस उन पर रखें।
- आंखों के नीचे काले घेरों की शिकायत है तो कच्चे आलू का रस वहां लगाएं।
- डॉक्टर की सलाह पर कोई अच्छा आई ड्रॉप इस्तेमाल करें।
- आंखों का मेकअप हटाने के लिए जैतून के तेल का इस्तेमाल करें, मेकअप हटाने में आसानी होगी।
- फल, हरी सब्जियां खूब खाएं। जंक फूड से दूर रहें।
- रक्त प्रवाह से त्वचा में ताजगी आती है और निश्चित ही आंखों पर भी इसका पॉजिटिव प्रभाव पड़ता है। इसका एक तरीका नियमित व्यायाम भी है। नियमित व्यायाम तो क रें ही, त्वचा में नमी बनाए रखने के लिए खूब पानी भी पिएं।
- धूप से बचने के लिए आंखों को सिकोड़ने पर चेहरे पर बनने वाली लकीरें कुछ समय बाद परमानेंट हो जाती हैं, इसलिए दिन में बाहर निक लने से पहले सनस्क्रीन लोशन तो लगाएं ही, छतरी या कै प और धूप का चश्मा भी पहनें।
- मन प्रसन्न रखें और अच्छी नींद लें।

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है। (TOP Legal Cell)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

अंबेडकर की प्रतिमा लगाने को लेकर हुई झड़प के बाद लखीमपुर खीरी में तनाव

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में बुधवार को माहौल तनावपूर्ण बना रहा। एक दिन पहले यहां की प्रतिमा को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। यह घटना मैलानी थाना क्षेत्र के बांकेगंज इलाके में हुई, जहां बीआर अंबेडकर के जयंती के मौके पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार शाम को स्थिति तब बिगड़ी जब डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के कथित तौर पर क्षतिग्रस्त होने की खबर फैली। स्थानीय लोगों का आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन तेज हो गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया। वहीं, पुलिस का कहना है कि जिस स्थान पर प्रतिमा स्थापित की जा रही थी, उसके लिए पहले से अनुमति नहीं ली गई थी। इसी बात को लेकर पुलिस ने आपत्ति जताई, जिसके बाद लोग भड़क गए। एडिशनल एसपी अमित कुमार ने बताया कि अंबेडकर जयंती के कार्यक्रम के दौरान लोग प्रतिमा स्थापित करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने अनुमति न होने पर रोका, जिससे लोग नाराज हो गए और हंगामा करने लगे। भीड़ ने पुलिस पर पथराव भी किया। पुलिस ने लोगों को समझाने और भीड़ को हटाने की कोशिश की। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। अधिकारियों के अनुसार, गुस्साई भीड़ ने कई पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की और पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके। हालात बिगड़ते देख कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर भेजी गई और वरिष्ठ अधिकारियों को भी तैनात किया गया। फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। वरिष्ठ अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। किसी भी तरह की नई घटना को रोकने के लिए क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

बलात्कार पीड़िता से मोबाइल फोन पर अश्लील बातें करने का आरोपी इंस्पेक्टर

बलिया (एजेंसी) । बलिया जिला मुख्यालय पर स्थित पुलिस कार्यालय की अपराध शाखा में कार्यरत एक इंस्पेक्टर तथा उभांव थाना प्रभारी को एक कथित बलात्कार पीड़िता से मोबाइल फोन पर बातचीत के दौरान अभद्र और अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि दो दिन पहले सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें कथित रूप से जिला मुख्यालय पर पुलिस कार्यालय की अपराध शाखा में कार्यरत इंस्पेक्टर नरेश मलिक पिछले दिनों उभांव थाने पर अपराध निरीक्षक के पद पर तैनाती के समय एक कथित बलात्कार पीड़िता युवती से मोबाइल फोन पर बातचीत में अभद्र और अश्लील भाषा का प्रयोग करते हुए सुनाई दे रहा है। सूत्रों के अनुसार, उभांव थाने में गत 20 फरवरी को 33 वर्षीया एक युवती की तहरीर पर बिल्थरा रोड में वन विभाग में दारोगा के पद पर तैनात उग्रसेन कुमार जायसवाल के विरुद्ध बलात्कार तथा धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, दर्ज प्राथमिकी में युवती ने शिकायत की है कि उग्रसेन ने शादी का झांसा देकर उसके साथ तकरीबन छह माह तक बलात्कार किया और अब शादी करने से इंकार करते हुए इसकी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। बलात्कार पीड़िता ने पुलिस उप महानिरीक्षक को भेजे गये शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि दर्ज प्राथमिकी में आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल करने की आड़ लेकर उभांव थाने के प्रभारी संजय शुक्ला और तत्कालीन अपराध निरीक्षक नरेश मलिक ने उसे फोन करके अभद्र और अश्लील भाषा का प्रयोग करते हुए अकेले में मिलने के लिए बुलाया, और यह भी कहा कि जब वह उन्हें ह्यसंतुष्टह्ण कर देगी तो उसकी मदद कर दी जाएगगी। सूत्रों के मुताबिक, युवती का आरोप है कि अपराध निरीक्षक नरेश मलिक ने बातचीत के दौरान उसे अपनी मांग पूरी होने पर धन देने की भी पेशकश की। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बुधवार को बताया कि सोमवार को उनके संज्ञान में यह मामला आने पर उन्होंने निरीक्षक नरेश मलिक और उभांव थाने के प्रभारी संजय शुक्ला को मंगलवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करके मामले की जांच के आदेश दिये हैं। सिंह ने बताया कि उत्तरी क्षेत्र के अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार शुक्ला को मामले की जांच सौंपी गई है और रिपोर्ट मिलने के बाद दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बहन को दो बोरा गेहूं देने से नाराज युवक ने की पिता की हत्या

बलिया (एजेंसी) । बलिया जिले के रसड़ा क्षेत्र में अपनी बहन को दो बोरा गेहूं देने से नाराज एक व्यक्ति ने अपने पिता की लाठी से प्रहार कर-के कथित तौर पर हत्या कर दी और मां को जख्मी कर दिया। पुलिस उपाधीक्षक आलोक गुप्ता ने बताया कि रसड़ा थाना क्षेत्र के नत्थूपुर गांव में बुधवार को 75 वर्षीय महेंद्र चौहान का शव पाया गया था और पास से ही चौहान की पत्नी शैला देवी (68) घायल अवस्था में मिली थी। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक आलोक गुप्ता ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को नियमानुसार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया तथा शैला देवी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुप्ता के मुताबिक, महेंद्र चौहान ने अपनी बेटी को दो बोरा गेहूं दे दिया था, जिसका चौहान के बेटे पप्पू ने विरोध किया था। उन्होंने बताया कि दो दिन से चल रहे विवाद के दौरान मंगलवार को पप्पू ने अपने माता–पिता पर लाठी से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इस वारदात में चौहान की मृत्यु हो गयी तथा शैला देवी गम्भीर रूप से घायल हो गयी। गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

बलात्कार पीड़िता से मोबाइल फोन पर अश्लील बातें करने का आरोपी इंस्पेक्टर निलंबित

बलिया (एजेंसी) बलिया जिला मुख्यालय पर स्थित पुलिस कार्यालय की अपराध शाखा में कार्यरत एक इंस्पेक्टर को एक कथित बलात्कार पीड़िता से मोबाइल फोन पर बातचीत के दौरान अभद्र और अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि दो दिन पहले सोशल मीडिया पर एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें कथित रूप से जिला मुख्यालय पर पुलिस कार्यालय की अपराध शाखा में कार्यरत इंस्पेक्टर नरेश मलिक पिछले दिनों उभांव थाने पर अपराध निरीक्षक के पद पर तैनाती के समय एक कथित बलात्कार पीड़िता युवती से मोबाइल फोन पर बातचीत में अभद्र और अश्लील भाषा का प्रयोग करते हुए सुनाई दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक, दर्ज प्राथमिकी में युवती ने शिकायत की है कि उग्रसेन ने शादी का झांसा देकर उसके साथ तकरीबन छह माह तक बलात्कार किया और अब शादी करने से इंकार करते हुए इसकी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। बलात्कार पीड़िता ने पुलिस उप महानिरीक्षक को भेजे गये शिकायती पत्र में आरोप लगाया है और अश्लील भाषा का प्रयोग करते हुए अकेले में मिलने के लिए बुलाया, और यह भी कहा कि जब वह उन्हें संतुष्ट कर देगी तो उसकी मदद कर दी जाएगगी। सूत्रों के मुताबिक, युवती का आरोप है कि अपराध निरीक्षक नरेश मलिक ने बातचीत के दौरान उसे अपनी मांग पूरी होने पर धन देने की भी पेशकश की।

फैक्ट्री के कामकाज में बाहरी दखल न होने दें : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

नोएडा हिंसा के बाद CM योगी का सख्त संदेश: उद्योगों की शांति और प्रगति में बाधा डालने वालों पर गिरेगी गाज

लखनऊ (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फैक्ट्रियों के कामकाज में किसी भी बाहरी तत्व को दखल देने की अनुमति नहीं देने की सलाह देते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह के हस्तक्षेप से शांति और प्रगति में बाधा आ सकती है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स के संयंत्र से 10 लाखवीं गाड़ी को हरी झंडी दिखाने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी नोएडा में वेतन वृद्धि को लेकर बड़े पैमाने पर हुई हिंसा और आगजनी के दो दिन बाद की है। नोएडा में बड़ी संख्या में महिला श्रमिकों समेत फैक्ट्री मजदूरों ने वेतन में वृद्धि तथा अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए काम बंद कर दिया था। कुछ जगहों

पर यह विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था जिसके चलते आगजनी, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई थीं। आदित्यनाथ ने इससे पहले विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के पीछे साजिश की आशंका भी जताई थी, जिसकी फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में टाटा मोटर्स के 34 साल के सफर एक गौरवपूर्ण यात्रा बताया। उन्होंने कंपनी के शीर्ष अधिकारियों और कर्मचारियों तथा दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी परिस्थिति में हमारी फैक्ट्रियों या समूहों के आंतरिक मामलों में किसी भी बाहरी तत्व को दखल देने की इजाजत न मिले। बिगाड़ने वाले बहुत आएंगे, बनाने वाले कम मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर राज्य और समाज आगे बढ़ना चाहते हैं, तो लोगों में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें उन संस्थानों और संगठनों का आभारी रहना चाहिए जो रोजगार के अवसर, बच्चों की शिक्षा और युवाओं के विकास के मौके मुहैया कराते हैं और ऐसा करके वे लोगों की जिंदगी संवारने और युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। टाटा समूह के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इस कम्पनी ने हजारों परिवारों को रोजी-रोटी कमाने में मदद की है और उनके बच्चों की शिक्षा और प्रगति में सहयोग दिया है। आदित्यनाथ ने कहा, ह्यऐसे संस्थानों की वजह से ही युवा अपना करियर बना पाते हैं, समाज में सम्मान पाते हैं और अपनी पहचान बनाए रख पाते हैं। मुख्यमंत्री ने लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स संयंत्र में 10 लाखवीं गाड़ी बनाने की उपलब्धि हासिल करने में योगदान के लिए टाटा के कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र में बनी बसें आम लोगों के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने का काम जारी रखेंगी।
इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक गिरीश वाघ समेत कई लोग शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 लाखवीं वाणिज्यिक वाहन को हरी झंडी दिखाना सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि यह भारत के उदय और एक वैश्विक विनिर्माण हब के तौर पर उत्तर प्रदेश की तैयारी को भी दिखाता है। दिवंगत रतन टाटा के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ स्थित टाटा मोटर्स के संयंत्र की स्थापना से हजारों लोगों को सीधे तौर पर और उससे भी अधिक लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार मिला है।

संपत्ति के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

शाहजहांपुर (एजेंसी) शाहजहांपुर जिले में संपत्ति के विवाद में हमलावरों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके भाई को गंभीर रूप से घायल कर दिया।
पुलिस अधीक्षक (एसपी) सौरभ दीक्षित ने बुधवार को बताया कि मदनापुर थाना क्षेत्र के बरी खास गांव में मंगलवार देर रात हमलावरों ने श्याम सुंदर (25) नामक युवक की उसके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी जबकि उसके भाई बृजमोहन के सिर पर किसी वजनदार वस्तु से प्रहार करके घायल कर दिया। दीक्षित ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस को परिजनों ने बताया कि श्याम सुंदर तथा उसका भाई अपने नाना के घर पर रहते थे। उन्होंने बताया कि नाना के कोई बेटा नहीं था, ऐसे में उन्होंने अपने नाती श्याम सुंदर के नाम पर अपनी संपत्ति की वसीयत कर दी थी और इसी को लेकर नाना के भतीजे की श्याम सुदंर से रंजिश थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार को श्याम सुंदर अपने खेत पर जानवरों का चारा काटने गया था तभी वहां उसके नाना के भतीजे धनवीर सिंह से उसकी कहासुनी हो गई। उन्होंने बताया कि उस वक्त तो श्याम सुंदर अपने घर चला आया लेकिन देर रात आरोपी धनवीर सिंह अपने साथियों के साथ उसके घर पहुंचा और उसे बाहर बुलाकर गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। दीक्षित ने बताया कि हमलावरों ने श्याम सुंदर के भाई बृजमोहन के सिर पर किसी भारी चीज से वार करके उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और भाग गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी धनवीर सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गंभीर रूप से घायल बृजमोहन को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

महिला आरक्षण विधेयक लाने की तैयारी जनगणना टालकर पीडीए का हक मारने की बड़ी साजिश : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी) समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिला आरक्षण के मुद्दे पर जल्दबाजी करके जनगणना को टालने की नीयत रखने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि महिला आरक्षण विधेयक दरअसल पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) का हक मारने की एक बड़ी साजिशका हिस्सा है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को मूर्त रूप देने के लिए संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र में बृहस्पतिवार को एक विधेयक पेश किया जाएगा, जिसमें संसद के निचले सदन में सदस्यों की मौजूदा संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान है।
सपा प्रमुख ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर यह जल्दीबाजी बता रही है कि अब सत्ता से भाजपा जा रही है। उन्होंने इसी पोस्ट में आगे आरोप लगाते हुए कहा, सच तो यह

है कि भाजपा जनगणना को टालना चाहती है क्योंकि जनगणना होगी तो जातिगत जनगणना की भी बात उठेगी और फिर आरक्षण की भी, जो भाजपा और उनके संगी-साथी कभी भी देना नहीं चाहते हैं।
यादव ने कहा कि भाजपा को ये भी अच्छी तरह याद है कि पीडीए में का मतलब आधी आबादीअर्थात महिला भी है। उन्होंने कहा, यह विधेयक पीडीए का हक-अधिकार मारने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। सपा प्रमुख ने कहा कि एक बड़ा चुनावी सच यह भी है कि भाजपा की चुनावी घपलेबाजी का अब पूरी तरह से भंडाफोड़ हो गया है और अब भाजपा को चुनावी हेराफेरी का कोई और मौका आसानी से नहीं मिलेगा और सच्चे वोट ही, चुनाव का सच्चा नतीजा तय करेंगे। उन्होंने कहा, ह्यअब हर तरह से भाजपा की कलई खुल गयी है, इसीलिए उसके समर्थक और वोटरों का अकाल पड़ गया है। भाजपा निराशा के इस दौर से उबरने के लिए यह (महिला आरक्षण) विधेयक ला रही है। यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों को अपने लुभावने जुमलों में फंसाकर वोट लेने वाली भाजपा इस बार महिलाओं को लेकर यह पुरानी चाल चल रही है लेकिन वह सफल नहीं होगी क्योंकि भाजपा राज में महिलाएं ही सबसे ज्यादा दुखी हैं। उन्होंने पोस्ट में आगे कहा, भाजपा की कमीशनखोरी व चंदा वसूली की वजह से जो महंगाई बढ़ी है उससे उनकी रसोई सूनी हो गयी है। रही-सही कसर सिलेंडर की बेतहाशा बढ़ती कीमतों ने पूरी कर दी है। हर महिला अपने बच्चों को पढ़ाना चाहती है लेकिन भाजपा की शिक्षा विरोधी सोच तो सरकारी स्कूल तक बंद करवा दे रही है। सपा प्रमुख ने मेरठ में दशकों पुरानी दुकानों को अवैध बताकर तोड़े जाने का जिक्र करते हुए कहा, महिलाओं का दर्द क्या होता है, ये मेरठ के दुकानदारों के परिवार की महिलाओं की आँखों में आए आँसू भी बयां कर रहे हैं और नोएडा की मजदूर और मेड के रूँधे गले के बयान भी। उन्होंने कहा कि अगर यह विधेयक इतना ही सही है तो इसे मेरठ-नोएडा की पारिवारिक और कामगार महिलाओं के बीच बैठकर घोषित किया जाए।

सैफई में खुला यूपी का दूसरा ट्रांसजेंडर क्लिनिक, सहज आरोग्य में होगा किन्नर समाज का फ्री इलाज

इटावा (एजेंसी) जिले में उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय सिंह के अथक प्रयासों से प्रदेश का दूसरा ट्रांसजेंडर क्लिनिक का शुभारंभ हुआ। क्लिनिक का उद्घाटन करते हुए कुलपति महोदय ने कहा कि इंसान में असमान्यता कोई बड़ी बीमारी नहीं है और सही समय से उसका इलाज संभव हो सकता है। चिकित्सालयों में किन्नर समाज को अलग-थलग और परित्यकत देखकर मेरे लिए भावनात्मक पल होता है और मैं कोशिश करता हूं कि उनकी हर संभव मदद की जा सके। उन्होंने बताया कि सहज आरोग्य क्लिनिक के नाम से न्यू ओपीड़ी भवन के भूतल में कक्ष संख्या जी-टू में माह के प्रथम बुधवार को चिकित्सकों की टीम के द्वारा मरीजों की समस्याओं का निदान किया जाएगा। ट्रांसजेंडर कम्युनिटी के हर प्रकार के इलाज किए जाएंगे। इसके साथ ही साइकाइट्रिक ट्रीटमेंट भी दिया जायेगा. यहां पर इलाज के लिए अलग-अलग विभाग से डॉक्टर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

मरीजों को एक छत के नीचे हर प्रकार की सुविधाएं डॉ. अजय सिंह ने बताया कि भारत सरकार ट्रांसजेंडर कम्युनिटी को हर प्रकार से समानता के अधिकार दे रही है। मेडिकल सर्विसेज में भी इन्हें प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इसलिए इस क्लिनिक की शुरूआत की गई है। ट्रांसजेंडर कम्युनिटी के सभी मरीजों को एक छत के नीचे हर प्रकार की सुविधाएं और परामर्श सुनिश्चित किए जाएंगे। यहां पर निसंकोच किन्नर समाज के लोग आकर अपना उचित इलाज करवा सकते हैं। बेहतर तरीके से हो सकता है ट्रांसजेंडर्स का उपचार डॉ. अजय सिंह ने ट्रांसजेंडर कम्युनिटी से अपील की है कि वे अपनी पहचान छुपाए न, न ही इसे कोई अभिशाप समझें। उन्होंने गैर सरकारी संगठनों खासकर रेखा चतुर्वेदी वारसी सेवा सदन की संयोजक से अपील की इस समुदाय के हित में उन्हें यूपीयूएमएस सैफई के सहज आरोग्य क्लीनिक में लाएं, ताकि उनका सही तरीके से इलाज हो सके। बचपन में ट्रांसजेंडर्स का उपचार बेहतर तरीके से हो सकता है। इसलिए पता लगते ही यूपीयूएमएस आकर माह के प्रथम बुधवार को डॉक्टरों से संपर्क करें।

महिला आरक्षण विधेयक का हमारी पार्टी स्वागत करती है : मायावती

लखनऊ (एजेंसी) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब, जिस खास मकसद से मैंने मीडिया को बुलाया है, वह महिला आरक्षण बिल का बहुत जरूरी मामला है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने गुरुवार से संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। मायावती ने कहा कि इस बारे में हमारी पार्टी का कहना है कि देश में जैसे बहुजन समाज खासकर एसी, एसटी, और ओबीसी समाज के हितों और भलाई पर चर्चा होती है, वैसे ही महिला सशक्तीकरण पर भी बहुत चर्चा होती है। गंभीर पॉलिसी और मजबूत इच्छाशक्ति की कमी के कारण इसे कभी भी ईमानदारी और सही तरीके से लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कमजोर तबकों की तरह ही महिलाओं पर भी जुल्म, शोषण और जुल्म लगातार जारी हैं। शर्मनाक घटनाएं अभी भी नहीं रुक रही हैं। इसीलिए हमारी पार्टी बसपा लगातार देश में सभी समुदायों की महिलाओं को उनकी आबादी के हिसाब से 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग करती रही है। हालांकि, कोई भी पॉलिटिकल पार्टी अपने स्वार्थ और मजबूरियों की वजह से इसे मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले में देश की संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रोसेस लंबे इंतजार के बाद भी हमारी पार्टी इसे आगे बढ़ाने के कदम का स्वागत करती है। भले ही इसमें बहुत देर हो गई है, फिर भी हमारी

पार्टी इसका स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण की असली हकदार शोषित व उपेक्षित वर्गों में भी खासकर सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से लगातार पीछे किए जा रहे एसी, एसटी व ओबीसी समाज की महिलाओं को अगर इसमें अलग से आरक्षण की व्यवस्था की जाती तो यह ऐतिहासिक होता। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कल भारतीय संविधान के निमार्ता और दलितों व अन्य उपेक्षित वर्गों के मसीहा पूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती थी। देशभर में बसपा के लोगों ने इसे अपने परिवारों के साथ बड़े उत्साह के साथ मनाया।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बनेगा 'नेक्स्ट जेन' डाकघर, हाईस्पीड वाईफाई समेत मिलेंगी कई सुविधाएं

बरेली (एजेंसी) डाक विभाग की 'नेक्स्ट जेन' योजना के तहत रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर का डाकघर आधुनिक केंद्र बनेगा। यहां लाइब्रेरी, वाईफाई, कॉफी मशीन और क्यूआर कोड जैसी सुविधाएं मिलेंगी। सीनियर पोस्ट मास्टर अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि इसका उद्देश्य युवाओं को डाक सेवाओं से जोड़ना है। काम जल्द शुरू होगा। बरेली में डाक विभाग की महत्वाकांक्षी 'नेक्स्ट जेन' योजना के अंतर्गत महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में स्थित डाकघर का चयन किया गया है। इस योजना के

तहत डाकघर को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में होने के कारण यह केंद्र छात्रों और शोधकताओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित होगा। प्रधान डाकघर के सीनियर पोस्ट मास्टर अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि कायाकल्प के बाद रुहेलखंड विश्वविद्यालय के डाकघर में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के अनुसार, यहां आने वाले लोगों के लिए एक आधुनिक लाइब्रेरी की व्यवस्था की जाएगी। लाइब्रेरी में किताबें, अखबार मैगजीन आदि रखी होंगी। परिसर को हाईस्पीड वाईफाई से लैस किया जाएगा। ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए यहां कॉफी मशीन भी लगाई जाएगी। डिजिटल सुविधाओं के लिए क्यूआर कोड की सुविधा मिलेगी। तकनीकी सुधारों के साथ-साथ डाकघर के बुनियादी ढांचे को भी पूरी तरह बदला जाएगा। इसमें न केवल डाक और पार्सल की बुकिंग तेज होगी, बल्कि बैंकिंग सेवाओं को भी अधिक सुलभ बनाया जाएगा। 'नेक्स्ट जेन' डाकघर के माध्यम से विभाग की कोशिश है कि युवा पीढ़ी को फिर से डाक सेवाओं की ओर आकर्षित किया जाए। उन्हें एक ही छत के नीचे सूचना, तकनीक और सुविधा का संगम प्रदान किया जाए। सीनियर पोस्ट मास्टर के मुताबिक, यहां जल्द ही काम शुरू किया जाएगा।
ये है नेक्स्ट जेन योजना
डाकघर की नेक्स्ट जेन या जेन जी पोस्ट ऑफिस योजना पारंपरिक डाकघरों को आधुनिक, स्मार्ट और युवा केंद्रित हब में बदलने की एक डिजिटल पहल है। इन केंद्रों में हाई-स्पीड क्यूआर कोड आधारित सेवाएं, कैफे-जैसा माहौल और सेल्फी प्वाइंट्स के साथ-साथ पार्सल, बैंकिंग और आधार जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।
युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के लिए ये योजना बनाई गई है। प्रभारी प्रवर अधीक्षक डाकघर मनोज कुमार ने बताया कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर स्थित डाकघर को नेक्स्ट जेन योजना के अंतर्गत चुना गया है। इस डाकघर में वाई-फाई, कॉफी मशीन, लाइब्रेरी आदि का निर्माण होगा।
जल्द ही नए रंग-रूप में ये डाकघर दिखाई देगा।

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

अप्रैल में फैमिली के साथ इन शानदार जगहों को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, हर पल रहेगा यादगार

अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

हर कोई परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना चाहता है। इसलिए जब भी लोगों को समय मिलता है, तो वह अपने परिवार के साथ पसंदीदा जगहों पर पहुंच जाते हैं। अप्रैल के महीने में कई लोग अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने के लिए निकलते हैं। अप्रैल साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ती है। गर्मी के कारण लोग फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर मौज-मस्ती का प्लान बनाते हैं। लेकिन लोग सही जगह का चुनाव नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अप्रैल की चिलचिलाती गर्मी में फैमिली के साथ ठंडी-ठंडी जगहों पर पहुंच सकते हैं।

मैक्लॉडगंज

अगर आप अप्रैल के महीने में हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में फैमिली संग घूमने का प्लान कर रहे हैं, तो मैक्लॉडगंज आपके लिए परफेक्ट जगह है। यह हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। जोकि धर्मशाला से करीब 5 किमी दूर है।

अप्रैल में मैक्लॉडगंज का मौसम सुहावना रहता है। इस दौरान आप अपने परिवार के साथ यहां पर यादगार पल बिता सकते हैं। आप मैक्लॉडगंज में फैमिली के साथ सेंट जॉन चर्च, नड्डी व्यू पॉइंट, भागसूनाग वाटरफॉल और डल झील जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

बेताब वैली

जब भी जम्मू-कश्मीर में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले गुलमर्ग, श्रीनगर या फिर सोनमर्ग का नाम लेते हैं। लेकिन आप इन सभी से हसीन बेताब वैली को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह वैली जम्मू-कश्मीर का वह छिपा हुआ खजाना है, जिसकी खूबसूरती देखकर आप खुशी से झूम उठेंगे।

बेताब वैली में घास के मैदान, शांत और शुद्ध वातावरण और झील झरने इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बॉलीवुड की कई फिल्मों की यहां पर शूटिंग हो चुकी है। अप्रैल के महीने में यहां का तापमान एकदम सुहावना रहता है।

झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है दशम जलप्रपात

दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 34 किलोमीटर दूर, तैमारा गाँव के समीप स्थित दशम जलप्रपात (Dassam Falls), राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जलप्रपात कांची नदी पर स्थित है, जो सुवर्णरेखा नदी की एक सहायक नदी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और झरने की गूंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

जलप्रपात की विशेषताएँ

ऊँचाई : दशम जलप्रपात लगभग 44 मीटर (144 फीट) की ऊँचाई से गिरता है, जिससे यह झारखंड के प्रमुख जलप्रपातों में शामिल है।

नाम की उत्पत्ति : स्थानीय मुंडारी भाषा में 卐दाशोंग卐 का अर्थ होता है पानी का गिरना। समय के साथ यह शब्द दशम में परिवर्तित हो गया।

प्राकृतिक संरचना : यह जलप्रपात एक निक पॉइंट का उदाहरण है, जहाँ नदी की ढलान में अचानक परिवर्तन होता है, जिससे जलप्रपात का निर्माण होता है।

दृश्य सौंदर्य : जलप्रपात के चारों ओर घने जंगल और चट्टानी क्षेत्र हैं, जो इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग : रांची से दशम जलप्रपात तक पहुँचने के लिए NH-33 (अब NH-18) का उपयोग किया जा सकता है। अंतिम 10 किलोमीटर की यात्रा गाँव की सड़कों से होती है, जो संकरी लेकिन ड्राइविंग के लिए उपयुक्त हैं।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन रांची है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से जलप्रपात तक पहुँचा जा सकता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मानसून (जुलाई से सितंबर): इस अवधि में जलप्रपात अपने पूर्ण प्रवाह में होता है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती हैं।

शीतकाल (अक्टूबर से फरवरी) : इस समय मौसम सुखद होता है और भीड़ भी कम होती है, जिससे यात्रा अधिक आनंददायक होती है।

सुरक्षा सुझाव

जलप्रपात के नीचे तैराकी या स्नान से बचें, क्योंकि यहाँ की जलधारा तेज होती है और कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं।

फिसलन से बचने के लिए उपयुक्त जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

अपने साथ पानी और हल्का नाश्ता रखें, क्योंकि आसपास सीमित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

अतिरिक्त जानकारी

प्रवेश शुल्क : नि :शुल्क

पार्किंग : पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है, जहाँ 30 का शुल्क लिया जाता है।

सीढ़ियाँ : जलप्रपात के तल तक पहुँचने के लिए लगभग 300 सीढ़ियाँ उतरनी पड़ती हैं, जो अच्छी तरह से निर्मित हैं।

दशम जलप्रपात, झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता का एक अद्भुत उदाहरण है। यह स्थान न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए, बल्कि फोटोग्राफरों और शांत वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य है। यदि आप झारखंड की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो दशम जलप्रपात को अपनी सूची में अवश्य शामिल करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना है कोयनानगर, मानसून में यहां घूमना है जन्नत के बराबर

कोयनानगर को महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के पश्चिमी भाग में स्थित महाराष्ट्र एक प्रमुख राज्य होने के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यह एक ओर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ तो दूसरी ओर अरब सागर से घिरा है। महाराष्ट्र अपनी खूबसूरती के कारण पर्यटकों के अपनी ओर आकर्षित करता है। महाराष्ट्र में कई ऐसी हसीन, ऐतिहासिक और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लेकर लोनावाला, खंडाला और माथेरान जैसी जगहों के बारे में तो हर कोई जानता है, लेकिन यहां पर स्थित कोयनानगर के बारे में कम लोग जानते हैं। इस जगह को महाराष्ट्र का छिरा हुआ खजाना माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोयनानगर की खासियत, यहां की खूबसूरती और यहां पर मौजूद शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में कोयनानगर

कोयनानगर महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थित है। सतारा जिला खूबसूरत पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। वहीं कोयनानगर को कोयना के नाम से भी जाना जाता है।

सतारा जिले में कोयना नदी के किनारे कोयनानगर है। यह सतारा शहर से कुछ ही दूरी पर बसा है। कोयनानगर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 294 किमी दूर है। पूणे से 190 किमी और सांगली से 130 किमी दूर है।

कोयनानगर की खासियत

कोयनानगर चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है और यह कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। कोयनानगर में स्थित कोयना बांधा भारत की सबसे बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं में से एक माना जाता है।

कोयना बांध के पीछे स्थित शिवसागर जलाशय भी कोयनानगर को खास बनाने का काम करता है। यह जगह सतारा जिले के साथ ही पूरे महाराष्ट्र का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आप एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं।

कोयनानगर की खूबसूरती

बता दें कि कोयनानगर को खूबसूरती का खजाना माना जाता है। यह जगह शहर की भीड़-भाड़ से दूर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है। कोयनानगर की हरियाली यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है।

यहां पर क्रिस्टल क्लियर झील, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलेंगे। वहीं वीकेंड पर कई पर्यटक यहां पर पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। वहीं मानसून में कोयनानगर की खूबसूरती देखने लायक होती है।

कोयनानगर में घूमने की जगहें

कोयनानगर में कई शानदार और बेहतरीन जगहें हैं, जहां पर घूमने के बाद आप महाराष्ट्र की फेमस जगहों को भूल जाएंगे। यहां पर कोयना डैम, कोयना नदी, नेहरु गार्डन और कोयनानगर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी आदि खूबसूरत जगहें मौजूद हैं।

कोयनानगर के आसपास कामरगांव, हूंबर्ली, वजेगांव, ओज़ार्डे वॉटरफॉल और कोयना बैकवाटर व्यू पॉइंट जैसी जगहों को घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचे कोयनानगर

यहां पर पहुंचना बहुत आसान है, कोयनानगर का सबसे नजदीकी एयरपोर्ट पुणे है। जोकि करीब 192 किमी दूर है। वहीं कोयनानगर का नजदीकी रेलवे स्टेशन चिपलून है जो 42 किमी दूर है। पुणे से चिपलून के लिए लोकल ट्रेन आदि चलती हैं और यह शानदार जगह चिपलून-सांगली राजमार्ग पर स्थित है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा ने अमेरिका को ललकारा, दे डाली धमकी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा में सैन्य हमले की हाल ही में दी धमकी पर क्यूबाई राष्ट्रपति ने जबरदस्त ऐतराज जताते हुए अमेरिका को ललकारा है। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने देश में आए ईंधन संकट के बाद पहली बार हुंकार भरी। कहा, अमेरिका के पास सैन्य हमला करने या उन्हें सत्ता से हटाने का कोई वैध कारण नहीं है। उन्होंने कहा, क्यूबा पर किसी भी तरह का आक्रमण महंगा साबित होगा और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेगा। एनबीसी न्यूज के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम को दिए साक्षात्कार में डियाज-कैनेल ने कहा कि यदि अमेरिका ने कोई भी अप्रिय कदम उठाया तो क्यूबा के लोग अपना बचाव करेंगे। उन्होंने कहा, ऐसा समय आने पर मुझे नहीं लगता कि अमेरिका के पास क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण शुरू करने या किसी 'सर्जिकल ऑपरेशन' अथवा राष्ट्रपति के अपहरण का कोई औचित्य होगा। डियाज-कैनेल ने कहा, यदि ऐसा हुआ तो लड़ाई होगी, संघर्ष होगा और हम अपना बचाव करेंगे। जरूरत पड़ी तो हम मरेंगे भी।

प्रशांत महासागर में नशा तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमले, 5 मरे

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी सेना के मुताबिक, उसने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल दो नौकाओं पर हमला कर उन्हें तबाह कर पांच लोगों को मार गिराया। इनमें से एक व्यक्ति बच गया है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन लातिन अमेरिका में कथित तस्करों के खिलाफ अभियान चला रहा है और साथ ही ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी की तैयारी कर रहा है। शनिवार को हुए हमलों के बाद, ट्रंप प्रशासन द्वारा सितंबर की शुरुआत में 'नार्को आतंकवादी' कहे जाने वाले लोगों को निशाना बनाना शुरू करने के बाद से अमेरिकी सेना द्वारा नावों पर किये गए हमलों में मारे गए लोगों की संख्या कम से कम 168 हो गई है।

पाकिस्तान : बलूचिस्तान में हजारा शिया समुदाय के 2 लोगों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शिया मुस्लिम हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में हुई इस घटना को लेकर सोमवार को क्षेत्र के शिया समुदाय ने तीखा विरोध दर्ज कराया और सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर सशक्त नीति बनाने की मांग की। क्वेटा में अज्ञात बंदूकधारी लोग दो मोटरसाइकल पर व्यापार के लिए सब्जियां खरीदने हजारगंज बाजार पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी खैर सुमलानी के मुताबिक, ये बाइक सवार हजारा टाउन से आए थे। गोलीबारी में हजारा अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने इसे सुनियोजित हत्या बताया। उधर, बलूचिस्तान के हजारा समुदाय के नेता अब्दुल खालिक हजारा ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए सरकार ने क्षेत्रीय हालात सुधारने के लिए कदम उठाने की मांग की है। समुदाय के लोगों ने सोमवार को हजारगंज बाजार की पुलिस चौकी भी घेरी और प्रदर्शन कर नारेबाजी की। फिलहाल घटना की किसी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी रही।

अमेरिका : नेवादा में आया भूकंप, 5.7 रही रिक्टर स्केल पर तीव्रता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि नेवादा के सिल्वर स्प्रिंग्स के पास 5.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे क्षेत्र के कुछ हिस्सों में झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का झटका 9 किलोमीटर (5.59 मील) की गहराई पर आया था। एक अलग घटना में, अमेरिका के कैलिफोर्निया क्षेत्र में 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता पहले 5.1 बताई गई थी, लेकिन बाद में यूएसजीएस द्वारा इसे संशोधित करके 4.9 कर दिया गया। सैन जोस और कैलिफोर्निया के कई अन्य क्षेत्रों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप कैलिफोर्निया के बोल्डर क्रीक से एक किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में आया। अमेरिकी सरकारी विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप लगभग 8 :41 :25 यूटीसी (कैलिफोर्निया में लगभग 1 :41 बजे) पर 10.9 किलोमीटर की गहराई पर आया।

इस्लामाबाद असफल तो अब जिनेवा में हो सकती है अगली बैठक, दावा- तैयारी में जुटे अमेरिका-ईरान

जिनेवा , एजेंसी। अमेरिका और ईरान जल्द ही दूसरे दौर की कूटनीतिक वार्ता शुरू कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच पिछले छह हफ्तों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दो अमेरिकी अधिकारियों और घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अन्य व्यक्ति के अनुसार, दोनों देश अगले सप्ताह मौजूदा युद्धविराम के समाप्त होने से पहले एक समझौते तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए वे आमने-सामने बैठकर नई बातचीत करने पर विचार कर रहे हैं।

एसोसिएटेड प्रेस के सूत्रों के अनुसार, वार्ता के नए दौर को लेकर अभी चर्चा चल ही रही है। वहीं मध्यस्थता करने वाले देशों में से एक के राजनयिक ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि तेहरान और वाशिंगटन बातचीत के लिए पूरी तरह सहमत हो गए हैं। इन सभी चारों सूत्रों ने कूटनीतिक संवेदनशीलता के कारण नाम न छापने की शर्त पर एपी को यह जानकारी दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस बार की वार्ता में भी पिछली बार के स्तर के ही उच्च अधिकारी या प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे या नहीं।

कहां और कब हो सकती है वार्ता : राजनयिक और अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि वार्ता की मेजबानी के लिए एक बार फिर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नाम पर चर्चा हो रही है। इसके अलावा अमेरिकी अधिकारियों ने जिनेवा (स्विट्जरलैंड) को भी एक संभावित विकल्प बताया है। हालांकि, अभी तक स्थान और समय को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन सूत्रों का मानना है कि यह वार्ता गुरुवार को हो सकती है।

ट्रंप का बयान और वाइट हाउस की प्रतिक्रिया : सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने संवाददाताओं से बातचीत में इस ओर इशारा करते हुए कहा था कि 'दूसरे पक्ष ने हमसे संपर्क किया है। वे एक समझौता करना चाहते हैं।' दूसरी ओर, इस पूरे मामले और संभावित नई वार्ता पर टिप्पणी के लिए जब वाइट हाउस से संपर्क किया गया, तो उनकी तरफ से तत्काल कोई प्रतिक्रिया या जवाब नहीं मिला।

अमेरिका-ईरान के बीच अगले दौर की वार्ता जल्द संभव: पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच अगले दौर की बातचीत जल्द ही होने की उम्मीद है। शनिवार को दोनों देशों के बीच 21 घंटे तक चली बातचीत 1979 के बाद अपनी तरह की पहली वार्ता थी, जिसमें दोनों पक्षों के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, वीकेंड पर पाकिस्तान में हुई इस लंबी बातचीत के बाद भी दोनों पक्ष युद्ध को खत्म करने के लिए किसी स्थायी शांति समझौते तक पहुंचने में विफल रहे।

सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे प्रयास : सोमवार को संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि वार्ता के बाद एक तरह के 'संतोष की भावना' है, क्योंकि अब तक कोई नकारात्मक घटनाक्रम सामने नहीं आया है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, जब आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान इस क्षेत्र के भविष्य को तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा, तो उन्होंने जवाब दिया कि अंतिम फैसले अल्लाह के हाथ में हैं।

अमेरिका का रुख: वार्ता क्यों विफल रही : इस्लामाबाद में हुई इस वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया था। वेंस ने कहा कि ईरानी पक्ष ने युद्ध समाप्त करने की वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार नहीं किया, जबकि अमेरिका ने अपनी तरफ से अंतिम और सबसे बेहतरीन पेशकश सामने रखी थी। वार्ता विफल होने के कुछ ही घंटों बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान के साथ बातचीत इसलिए विफल रही क्योंकि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।

युद्ध का बैकग्राउंड और पाकिस्तान की भूमिका : दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने में पाकिस्तान ने कूटनीतिक पहल का नेतृत्व किया है। यह इस सप्ताह की शुरुआत में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की उस अपील के बाद संभव हो सका, जिसके चलते युद्ध में अस्थायी विराम लगा था। गौरतलब है कि यह संघर्ष 28 फरवरी को तब शुरू हुआ था, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले शुरू किए थे। इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार ठप पड़ गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि अगर उन्हें लगेगा कि ईरान उनकी शर्तों को मानने के लिए तैयार है।

वियतनाम ने डेंगू बुखार के बढ़ते मामलों को लेकर दी चेतावनी

हनोई , एजेंसी। वियतनाम में डेंगू संक्रमण का प्रकोप देखने को मिल रहा है। अब तक देश में 30 अधिक से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि चार मौतें हो चुकी हैं। इसी बीच, वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि डेंगू संक्रमण के मामले और बढ़ सकते हैं। स्थानीय दैनिक अखबार 'न्हान डैन' ने मंगलवार को बताया कि इस साल की शुरुआत से अब तक देश में 31,927 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें चार मौतें भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश मामले दक्षिणी इलाकों में केंद्रित हैं। वहीं, समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, वियतनाम रोग निवारण प्रशासन के उप निदेशक वो हाई सोन ने कहा कि अगर रोकथाम और नियंत्रण के उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो निकट भविष्य में संक्रमण के मामले और बढ़ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य विभाग संक्रमण के प्रकोप की मॉनिटरिंग और उसे नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है, साथ ही रोग की रोकथाम के बारे में जन जागरूकता अभियान भी तेज कर रहा है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब गर्मी और उमस भरा मौसम जल्दी शुरू हो गया है व बारिश अनियमित हो रही है, जिससे मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल स्थितियां बन गई हैं। पिछले साल वियतनाम में डेंगू बुखार के 181,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 36 लोगों की मौत हुई थी। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो मच्छरों के काटने से इंसानों में फैलता है। जिन लोगों को डेंगू होता है, उनमें से अधिकांश में कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। जिन लोगों में लक्षण दिखते हैं, उनमें सबसे आम लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, जी मिचलाना और शरीर पर चकत्ते पड़ना है। अधिकांश लोग 1-2 सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। कुछ लोगों में डेंगू गंभीर रूप ले लेता है, जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है। गंभीर मामलों में, डेंगू जानलेवा भी हो सकता है।

ईरान का विश्वास हासिल करना ही अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से निकलने का रास्ता: बाकेर कालिबाफ

तेहरान , एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर क़ालिबाफ ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए मौजूदा स्थिति से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका यह है कि वह अपना निर्णय ले और ईरानी राष्ट्र का विश्वास हासिल करे। उन्होंने यह टिप्पणी पाकिस्तान की अपनी यात्रा से ईरान लौटते समय पत्रकारों को संबोधित करते हुए की, जहां उन्होंने अपने साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ शांति वार्ता में भाग लिया था। क़ालिबाफ ने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ईरानी जनता का ऋणी है और उसे इसकी भरपाई के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'अगर वे लड़ेंगे, तो हम भी लड़ेंगे और अगर वे तर्क के साथ आगे आते हैं, तो हम तर्क से जवाब देंगे। हम किसी भी धमकी के सामने झुकेंगे नहीं। वे हमारी इच्छाशक्ति को एक बार फिर परख सकते हैं और हम उन्हें और बड़ा सबक सिखाएंगे। ' क़ालिबाफ ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई वार्ता को 'बहुत गहन, गंभीर और चुनौतीपूर्ण' बताया। उन्होंने कहा कि सक्षम विशेषज्ञों के सहयोग और व्यापक व विविध दृष्टिकोण के साथ, ईरान के प्रतिनिधिमंडल ने देश की सद्भावना दिखाने के लिए 'बेहतरीन पहल' तैयार कीं, 'जिससे बातचीत में प्रगति हुई। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हमने शुरू से ही घोषणा की थी कि हमें अमेरिकियों पर भरोसा नहीं है। हमारे अविश्वास की दीवार 77 साल पुरानी है। यह ऐसे समय में है जब 12 महीनों से भी कम समय में उन्होंने बातचीत के दौरान दो बार हम पर हमला किया। इसलिए, उन्हें ही हमारा विश्वास जीतना होगा। क़ालिबाफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ हालिया धमकियों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी धमकियों का ईरानी जनता पर कोई असर नहीं पड़ता। ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने शनिवार और रविवार तड़के इस्लामाबाद में लंबी बातचीत की। ये वार्ताएं किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकीं। यह बातचीत 40 दिनों की लड़ाई के बाद बुधवार को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद हुई थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंचे

बर्लिन , एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन दौरे पर पहुंचे हैं। वे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विदेश सचिव मंगलवार (भारतीय समयानुसार) तड़के बर्लिन पहुंचे, जहां जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते ने उनका स्वागत किया। जर्मनी स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'विदेश सचिव विक्रम मिस्री भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंच गए हैं। यह यात्रा जनवरी 2026 में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की भारत की सफल यात्रा के बाद हो रही है, और यह भारत व जर्मनी के बीच नियमित संवाद को दर्शाती है।' भारतीय राजदूत अजीत गुप्ते ने भी सोशल मीडिया के जरिए भी विदेश सचिव मिस्री का बर्लिन में स्वागत किया। भारतीय राजदूत ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'उनकी यह यात्रा भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के संपूर्ण दायरे की समीक्षा करने, द्विपक्षीय एजेंडे के प्रमुख स्तंभों पर चर्चा को आगे बढ़ाने व क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का एक अवसर प्रदान करती है।' इससे पहले, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उनकी यात्रा की घोषणा करते हुए बताया था कि विदेश सचिव मिस्री, जर्मनी के विदेश कार्यालय के राज्य सचिव गेजा एंड्रियास वॉन गेयर के साथ मिलकर भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'चर्चाओं में द्विपक्षीय सहयोग के विविध क्षेत्र शामिल होंगे, जिनमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, विकास सहयोग, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंध व आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मामले शामिल हैं।' विदेश सचिव के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। यह यात्रा विदेश सचिव की पेरिस यात्रा के ठीक बाद हो रही है, जहां उन्होंने सोमवार को फ्रांस के विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएन्स के साथ मिलकर भारत-फ्रांस विदेश कार्यालय परामर्श की सह-अध्यक्षता की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चर्चाओं में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, साइबर और डिजिटल क्षेत्रों में सहयोग, एआई, नवाचार व मानवीय और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई पहलें शामिल थीं। इससे पहले, भारतीय विदेश सचिव ने फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन-नोएल बैरो से भी मुलाकात की।

व्हाइट हाउस के बाहर ट्रंप ने डिलीवरी एजेंट को दिए 100 डॉलर टिप, 'नो टैक्स ऑन टिप्स' नीति का किया जिक्र

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ा एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का वाकया सोमवार को सामने आया, जब उन्होंने व्हाइट हाउस के बाहर डोरडैश की एक डिलीवरी लेने के दौरान डिलीवरी एजेंट को 100 डॉलर की टिप दी। डिलीवरी एजेंट शेरॉन सिमंस पहली बार व्हाइट हाउस आई थीं। एक रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि क्या व्हाइट हाउस अच्छे टिपर हैं। सिमंस जवाब दे पातीं, उससे पहले ही ट्रंप ने अपनी जेब से 100 डॉलर का नोट निकालकर उन्हें टिप दे दी। इससे सिमंस काफी खुश नजर आईं और उन्होंने कहा, हां, बहुत अच्छे। धन्यवाद! इस दौरान सिमंस ने ट्रंप की नो टैक्स ऑन टिप्स नीति का जिक्र करते हुए बताया कि इससे उन्हें फायदा हुआ है। बातचीत के बीच ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए उनकी नीतियों की आलोचना की और कहा कि वे अपनी नीतियों के दम पर चुनाव नहीं जीत सकते। इसी दौरान ट्रंप ने सिमंस से महिलाओं के खेलों में पुरुषों की भागीदारी को लेकर सवाल भी पूछा। सिमंस ने इस पर कोई स्पष्ट राय देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह यहां सिर्फ नो टैक्स ऑन टिप्स के बारे में बात करने आई हैं।

वहीं, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि ट्रंप की टैक्स नीति से सिमंस जैसी कामकाजी महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सिमंस ने पिछले साल टिप्स से करीब 11,000 डॉलर कमाए, जिससे वह अपने परिवार का खर्च चला रही हैं।

असफल इस्लामाबाद वार्ता पर जेडी वेंस बोले- अमेरिका का रुख साफ, अब गेंद ईरान के पाले में

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कुछ दिन पहले इस्लामाबाद में हुए शांति वार्ता के असफल रहने के असली वजहों पर जोर देते हुए कई अहम और बड़े खुलासे किए। वेंस ने कहा कि बातचीत पूरी तरह विफल नहीं हुई, बल्कि इसमें कुछ प्रगति जरूर हुई है। दूसरी ओर वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि शांति वार्ता को लेकर अमेरिका का रुख पूरी तरह से साफ है और अब बारी ईरान को अपना फैसला लेने की है। वेंस ने इस बात को ऐसे कहा कि अमेरिका ने बातचीत को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है और अब गेंद ईरान के पाले में है।

वेंस ने कहा कि ईरान ने बातचीत में अमेरिका की दिशा में कुछ कदम बढ़ाए हैं, लेकिन अभी वह पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब आगे की जिम्मेदारी ईरान पर है कि वह समझौते को आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि हमने अच्छी प्रगति की है, लेकिन अभी समझौता पूरा नहीं हुआ है।

समझिए बातचीत क्यों रुकी: रिपोर्ट्स के मुताबिक, लगभग 21 घंटे चली इस बातचीत में मुख्य विवाद ईरान के परमाणु ईंधन संवर्धन को लेकर था। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी परमाणु क्षमता सीमित करे, लेकिन ईरान इस पर पूरी तरह तैयार नहीं हुआ। ऐसे में वेंस ने यह भी कहा कि इस्लामाबाद में बातचीत के लिए जो टीम भेजी थी। उसके पास निर्णय लेने की क्षमता नहीं थी। वेंस ने कहा कि ईरानी टीम को कई फैसलों के लिए तेहरान से मंजूरी लेनी पड़ती है, इसलिए तुरंत समझौता नहीं हो पाया और ये वार्ता के असफल रहने का सबसे बड़ा कारण बना।

परमाणु कार्यक्रम को लेकर वेंस ने भी साफ किया रुख : वेंस ने साफ कहा कि वह पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की इस बात से सहमत हैं कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखने दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर ईरान अमेरिका की रेड लाइन मान लेता है, तो यह दोनों देशों के लिए अच्छा समझौता हो सकता है। वेंस के अनुसार, अब अगला कदम ईरान को उठाना है क्योंकि अमेरिका ने बातचीत में कई प्रस्ताव पहले ही रख दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा ऊर्जा कीमतें लोगों के लिए मुश्किल पैदा कर रही हैं, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहेगी और अमेरिका इस पर काम कर रहा है।

पीएम मार्क कार्नी की विशेष चुनावों में बड़ी जीत; लिबरल पार्टी को मिला बहुमत, 2029 तक सत्ता का रास्ता साफ

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने विशेष चुनावों में अहम जीत दर्ज करते हुए संसद में पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया। इस जीत के साथ अब सरकार को कानून पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के समर्थन की जरूरत नहीं होगी। संसद की 343 सीटों में से तीन खाली सीटों पर हुए चुनाव में लिबरल उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन किया।

टोरंटो के यूनिवर्सिटी-रोसडेल सीट से डेनिएल मार्टिन और स्कारबोरो साउथवेस्ट से डॉली बेगम ने जीत हासिल की। क्यूबेक की एक सीट का परिणाम देर रात तक आना बाकी था, लेकिन वहां भी लिबरल पार्टी को बढ़त मिलने की संभावना जताई गई।

लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक रह सकता है : इस जीत के बाद लिबरल पार्टी का कार्यकाल अब 2029 तक जारी रह सकता है, जिससे सरकार को स्थिरता और अपनी नीतियों को लागू करने के लिए मजबूत आधार मिलेगा।

कार्नी ने ट्रूडो की जगह ली : कार्नी, जिन्होंने 2025 में पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह ली थी, पिछले साल के आम चुनाव में भी जीत दर्ज कर चुके हैं। उनकी जीत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कथित एनेक्सेशन (विलय) जैसे बयानों के खिलाफ कनाडाई जनता के गुस्से की बड़ी भूमिका रही।

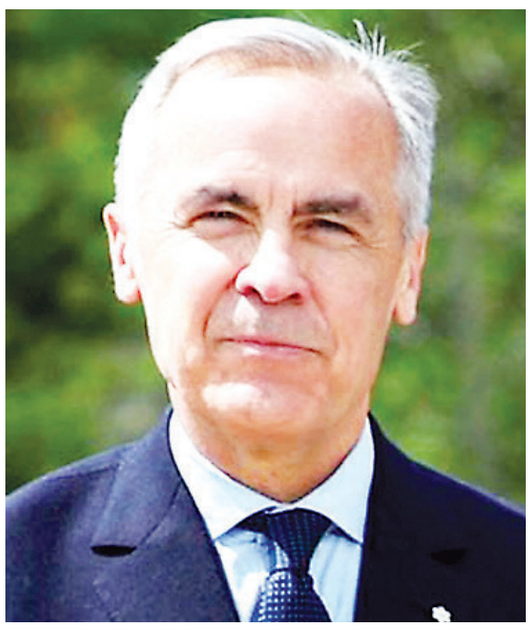

विपक्षी दलों के नेता लिबरल पार्टी में हुए थे शामिल : हाल के महीनों में विपक्षी दलों के पांच सांसदों, जिनमें चार कंजरवेटिव पार्टी से थे। उनके लिबरल पार्टी में शामिल होने से सरकार पहले ही बहुमत के करीब पहुंच गई थी। इन सांसदों में से एक ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कार्नी के भाषण को अपने फैसले की वजह बताया, जिसमें उन्होंने बड़ी शक्तियों द्वारा छोटे देशों पर आर्थिक दबाव की आलोचना की थी।

क्या है विशेषज्ञों की राय : राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका-कनाडा संबंधों में आई गिरावट ने भी कार्नी के पक्ष में माहौल बनाया। मॉन्ट्रियल स्थित मैकगिल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डैनियल बेलांद का कहना है कि कार्नी तेजी से एक प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे हैं।

कंजरवेटिव नेता की प्रतिक्रिया : वहीं, यह नतीजा कंजरवेटिव नेता पियरे पोइलिव्रे के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे पहले ही पिछला आम चुनाव और अपनी संसदीय सीट हार चुके थे, हालांकि बाद में संसद में वापसी कर चुके हैं। पार्टी के भीतर भी उनकी पकड़ कमजोर बताई जा रही है। पोइलिवर ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे देश और संसद में अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और अगले चुनाव में कनाडा को फिर से वापस लेने की कोशिश करेंगे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

सेंसेक्स 1264 अंक चढ़कर 78,111 पर बंद, निफ्टी भी 389 बढ़कर 24,231 पर पहुंचा; आईटी, मेटल और ऑटो शेयरों में खरीदारी

निवेशकों ने कमाया 9 लाख करोड़

मुंबई।

शेयर बाजार की बुधवार को निवेशकों पर जमकर मेहरबानी बरसी। सेंसेक्स 1,264 अंक (1.64 प्रतिशत) की तेजी के साथ 78,111 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 389 अंकों (1.63 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 24,231 के स्तर पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी के शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। बाजार की इस तेजी के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़ गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ।भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी का एक नया दौर शुरू हुआ, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स 1.5 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढक़र बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,264 अंक, या 1.64 फीसदी बढक़र 78,111.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 389 अंक, या 1.63 फीसदी उछलकर 24,231.30 पर स्थिर हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़े। इस तेजी की वजह से शेयर बाजार निवेशकों को मोटा फायदा हुआ। वास्तव में बीएसई का मार्केट कैप 449 लाख करोड़ रुपए से बढक़र 458 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसका मतलब है कि मार्केट कैप में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ। यही शेयर बाजार निवेशकों की कमाई भी है।

विदेशी बाजारों में तेजी

दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में तेजी आई ने भी भारतीय शेयर बाजार के मनोबल में इजाफा किया है। वास्तव में स्-ईरान बातचीत जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना की वजह से भी विदेशी बाजारों में तेजी देखने को मिली है। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों का रूस्ष्ठ्ठ का सबसे व्यापक इंडेक्स 1.5 फीसदी बढक़र छह हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जापान का निक्केई भी 1 फीसदी चढ़ा, जबकि कोरिया का कोस्पी 3 फीसदी उछला। रात भर में, स् शेयर बाज़ार में जबरदस्त बढ़त देखने को मिली। नैस्डैक 2 फीसदी चढ़ा और स्×क्क 500 1.2 फीसदी बढक़र अपने रिकॉर्ड बंद भाव के करीब पहुंच गया।

रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट

रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवाकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 93.44 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इसकी वजह यह रही कि कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बाद आई तेजी और घरेलू महंगाई के बढ़ते आंकड़ों ने बाजार के माहौल को कमजोर कर दिया। फॉरेक्स विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी के बावजूद रुपया मजबूत नहीं हो

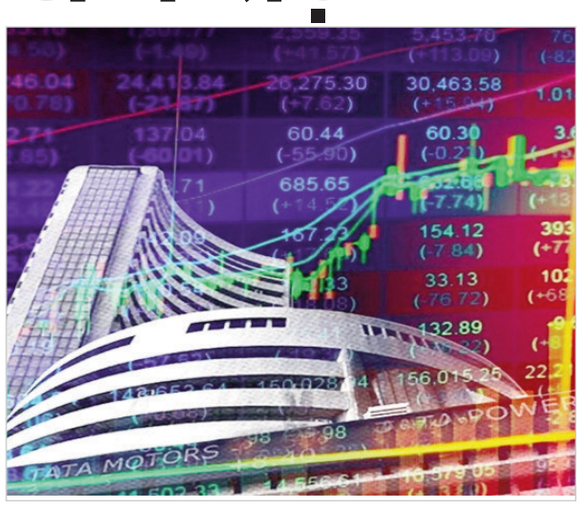

पाया। हालांकि, शुरुआत में इसमें बढ़त देखी गई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.40 पर बंद हुआ1 आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती के साथ 93.17 पर खुला पर बंद होते-होते इसमें गिरावट आने लगी। यह बढ़त ब्रेंट क्रूड की गिरती कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीद के कारण आई। वहीं गत दिवस मुद्रा बाजार बंद था। वहीं सोमवार को भारतीय रुपया 63 पैसे टूटकर 93.36 पर बंद हुआ था।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच पल-पल बदल रहा तेल बाजार....कभी 100 के पार, अब 90 डालर के करीब

नई दिल्ली, ।

दुनिया के तेल बाजार में फिर बड़ा उतार-चढ़ाव दिखाई दिया है। कुछ दिन पहले जो कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच गया था, अब फिसलकर 90 डॉलर के करीब पहुंच गया है। बुधवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरकर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार का मूड अचानक बदल गया है और माहौल में अनिश्चितता साफ महसूस हो रही है।तेल की कीमतों में गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह इस बात की उम्मीद हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। खबरें हैं कि अगले दो दिनों में दोनों देश आमने-सामने आ सकते हैं। बस इसी संभावना ने बाजार की दिशा बदल दी। जहां पहले डर हावी था, अब वहां थोड़ी राहत की उम्मीद दिख रही है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। होरमुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, अब भी तनाव बरकरार है। यहां किसी भी तरह की रुकावट पूरी दुनिया की सप्लाई को हिला सकती है। इसकारण बाजार हर छोटी खबर पर तेजी से प्रतिक्रिया दे रहा है।इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी आईईए ने एक और चिंता बढ़ा दी है। एजेंसी का कहना है कि इस साल वैश्विक तेल की मांग घट सकती है। अगर ऐसा हुआ, तब यह 2020 के बाद पहली बार होगा। ऊंची कीमतों ने खपत को दबा दिया है और अब इसका असर साफ दिख रहा है। उधर अमेरिका से आई खबर ने भी बाजार को झटका दिया। कच्चे तेल का भंडार 6.1 मिलियन बैरल बढ़ गया है। यह लगातार आठवां हफ्ता है जब स्टॉक बढ़ा है। यानी बाजार में तेल की कोई कमी नहीं है, बल्कि सप्लाई जरूरत से ज्यादा है। यही कारण है कि कीमतों पर दबाव बना हुआ है।वहीं कुछ दिन पहले बिल्कुल अलग तस्वीर सामने थी। सोमवार को तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार निकल गई थीं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बेनतीजा रही और तनाव अचानक बढ़ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख दिखाकर होरमुज क्षेत्र में कार्रवाई की बात कही। बस फिर क्या था, बाजार में डर की लहर दौड़ गई और कीमतें तेजी से उछल गईं। हाल के महीनों में तेल की कीमतों ने कई बार चौंकाया है। मार्च में ब्रेंट क्रूड 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि यह अभी भी 2008 के 147 डॉलर के रिकॉर्ड से नीचे है, लेकिन बाजार की तेजी और गिरावट दोनों ही यह दिखा रही हैं कि हालात कितने अस्थिर हैं।

भारत के फार्मा मार्केट में किंग बनी डॉ. रेड्डीज..दूसरे पायदान पर सन फार्मा

भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की

मुंबई, ।

भारत का दवा बाजार फिर मजबूती के साथ आगे बढ़ता दिख रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में भारतीय फार्मा मार्केट ने सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। पूरे वित्त वर्ष 2026 में यह ग्रोथ 9.9 प्रतिशत रही, जबकि चौथी तिमाही में बाजार ने 11.6 प्रतिशत की तेज रफ्तार पकड़ी। कुल मिलाकर बाजार का आकार करीब 211 अरब रुपए तक पहुंच गया, जो इस सेक्टर की मजबूत स्थिति को दिखाता है। इस ग्रोथ के पीछे सबसे बड़ा हाथ उन दवाओं का हैं, जो लंबी बीमारियों के इलाज में काम आती हैं। क्रॉनिक थैरेपी की दवाएं मार्च में करीब 14 प्रतिशत बढ़ीं। इसके मुकाबले एक्यूट बीमारियों की दवाएं सिर्फ 8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी। खासकर एंटी-इंफेक्टिव और सांस से जुड़ी दवाओं की कमजोर मांग ने दवा सेंगमेंट को पीछे खींच लिया। बाजार का बड़ा हिस्सा अभी भी एक्यूट दवाओं का है, लेकिन उनकी धीमी चाल अब साफ नजर आने लगी है।दिलचस्प बात यह है कि बाजार की कमाई बढ़ने के बावजूद दवाओं की असली मांग में गिरावट देखी गई। कंपनियों ने कीमतें बढ़ाईं और लगातार नई दवाएं लांच कीं, जिससे कुल रेवेन्यू में इजाफा हुआ। लेकिन वॉल्यूम के लिहाज से बिक्री 0.2 प्रतिशत घट गई। यानी लोग दवाएं कम खरीद रहे हैं, पर महंगी दवाओं और नए प्रोडक्ट्स की वजह से कंपनियों की कमाई बढ़ रही है। मार्च 2026 में बाजार में एक बड़ा मोड़ आया जब सेमाग्लूटाइड की जेनेरिक दवाएं लांच हुईं। ये वहीं दवा है जो डायबिटीज और वजन घटाने के इलाज में इस्तेमाल होती है। हैरानी की बात यह हैं कि लांच के सिर्फ 11 दिनों के भीतर ही इन सस्ती दवाओं ने नोवो नॉर्डिस्क जैसी बड़ी कंपनी की ब्रांडेड दवाओं को पीछे छोड़ दिया। जीएलपी-1 सेगमेंट की कुल बिक्री करीब 2.1 अरब रुपये तक पहुंच गई और पूरे बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी।थैरपी के हिसाब से कैंसर की दवाओं ने सबसे तेज रफ्तार दिखाई और करीब 28 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। दिल से जुड़ी दवाएं 15 प्रतिशत और डायबिटीज की दवाएं 14 प्रतिशत बढ़ीं। दूसरी तरफ, सांस और इंफेक्शन से जुड़ी दवाएं कमजोर रहीं और इनकी ग्रोथ काफी सीमित रही। यह साफ संकेत है कि भारत में अब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।टॉप 20 फार्मा कंपनियों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। डॉ. रेड्डीज ने सबसे तेज दौड़ लगाई और करीब 18 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। सन फार्मा भी करीब 15 प्रतिशत की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में रही। ल्यूपिन, अजंता, ग्लेनमार्क, मैनकाइंड और टोरेंट जैसी कंपनियां भी बाजार से तेज बढ़ती दिखीं। हालांकि एलेम्बिक का प्रदर्शन कमजोर रहा और उसकी बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। मल्टीनेशनल कंपनियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया और उनकी बिक्री करीब 14 प्रतिशत बढ़ी।

महंगाई फिलहाल काबू में, 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है

-रिपोट मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, अब दबाव बनना शुरू

नई दिल्ली, ।

ईरान युद्ध के चलते देश में महंगाई फिलहाल काबू में नजर आ रही है, लेकिन इसके पीछे छिपे संकेत चिंता बढ़ा रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, जो अभी आरामदायक स्तर पर है, लेकिन धीरे-धीरे दबाव बनना शुरू हो गया है। मार्च में गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, खासकर एलपीजी सिलेंडर महंगा हुआ। इसके बावजूद इसका असर आम लोगों तक नहीं पहुंचा, जिससे महंगाई ज्यादा नहीं बढ़ी, लेकिन यह राहत कितने समय तक रहेगी, यह बड़ा सवाल है।रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन महंगाई तेजी से बढ़कर 1.7 फीसदी हो गई, जो फरवरी में करीब ना के बराबर थी। एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने का इसमें बड़ा योगदान रहा। वहीं, खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़कर 3.7 फीसदी तक पहुंच गई, जिससे आम आदमी की जेब पर असर पड़ सकता है। खाने और ईंधन को छोड़कर बाकी चीजों की कीमतों में थोड़ी राहत जरूर दिखी और कोर महंगाई घटकर 3.3 फीसदी हो गई। सोने और चांदी की कीमतों में नरमी इसका कारण रही, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक टिकेगी या नहीं, इस पर सबकी नजर है।एक निजी बैंक का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में महंगाई औसतन 4.9 फीसदी तक पहुंच सकती है यानी अभी जो स्थिति शांत दिख रही है, वह आगे चलकर गर्म हो सकती है। खासकर अगर तेल की कीमतें बढ़ती रहीं, तो असर और तेज हो सकता है। रिपोर्ट में एक और बड़ा खतरा सामने आया है। मौसम विभाग ने इस बार मानसून सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया है। अगर ऐसा हुआ, तो फसल पर असर पड़ेगा और खाने-पीने की चीजों के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। फिलहाल रिजर्व बैंक के रुख में बदलाव की उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, रेपो रेट 5.25 फीसदी पर ही बनी रह सकती है यानी अभी केंद्रीय बैंक स्थिति को देखना चाहता है, बिना जल्दबाजी में कोई फैसला लिए। महंगाई के आंकड़ों का बॉन्ड बाजार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड करीब 6.94 फीसदी के आसपास बनी रही, जो यह दिखाता है कि बाजार ने फिलहाल इन आंकड़ों को स्थिर माना है।

अक्षय तृतीया पर सोने की चमक नहीं पड़ेगी फीकी, गिरावट से बढ़ी खरीदारी

ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, ।

अक्षय तृतीया पर भी बाजार में सोने की चमक फीकी पड़ती नहीं दिख रही। त्योहार से पहले ही सोने के गहनों और सिक्कों की मांग बढ़ रही है। ज्वेलरी कारोबारियों के मुताबिक ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी देखने को मिल रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के दौरान सोने की कीमतों में तेज हैं, लेकिन हाल में आई थोड़ी गिरावट ने ग्राहकों की खरीदारी को फिर से बढ़ावा दिया है।बाजार के जानकारों का कहना है कि इस अक्षय तृतीया पर बिक्री में दहाई अंकों की मजबूत बढ़त देखने को मिल सकती है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के बीच दो तरह का ट्रेंड साफ दिख रहा है। एक तरफ बड़ी संख्या में लोग हल्के और किफायती गहनों की खरीद कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हाई स्पेंडिंग वाले ग्राहक महंगे और प्रीमियम ज्वेलरी जैसे सोलिटेयर सेट में निवेश कर रहे हैं। इसके अलावा इस बार त्योहार रविवार को पड़ रहा है, जिससे वीकेंड का फायदा भी बाजार को मिल सकता है और बिक्री को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। कल्याण ज्वेलर्स के एमडी के मुताबिक इस बार अक्षय तृतीया रविवार और सोमवार को पड़ रही है, जिससे खरीदारी का समय भी ज्यादा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पहले से ही बड़ी संख्या में प्री-बुकिंग हो चुकी है और शोरूम में रोजाना ग्राहकों की पूछताछ बढ़ रही है। खासतौर पर ब्राइडल ज्वेलरी और पारंपरिक शगुन के गहनों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। कंपनी ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी भी की है, जिसका फायदा सोने के सिक्कों की बिक्री में दिख रहा है। शगुन के लिए गोल्ड कॉइन हमेशा पसंद किए जाते हैं और अब स्विगी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की वजह से लोग आखिरी समय में भी आसानी से खरीदारी कर पा रहे हैं।वहीं दूसरी ओर मॉल्स और रिटेल बाजारों में भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। नेक्सस सिलेक्ट मॉल्स के ऑपरेशंस हेड ने बताया कि अक्षय तृतीया पर हर साल ज्वेलरी की डिमांड बढ़ती है और इस बार भी यही ट्रेंड देखने को मिल रहा है। सोने की कीमतें ऊंची होने के बावजूद लोगों की खरीदारी की इच्छा कमजोर नहीं पड़ी है। ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मॉल्स में खास ज्वेलरी जोन भी तैयार किए गए हैं। अब यह त्योहार सिर्फ सोना खरीदने तक सीमित नहीं रह गया है। शादी के सीजन के लिए भी ग्राहकों की दिलचस्पी अभी से दिखने लगी है। खास बात यह है कि पुरुषों की ज्वेलरी की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। कुल मिलाकर कंपनी को पिछले साल की तुलना में इस समय 15 से 20 फीसदी तक की ग्रोथ दिख रही है। डिमांड को और बढ़ाने के लिए ज्वेलरी कंपनियां ग्राहकों को आकर्षक ऑफर्स भी दे रही हैं। फेस्टिव ऑफर के तहत मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट और डायमंड की कीमत पर अतिरिक्त 15 फीसदी की फ्लैट छूट दी है। वहीं कल्याण ज्वेलर्स भी मेकिंग चार्ज पर 50 फीसदी तक की छूट दे रही है।इसी तरह इंडिया के सीईओ ने बताया कि 'बड़ा शगुन, बड़े ऑफर्स' अभियान के तहत ग्राहकों को मेकिंग चार्ज और डायमंड वैल्यू पर 35 फीसदी तक का फायदा मिल रहा है।

साथ ही डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन स्कीम में ग्राहक 25 फीसदी एडवांस देकर बुकिंग के समय और खरीद के समय के बीच कम कीमत वाले गोल्ड रेट का फायदा उठा सकते हैं।

तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोत्तरी...मार्च में मंहगाई बढ़ी

नई दिल्ली, ।

भारत में थोक कीमतें मार्च माह में सालाना आधार पर 3.88 प्रतिशत बढ़ गईं, जो तीन साल से ज्यादा समय में सबसे तेज बढ़ोतरी है। मोदी सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मार्च में महंगाई बढ़ी है। यह आंकड़ा फरवरी के 2.13 प्रतिशत से ज्यादा है और अर्थशास्त्रियों के 3.04 प्रतिशत के अनुमान से भी ऊपर रहा। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बीते महीने 2.13 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल मार्च में यह 2.25 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से कच्चे पेट्रोलियम और नैचुरल गैस, अन्य मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों, गैर-खाद्य वस्तुओं, बेसिक मेटल्स और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रही है।डब्ल्यूपीआई के आंकड़ों के अनुसार, ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई फरवरी के -3.78 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 1.05 प्रतिशत हो गई। कच्चे पेट्रोलियम में महंगाई मार्च में तेजी से बढ़कर 51.57 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में इसमें 1.29 प्रतिशत की गिरावट थी। मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों में महंगाई मार्च में बढ़कर 3.39 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 2.92 प्रतिशत थी। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ कम हुई और यह मार्च में 1.90 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 2.19 प्रतिशत थी। सब्जियों के मामले में महंगाई मार्च में घटकर 1.45 प्रतिशत रह गई, जबकि फरवरी में यह 4.73 प्रतिशत थी।अमेरिका-ईरान जंग के बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट के चलते वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोत्तरी हुई है। जंग के शुरु होने के बाद से कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। मोदी सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, ताकि तेल कंपनियां बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों का बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर न डालें।खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में तेजी के कारण देश में खुदरा महंगाई दर मार्च में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 3.21 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों से यह पता चलता है। मार्च में आए आंकड़े अद्यतन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला के तीसरे आंकड़े हैं। अगर एनएसओ द्वारा जारी पिछली श्रृंखला के आंकड़ों से तुलना की जाए तो महंगाई दर 13 महीने के उच्च स्तर पर है। इलके पहले मार्च 2025 में महंगाई दर इससे अधिक 3.56 प्रतिशत पर थी।

देश में गर्मी बढ़ी पर बिजली की मांग नहीं? खपत में सुस्ती, कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में

-मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है

नई दिल्ली, ।

देश में गर्मी का असर तेज होता जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि बिजली की मांग उसी रफ्तार से नहीं बढ़ रही। एक ताजा रिपोर्ट ने पावर सेक्टर की एक चिंताजनक तस्वीर सामने रखी है, जहां खपत में सुस्ती है और कंपनियों का प्रदर्शन दबाव में है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में बिजली की मांग में केवल 1.9 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि मार्च 2026 में यह बढ़त सिर्फ 0.7 फीसदी रही। पूरे साल में मांग करीब स्थिर रही और इसमें सिर्फ 0.8 फीसदी की मामूली बढ़त दर्ज की गई।रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक चले मानसून और गर्मी की धीमी शुरुआत ने मांग को प्रभावित किया। इसके अलावा औद्योगिक गतिविधियों में कमजोरी भी एक बड़ा कारण रही। हालांकि अधिकतम बिजली मांग बढ़कर करीब 245 गीगावॉट तक पहुंच उपयोग कम रहा। मार्च 2026 में पीएलएफ करीब 70 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 73.4 फीसदी से कम है। एनटीपीसी और टाटा पावर जैसी कंपनियों के प्रदर्शन पर असर पड़ा है। एनटीपीसी का पीएलएफ घटकर करीब 76.7 फीसदी रह गया, जबकि टाटा पावर का करीब 63 फीसदी रहा। इसके चलते कंपनियों के मुनाफे में सीमित बढ़त की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आईईएक्स पर बिजली का कारोबार मार्च 2026 में 23.5 फीसदी बढ़ा। सौर ऊर्जा के समय कीमतें घटकर करीब 3.3 रुपए प्रति यूनिट रहीं, जबकि अन्य समय में यह बढ़कर करीब 5.3 रुपए प्रति यूनिट तक पहुंच गईं। वहीं, नवीकरणीय ऊर्जा में तेजी जारी है और करीब 368 गीगावॉट की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। रिपोर्ट में इस सेक्टर में निवेश के लिए सीईएससी और एनटीपीसी को अपने टॉप पिक्स बताया है। कंपनी का मानना है कि इन कंपनियों का प्रदर्शन बाकी के

मिल गया 565 करोड़ रुपये का आर्डर.. तूफान की तरह दौड़ पड़ा सरकारी कंपनी का शेयर

मुंबई, ।

रेलवे सेक्टर की सरकारी कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में 13 प्रतिशत तक चढ़ गए। यह शेयर में जुलाई 2024 के बाद की सबसे बड़ी एक दिन की बढ़त है।

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया कि रेल विकास निगम (आरवीएनएल) से 565 करोड़ रुपये के दो लेटर ऑफ अवॉर्ड मिले हैं। यह ऑर्डर रेलवे सुरंगों में व्यापक और एकीकृत संचार सिस्टम की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग (एसआईटीसी) से जुड़ा है। इसके अलावा, कंपनी को यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोमोशन बोर्ड से 44 करोड रुपये का एक और वर्क ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर भर्ती परीक्षाओं के लिए सुरक्षा से जुड़ी सहायक सेवाओं से संबंधित है। इस बीच, रेलटेल ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति से आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की खरीद और रखरखाव के लिए 17.12 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर मिला था। हालांकि, कंपनी ने कहा कि सेबी (लिस्टिंग ऑब्लिगेशन और डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स) नियम, 2015 के तहत दी गई जानकारी के अनुसार, अपरिहार्य प्रशासनिक कारणों के चलते ग्राहक ने इस वर्क ऑर्डर को रद्द कर दिया है।ये खबर आते ही रेलटेल के शेयरों में बुधवार को भारी वॉल्यूम के साथ कारोबार हुआ। ट्रेडिंग के पहले 60 मिनट में ही 1.5 करोड़ से ज्यादा शेयरों में सौदे हुए, जो 20 दिन के औसत 4.2 लाख शेयरों से काफी ज्यादा

है। दोपहर 12ः22 बजे रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर बीएसई पर 13.94 फीसदी चढ़कर 324.10 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले एक महीने में यह शेयर करीब 16 प्रतिशत चढ़ चुके है। हालांकि 2026 में अब तक इसमें करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। तीन महीने में शेयर में 8 फीसदी और छह महीने में 13.13 फीसदी की गिरावट आई है। एक साल में स्टॉक ने 5.53 फीसदी का रिटर्न दिया है।

गौतम गंभीर को हटाया तो.., मुनाफ पटेल ने दी कड़ी चेतावनी, रोहित-कोहली को लेकर भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने कई नई उपलब्धियों को छुआ है। लेकिन कुछ रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने बीसीसीआई से अपने कार्यकाल को 2028 के टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल उनका कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक ही सीमित है। इसी बीच कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि बोर्ड उन्हें हटा सकता है। जिस पर पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

टीओआई से बातचीत में भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने गंभीर का जोरदार समर्थन किया और चेतावनी दी कि उन्हें हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है। उन्होंने कहा है कि गंभीर शायद ड्रेसिंग रूम में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। अगर किसी बड़े से बड़े खिलाड़ी का प्रदर्शन गिरता है, तो उसे टीम से बाहर करने का भी उनमें साहस है। बस ये याद रखना अगर गौतम गंभीर जैसे हेड कोच को हटा दिया जाता है तो खिलाड़ियों को संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह एक सच्चे इंसान हैं, वह सच को सच कहते हैं और बहुत से लोगों को ये पसंद नहीं आता। हर कोई जानता है कि अगर चीजें पटरी से उतर जाती हैं तो उनमें उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने की हिम्मत है।

ऑस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद रोहित और कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया तो दोनों और गंभीर के बीच तनाव की खबरें सामने आई। 2025 में वनडे सेटअप में भी कुछ ठीक नहीं था जब इस फॉर्मेट में उनकी वापसी के समय गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 2027 वर्ल्ड कप की योजनाओं में उनकी जगह की पुष्टि करने से परहेज किया।

मुनाफ ने कहा कि खिलाड़ियों को संभालना सबसे जरूरी चीज है और ये आसान नहीं है। विराट कोहली जैसे किसी खिलाड़ी को ना कहकर देखो। रोहित शर्मा को ना कहकर देखो। मुझे बताओ देश को कोचिंग देने के लिए गंभीर कितने लोगों को अपना दुश्मन बना रहे हैं? इन सब बातों के बावजूद, गंभीर ने एक व्हाइट-बॉल कोच के तौर पर बेहतरीन काम किया है और भारत को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 टी20 वर्ल्ड कप में खिताब दिलाए हैं।

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना हुआ है।

तीन बार के यूरोपीय चैंपियन एक्सेलसन ने 'बैडमिंटन यूरोप' से कहा, 'जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया।' उन्होंने कहा, 'दर्द के कारण मैं खेल नहीं पा रहा हूं और अभ्यास भी नहीं कर पा रहा हूं। इस कारण मुझे यह बेहद मुश्किल फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

एक्सलसेन 183 सप्ताह तक विश्व में नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं और वह इस मामले में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि दर्द कम न होने और डॉक्टरों का खेल जारी रखने पर एक और सर्जरी की चेतावनी दिए जाने के बाद आखिर में उन्हें अपने शरीर की बात सुननी पड़ी। मिलनसार स्वभाव का यह खिलाड़ी अपने पूरे करियर में अस्थमा से जूझता रहा है। उन्होंने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार स्वर्ण पदक जीते तथा 2017 और 2022 विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह यूरोपीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली डेनमार्क की छह टीमों का भी हिस्सा रहे।

उन्होंने कहा, 'मैंने यह फैसला चिकित्सकों से परामर्श करने के बाद लिया है। उनका कहना है कि मुझे अभी जो दर्द हो रहा है, उसके लिए शायद एक और सर्जरी करवानी पड़े। अगर सर्जरी सफल नहीं रही तो इससे भी गंभीर प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है। मेरा शरीर मुझे रुकने का संकेत दे रहा है और मुझे अपने डॉक्टरों की सलाह माननी होगी।' एक्सलसेन अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच अक्टूबर 2025 में डेनमार्क ओपन में खेला था।

धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उपयोग करे सीएसके : मैक्लेनेघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मिशेल मैक्लेनेघन ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी का फिट होना चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के लिए राहत की बात है पर उनका उपयोग सावधानी से करना होगा। मैक्लेनेघन ने कहा है कि धोनी को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया जाना चाहिये। जिससे उन्हें अधिक दौड़-भाग न करनी पड़े। धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी शुरु कर दी है। उन्होंने हालांकि थ्रोडाउन गेंदों का ही सामना किया। वह अभी पूरी रफ्तार से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं।

मैक्लेनेघन ने कहा, अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में उतारना चाहिये। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें धोनी से तेजी से कुछ रन चाहिए, खासकर जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर लाने से वे उनकी बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें ज्यादा दौड़-भाग करने की जरूरत नहीं रहेगी। धोनी सीएसके के लिए इस सत्र में अबतक नहीं उतरे पाये हैं। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर वह कुछ ही ओवरों में मैच बदल सकते हैं। बड़े स्कोर का पीछा करते समय सीएसकेके लिए उनकी आक्रामक बल्लेबाजी क्षमता लाभप्रद रहेगी। इसलिए मेरा मानना है कि धोनी को फिर से लय में लाने का ये सबसे बेहतर तरीका है। इससे उनकी फिटनेस को लेकर भी कोई खतरा नहीं रहेगा।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3-30 बजे शुरू होगा।

वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7-30 बजे से शुरु होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनो ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

ग्रीन और रिंकू के खराब प्रदर्शन से हार रही केकेआर

चेन्नई । अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिल हार के साथ ही उसे एक और झटका लगा है। टीम अभी तक के अपने पांच में से चार मैच हारी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नीं हो पाया है। टीम की इस हार का एक कारण कैमरन ग्रीन और उपकप्तान रिंकू सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन भी रहा है। अब तक के मैचों में इन दोनों के प्रदर्शन को देखा जाए तो ये दोनो ही टीम पर बोझ बने हुए हैं। ग्रीन और रिंकू सिंह जिस प्रकार के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, वह अब तक नहीं दिखा है। 25.20 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदे गये ग्रीन अब तक बल्लेबाजी और और गेंदबाजी में विफल रहे हैं। वहीं रिंकू भी इस सत्र में विफल रहे हैं। ग्रीन अब तक खेले 5 मुकाबलों में कुल 56 रन ही बना पाये हैं, जबकि शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी न करने के बाद पिछले दो मैचों में उन्होंने केवव एक ही विकेट लिया है। वहीं मध्य के ओवरों में उनसे आक्रामक पारी की उम्मीद रहती है। सीएसके के खिलाफ भी वह रन नहीं बना पाये थे। वहीं रिंकू को इस बार उपकप्तान बनाया गया पर वह अब तक अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। केवल मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ही वह रन बन पाये। इसके बाद दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड ने पापुआ न्यू गिनी को 1-0 से हराकर महिला विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ऑकलैंड। न्यूजीलेंड ने ओसियाना महासंघ क्वालीफाइंग सीरीज में बुधवार को यहां पापुआ न्यू गिनी (PNG) को 1-0 से हराकर ब्राजील में अगले महीने होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। संडरलैंड की मिडफील्डर केटी किचिंग ने मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में किया और न्यूजीलैंड को सातवीं बार महिला विश्व कप में जगह दिलाई। इस हार के बावजूद पीएनजी का अभियान खत्म नहीं हुआ है और टीम के पास नवंबर या दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए निर्धारित समय) के दौरान अंतर महाद्वीपीय प्ले ऑफ के जरिए विश्व कप में जगह बनाने का मौका होगा। न्यूजीलैंड ने मैच के दौरान गोल करने के कई मौके गंवाए लेकिन अंततः टीम दूसरे हाफ में किचिंग के गोल की बदौलत जीत दर्ज करने में सफल रही।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

पीएसजी ने एंफील्ड में लिवरपूल को हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

लिवरपूल (एजेंसी)। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एंफील्ड में लिवरपूल को 2-0 से हराकर यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ पीएसजी ने दो मैचों के कुल स्कोर में 4-0 से मुकाबला अपने नाम किया।

डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी अब लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है। अगर वह ऐसा करने में सफल रहता है, तो आधुनिक दौर में रियल मैड्रिड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा क्लब बन जाएगा।

मैच में बैलन डी'ऑर विजेता उस्मान डेम्बेले ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर लिवरपूल की वापसी की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। उनका पहला गोल 72वें मिनट में आया, जब उन्होंने बॉक्स के बाहर से सटीक शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। इसके बाद इंजरी टाइम में उन्होंने दूसरा गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिके ने मैच के बाद कहा, 'चैंपियंस लीग खिताब बचाना आसान नहीं होता, लेकिन हम फिर से यहां हैं और हमें इस मौके का पूरा फायदा उठाना होगा।'

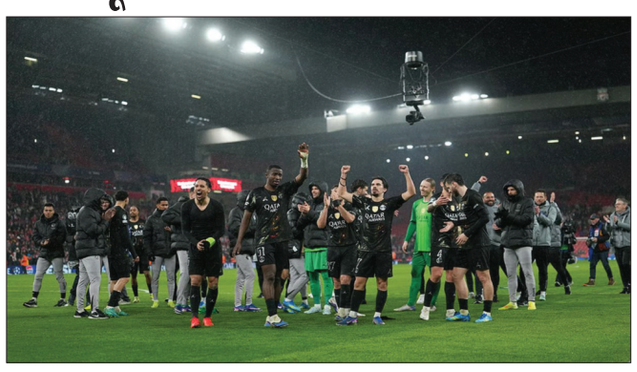

इस जीत के साथ पीएसजी का सामना अब सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख या रियल मैड्रिड में से किसी एक टीम से होगा।

लिवरपूल ने मुकाबले में वापसी की कोशिश जरूर की। पहले हाफ में वर्जिल वैन डाइक का आसान मौका पीएसजी के कप्तान मार्किन्होस के शानदार बचाव के कारण गोल में नहीं बदल सका।

दूसरे हाफ में लिवरपूल को पेनल्टी का मौका भी मिला, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर के खिलाफ फाउल दिया गया, लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद रेफरी ने अपना फैसला बदल दिया, जिससे घरेलू टीम की उम्मीदों को झटका लगा।

लिवरपूल के कोच आर्ने स्लॉट ने कहा, 'हम निराश हैं, क्योंकि दूसरे हाफ में ऐसा लग रहा था कि अगर हम एक गोल कर देते, तो मैच का रुख बदल सकता था। लेकिन हमारी टीम का भविष्य उज्ज्वल है और हमने दिखाया है कि हम यूरोप के चैंपियन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।'

पीएसजी ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस समय यूरोप की सबसे मजबूत टीमों में से एक है और अब उसकी नजरें लगातार दूसरे खिताब पर टिकी हैं।

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख का जुर्माना

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नंबर 22 में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह इस सीजन में उनकी टीम का पहला उल्लंघन था, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है। इसी कारण रहाणे पर यह जुर्माना लगाया गया। यह मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया, डीजिसमें कोलकाता को 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाए। जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी और लक्ष्य से पीछे रह गई। इस तरह एक ओर जहां कोलकाता को हार झेलनी पड़ी, वहीं धीमी ओवर गति के कारण कप्तान अजिंक्य रहाणे पर जुर्माना भी लगाया गया।

फिडे कैंडिडेट्स 2026: सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब, 50 मैचों की अजेय लय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया। मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.d4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने डी-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा ने मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला, वेई ई ने आंद्रेई एसिपेंको को हराया, जबकि आर. प्रज्ञानानंदा और फैबियानो कारुआना के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। सिंदारोव के इस प्रदर्शन ने उन्हें विश्व शतरंज के सबसे बड़े मंच पर पहुंचा दिया है और अब सभी की नजरें उनके और डी. गुकेश के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं।

शेन वार्न के बेटे का आरोप, कोविड टीकों से हुई उसकी पिता की मौत

सिडनी । दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न की मौत के चार साल बाद, उनके बेटे जैक्सन वार्न ने एक हैरान करने वाला खुलास किया है। जैक्सन का मानना है कि उनके पिता की अचानक हुई मौत का कारा कोविड-19 टीके रहे होंगे। वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था, उस समय उनकी आयु 52 वर्ष थी।

जैक्सन ने अपने पिता के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ समस्याओं को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कोविड टीकों को उनकी मौत का संभावित कारण बताया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, 'मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड टीके का प्रभाव रहा है। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा।' जैक्सन ने साथ ही कहा, 'भले ही उनके पिता को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, पर मेरा मानना है किटीका लगाने के कारण उनकी बीमारी बढ़ गयी थी। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं।' जैक्सन ने भावनात्मक रूप से बताया कि जब उन्हें पिता की मौत की खबर मिली, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्होंने तुरंत सरकार और कोविड टीकों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि मैंने तुरंत सरकार को दोषी ठहराया। मैंने तुरंत कोविड और टीके को दोषी ठहराया।' जैक्सन ने बताया कि उन्होंने शोक सभा में अपने इन विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था। उन्होंने इसे एक समझदारी भरा कदम बताया, अन्यथा उनकी स्थिति बिल्कुल अलग होती। वार्न ने कथित तौर पर तीन या चार कोविड टीके लगवाए थे। जैक्सन के अनुसार, उनके पिता टीका नहीं लगवाना चाहते थे, लेकिन अन्य लोगों की तरह काम करने के लिए उन्हें मजबूरन इन्हें लेना पड़ा। जैक्सन ने कहा कि वह इस बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाहते क्योंकि इससे केवल गुस्सा बढ़ता है, जो किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता। अपने पिता की जीवनशैली के बारे में जैक्सन ने कहा कि धूम्रपान और शराब पीने के बावजूद, वह अपेक्षाकृत स्वस्थ और खुश थे। उन्होंने बताया, 'उस समय डैड स्वस्थ थे, खुश थे। वे काफी समय बाद इतने अच्छे दिख रहे थे। वह जरूर धूम्रपान करते थे और शराब पीते थे, लेकिन 80 और 90 वर्ष की उम्र के कई लोग भी उनकी तुलना में कहीं अधिक धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं।' गौरतलब है कि वार्न निधन से कुछ महीने पहले कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे पर किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं थे।

आईपीएल डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले 11 वे गेंदबाज हैं गुरजपनीत

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने डेब्यू पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। गुरजपनीत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को आउट करने के साथ ही पहले ही मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले आईपीएल इतिहास के 11 वें गेंदबाज बन गये हैं। गुरजपनीत से पहले 10 गेंदबाज इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा थे। आईपीएल में सबसे पहले ये कारनामा ईशांत शर्मा ने किया था। ईशांत ने साल 2008 में कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गये पहले ही मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था। तब ईशांत ने बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्लीन बोल्ड किया था। ईशांत का यह मैच में एकमात्र विकेट थ। . उन्होंने इस मैच में तीन ओवर में केवल 7 रन दिए थे। साल 2008 में खेले गए आईपीएल के पहले सीजन में केकेआर ने ईशांत को 3.81 करोड़ रुपये में खरीदा था।

वहीं वर्तमान आईपीएल सत्र में ईशांत गुजरात टाइटंस में शामिल हैं पर उन्हें अंतिम ग-11 में जगह नहीं मिली है। उन्हें पिछले सत्र की नीलामी में खरीदने के बाद गुजरात ने रिटेन किया था। ईशांत शर्मा को आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव है। उनके नाम 117 मैचों में 96 विकेट हैं। ईशांत ने सात अलग-अलग टीमों से आईपीएल खेले हैं। आईपीएल डेब्यू में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में ईशांत के अलावा विल्किन मोटा और एस विद्युत व रवि तेजा ने भी साल 2008 में पहली ही गेंद पर विकेट लिए थे। वहीं साल 2009 में शेन हारवुड, अमित सिंह, चार्ल लैंगवेल्ट, केविन पीटरसन ने ये रिकार्ड बनाया था। साल 2010 में केवल अली मुर्तजा

ने ही पहली गेंद पर विकेट लिया था। साल 2012 में टीपी सुधींद्र, 2013 में एडम गिलक्रिस्ट व हनूम बिहारी, 2019 में अल्जारी जोसेफ जबकि 2022 में डेवाल्ट ब्रिविस, 2022 में मथीसा पथिराना व 2025 में अश्विनी कुमार ने पहले ही मैच में विकेट लिए थे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

आमिर खान प्रोडक्शंस की 'एक दिन' से साई पल्लवी कर रही हैं अपना बॉलीवुड डेब्यू, परफॉर्मेंस में देखने मिलेगा रॉ केमिस्ट्री' और इमोशंस का जादू

साई पल्लवी की हिंदी डेब्यू फिल्म एक दिन में देखने मिलेगी उनकी इमोशनल डेप्थ और रॉ केमिस्ट्री की झलक

जब से साई पल्लवी और जुनैद खान स्टारर एक दिन का ट्रेलर और गाने रिलीज़ हुए हैं, आमिर खान प्रोडक्शंस की इस फिल्म ने जबरदस्त बज क्रिएट कर दिया है।
अरिजीत सिंह की रूहानी आवाज़ ने फिल्म के संगीत में जो जान फूंकी है, उसने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है।
आमिर खान प्रोडक्शंस की एक दिन, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान नज़र आने वाले हैं, एक प्यारी, जादुई और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है जिसने पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है। अपने दिलचस्प ट्रेलर और सुकून देने वाले संगीत के साथ, फिल्म ने उत्साह को और बढ़ा दिया है, जो रोमांस का एक ऐसा ताज़ा अंदाज़ पेश करती है जिसे कई लोग बड़े पर्दे पर मिस कर रहे थे।
फैंस विशेष रूप से साई पल्लवी को एक दिन के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखते देखने के लिए उत्साहित हैं। रिलीज़ से पहले, इंडस्ट्री के एक सूत्र ने स्क्रिप्ट पर साई के रिएक्शन और फिल्म की गहरी केमिस्ट्री और इमोशनल गहराई के बारे में खुलासा किया है।
इंडस्ट्री के सूत्र ने बताया, 'जब से साई ने एक दिन की स्क्रिप्ट सुनी, उनका रिएक्शन तुरंत 'हाँ' था, वह पूरी तरह से इसकी ओर खिंची चली आईं। वह फिल्म की रॉ केमिस्ट्री और इमोशनल गहराई से गहराई से जुड़ गईं, और उन्हें लगा कि यह एक ऐसी कहानी है जो वास्तव में सबसे अलग है!'
ट्रेलर में उनके किरदार की झलक देखने को मिली, जिसमें साई पल्लवी, जुनैद के किरदार के विपरीत काफी शांत और आत्मविश्वासी नज़र आ रही हैं। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और नैचुरल परफॉरमेंस साफ तौर पर बताती है कि वह क्यों साउथ की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं और अब हिंदी सिनेमा में अपनी छाप छोड़ रही हैं।
एक दिन एक लंबे अंतराल के बाद आमिर खान और फिल्म निर्माता मंसूर खान को फिर से साथ लाती है, जो हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक है। साथ मिलकर, उन्होंने दर्शकों को 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी यादगार फिल्में दी हैं। एक दिन के साथ, यह जोड़ी रोमांस जॉनर में वापसी कर रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है। उनके एक बार फिर साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को बड़े पर्दे पर फिर से देखने के लिए बेताब हैं।
आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और निर्माण आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित द्वारा किया गया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

साउथ में मिले प्यार पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने की बात

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने करियर और आगामी प्रोजेक्ट पर बात की। इसी के साथ उन्होंने उन खास अवसरों को लेकर भी चर्चा की, जो हाल के दिनों में फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को मिले हैं। बातचीत में तमन्ना ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर खुशी जाहिर की और कहा, 'मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स के एक-एक करके रिलीज होने को लेकर बेहद खुश हूं'।

तमन्ना भाटिया ने इंडस्ट्री में खुद को मिलने वाले काम के मौकों के प्रति खुशी जताई। साथ ही कहा कि अधिकांश सितारों को ऐसे मौके नहीं मिलते, खासकर महिलाओं को। तमन्ना ने कहा, 'यह बहुत दिलचस्प है। ज्यादातर कलाकारों को और शायद खासकर महिला कलाकारों को इस तरह का मौका नहीं मिलता। मेरे करियर को 21 साल हो चुके हैं, लेकिन मुझे अब भी ऐसा लगता है जैसे मैं फिर से बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत कर रही हूं'।
अभिनेत्री ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में मिले बेशुमार प्यार और स्वीकार्यता पर अपनी बेहद खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मुझे भी इसमें एक ताजगी का एहसास होता है। और, मुझे लगता है कि दर्शक भी लगातार मेरे प्रति बहुत प्यार और अपनापन दिखा रहे हैं। उन्होंने मुझे सचमुच बहुत ही प्यार से अपनाया है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि भारत के साउथ में मुझे बहुत ज्यादा स्वीकार्यता मिली है'।

तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म

तमन्ना ने आगे कहा, 'भारत के बाकी सभी हिस्सों से भी मुझे जिस तरह का प्यार और अपनापन मिल रहा है, वह मेरे लिए सचमुच रोमांचक है। साथ ही बहुत विनम्र कर देने वाला अनुभव है। और इसलिए, मैं लगातार ऐसे तरीके ढूंढ रही हूं, जिनसे मैं इस प्यार को किसी न किसी रूप में वापस लौटा सकूं'। वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार की फिल्म 'वीवन' में नजर आएंगी। एकता कपूर द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा भी हैं। यह फिल्म इस साल रक्षाबंधन के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आदिवी शेष ने की अपनी को-एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर की तारीफ

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर तेलुगु-हिंदी फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में हैं। अब आदिवी शेष ने मृणाल की जमकर तारीफ की है और उन्हें फिल्म के लिए सबसे अच्छी चीजों में से एक बताया है। हालांकि, मृणाल की फिल्म में एंट्री एक अन्य एक्ट्रेस के फिल्म से बाहर होने के बाद हुई है।
बातचीत के दौरान आदिवी शेष ने मृणाल ठाकुर की तारीफ करते हुए कहा कि मैंने आज तक जितने भी लोगों से मुलाकात की है, उनमें से वह सबसे ज्यादा जमीन से जुड़ी हुई हैं। जब भी हम सीन पर चर्चा करते थे, वह सचमुच जमीन पर बैठ जाती थीं। वह एक बेहद खूबसूरत अभिनेत्री हैं और मुझे लगा कि उन्होंने जो कुछ भी किया, वह कमाल का था। उनकी आंखों में जो सहानुभूति और भाव झलकते हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। स्क्रीन पर उन्हें देखते ही लोगों के साथ एक झटपट जुड़ाव महसूस होता है।
शूटिंग के शुरुआती दिनों को याद करते हुए आदिवी शेष ने कहा कि पहले कुछ दिनों तक मृणाल हर दिन अलग मूड में सेट पर आती थीं। हमें समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। एक दिन वह खुश और चुलबुली होती थीं और अगले ही दिन गंभीर हो जाती थीं। हालांकि, तीसरे दिन मुझे एहसास हुआ कि वह बस सीन के हिसाब से प्रतिक्रिया दे रही थीं। वह सेट पर आने से पहले ही तैयारी कर रही थीं और वास्तव में उस किरदार के मूड में ढल रही थीं, जिसे वह निभाने वाली थीं।

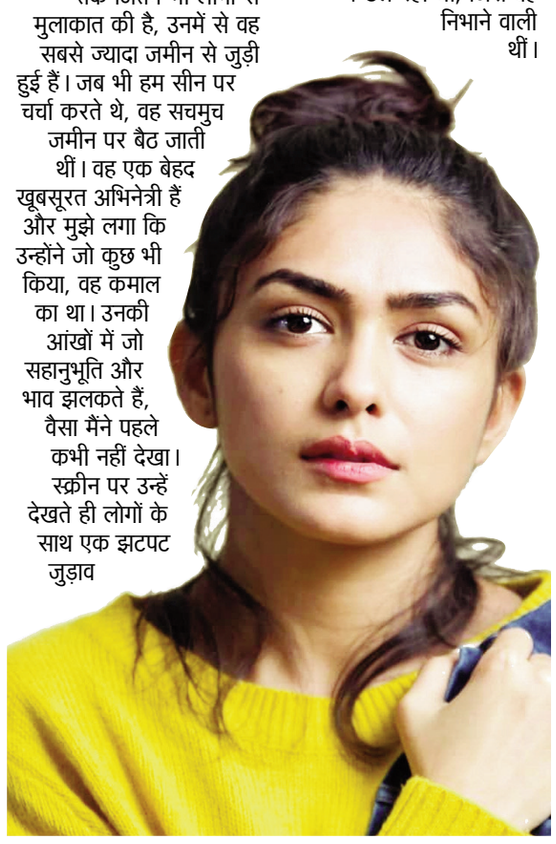

जेलर 2 से क्यों अलग हुए शाहरुख खान

शाहरुख खान और रजनीकांत, दोनों अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच खबर आई कि शाहरुख खान और रजनीकांत पर्दे पर एक-साथ नजर आ सकते हैं। खबरें थीं कि शाहरुख खान फिल्म 'जेलर 2' में कैमियो करने वाले थे। हालांकि ताजा अपडेट में पता चला है कि शाहरुख खान ने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है। अब अभिनेता अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' पर ध्यान देना चाहते हैं। 'जेलर 2' के मेकर्स ने खान से एक कैमियो रोल के लिए संपर्क किया था। इसकी शूटिंग में लगभग 5 दिन लगते। शुरू में एक्टर इसके लिए तैयार थे। हालांकि, खान ने अपने ऑनस्क्रीन प्रेजेंस की खासियत बनाए रखने के लिए इसे मना कर दिया। बताया जाता है कि खान ने खुद रजनीकांत से बात की और भविष्य के किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की अपनी इच्छा जाहिर की।

'किंग' के लिए खास लुक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खान ने गुजारिश की थी कि 'जेलर 2' की रिलीज 'किंग' के बाद रखी जाए। इसकी वजह यह थी कि वह चाहते थे कि उनका अपीयरेंस सिर्फ उसी फिल्म के लिए खास रहे। 'किंग' में उनका एक खास लुक है। वह नहीं चाहते कि उससे पहले किसी और फिल्म में उनका वैसा ही लुक हो। 'जेलर 2' के मेकर्स ने इसे अगस्त में रिलीज करने का प्लान बनाया था।

मेकर्स कैमियो पर कर रहे विचार

मेकर्स अब कैमियो रोल के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हाल ही में, मेकर्स ने घोषणा की थी कि फिल्म लगभग पूरी होने वाली है और यह प्रोजेक्ट अपने पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच गया है। शाहरुख खान की 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। इसके निर्देशक सिद्धार्थ आनंद हैं। इसमें दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और अरशद वारसी जैसे कई बड़े कलाकार शामिल हैं। इसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी होंगी।

विक्रांत मैसी ने किया खुलासा क्यों लिया था फिल्मों से ब्रेक

एक्टर विक्रांत मैसी ने दिसंबर 2024 में अपने फैंस को चौंका दिया था, जब उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने का ऐलान किया। इसके बाद इंडस्ट्री के प्रेशर और नेपोटिज्म को लेकर कई तरह की चर्चाएं होने लगीं। लेकिन अब विक्रांत ने साफ किया है कि उन्होंने यह फैसला क्यों लिया था। विक्रांत ने अपनी पत्नी शीतल ठाकुर के साथ परिणीति चोपड़ा के शो 'मॉम टॉक्स' में पैरेंटहुड के अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि वर्धान के जन्म के समय उनका काम बहुत ज्यादा था, जिससे वह शारीरिक और मानसिक रूप से थक गए थे। इसी वजह से उन्होंने परिवार को प्राथमिकता देने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि हम खुद को इमोशनल, शारीरिक और मानसिक रूप से कितना देते हैं। एक नए पिता के तौर पर मेरा ध्यान हमेशा घर पर ही रहता था। मैंने ये तक नहीं सोचा कि मैं क्या कर रहा हूं या क्यों कर रहा हूं। मैं बस अपने काम जल्दी खत्म करना चाहता था ताकि वर्धान और शीतल के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिता सकूं।'

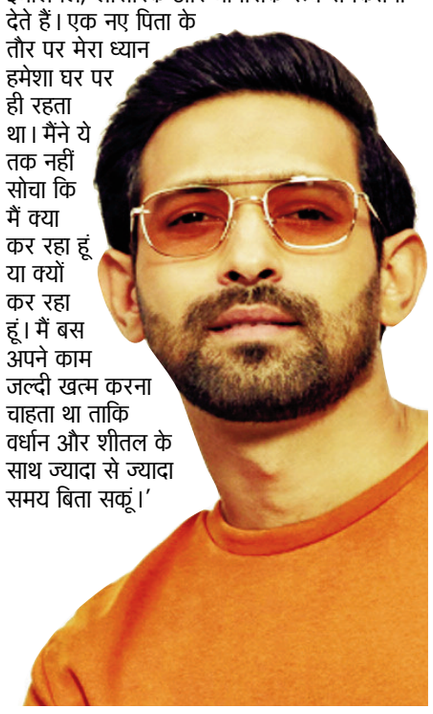

भारतीय सिनेमा का गर्व: 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' का एनेसी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ सिलेक्शन

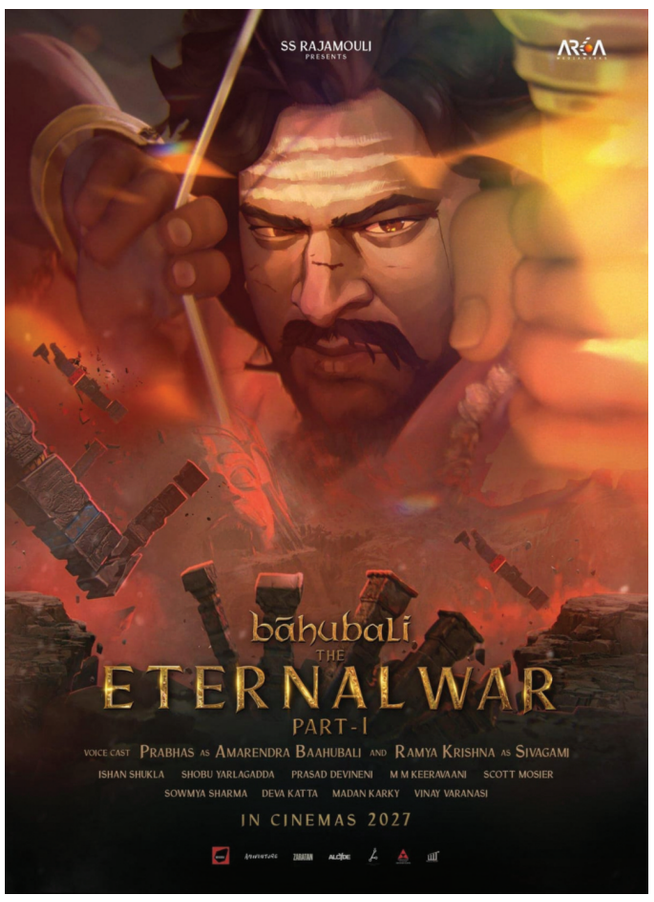

बाहुबली फ्रैंचाइज़ी, जिसमें 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहुबली: द कंक्लूजन' जैसी दो मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े ब्रांड्स में से एक है। यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय सामग्री में से एक है और इसकी अपनी एक अलग पहचान है। जहाँ थिएटरों में इसने रिकॉर्ड तोड़े और नए बेंचमार्क सेट किए, वहीं अब मेकर्स इसे 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के साथ एक नए लेवल पर ले गए हैं, जिसके टीज़र ने ही ग्लोबल लेवल पर लहर पैदा कर दी है। अब एक और बड़ा ग्लोबल इम्पैक्ट डालते हुए, इस फिल्म को प्रतिष्ठित एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है।
'बाहुबली: द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है। एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के 'वर्क इन प्रोग्रेस' (Work in Progress) सेगमेंट में चुने जाने के साथ, यह फिल्म उन चुनिंदा भारतीय एनिमेशन फिल्मों में शामिल हो गई है जिन्हें इस प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म पर दिखाया जाएगा। खास बात यह है कि 'स्पाइडर-वर्स' और 2025 में बेस्ट एनिमेशन का ऑस्कर जीतने वाली फिल्म 'फ्लो' (Flow) भी इसी सेगमेंट का हिस्सा रह चुकी हैं, जो बाहुबली फ्रैंचाइज़ी के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।
'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के मेकर्स ने जो टॉप-नॉच क्वालिटी और टेक्निकल बारीकियां हासिल की हैं, वे टीज़र में ही साफ़ नज़र आ रही थीं। इसके साथ ही, इस फ्रैंचाइज़ी ने निश्चित रूप से भारतीय एनिमेशन सिनेमा के स्तर को ऊपर उठाया है और वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत छाप छोड़ी है।
एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल हर साल जून के आखिरी हफ्ते में फ्रांस के एनेसी शहर में होता है। यह अलग-अलग तकनीकों (ट्रेडिशनल, कट-आउट, क्लेमेशन, CGI, आदि) से बनी एनिमेटेड फिल्मों के बीच एक कॉम्पिटिशन है। फेस्टिवल के दौरान, शहर के सिनेमाघरों में फिल्मों की स्क्रीनिंग के अलावा, शहर के केंद्र में झील और पहाड़ों के बीच 'पाक्वियर' (Pâquier) पर एक ओपन-एयर नाइट प्रोजेक्शन भी आयोजित किया जाता है। फेस्टिवल के टॉपिक के हिसाब से विशाल स्क्रीन पर क्लासिक या हालिया फिल्में दिखाई जाती हैं। शनिवार शाम को सभी पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा की जाती है।
'बाहुबली: द इटरनल वॉर' दो भागों वाला एक एनिमेटेड महाकाव्य है, जिसका निर्देशन पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता ईशान शुक्ला ने किया है। पार्ट 1 का टीज़र पहले ही रिलीज़ हो चुका है और फिल्म 2027 में रिलीज़ होने वाली है।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिंग प्रेस डी-85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com